नई दिल्ली । शुक्रवार, 26 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :171/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक

नई दिल्ली संस्करण

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन : तन्वी, देविका...
@ विचार स्मार्टफोन संयमित उपयोग की वैश्विक जरूरत...
@ व्यापार सरकार की पर्यटन योजनाओं से बदली देश...

दोहरे भूकंप से दहला वेनेजुएला

आपातकाल घोषित, 'मृतकों की संख्या बढ़कर 164 और 971 लोग घायल'

एजेंसी ■ काराकस

वेनेजुएला में आए शक्तिशाली भूकंप में मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। देश की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने जनहानि को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि मरने वालों की संख्या 32 से बढ़कर 164 हो गई है, वहीं घायलों की तादाद भी जबरदस्त तरीके से बढ़ी है। पहले जहां 700 लोगों के घायल होने की बात कही जा रही थी, वहीं अब ये 971 तक पहुंच गई है।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि देश में दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद वेनेजुएला में 164 लोगों की मौत हो गई है और 971 लोग घायल हुए हैं।

नए आंकड़े पहले बताए गए 32 मृतकों और 700 घायलों की संख्या से काफी ज्यादा हैं। अधिकारियों का कहना है कि राहत-बचाव कार्य जारी है। इससे लग रहा है कि संख्या और बढ़ सकती है। रोड्रिगेज ने कहा कि अधिकारी देश के दूसरे हिस्सों से बचाव टीमों को सबसे ज्यादा प्रभावित ला गुएरा इलाके में भेज रहे हैं, जो राजधानी काराकस के उत्तर में है। उन्होंने कहा, 'वहां दर्जनों इमारतें गिर गई हैं... और हम अभी जान बचाने के लिए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चला रहे हैं।' वेनेजुएला के सरकारी प्रसारक को दिए एक इंटरव्यू में कार्यवाहक राष्ट्रपति ने कहा कि वह बचाव दल भेजने के लिए संयुक्त राष्ट्र के साथ समन्वय कर रही हैं। उन्होंने बताया कि देश के पुनर्निर्माण के लिए शुरुआती 20 करोड़ डॉलर (200 मिलियन डॉलर) का कोष बनाने को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ भी बातचीत चल रही है।

रोड्रिगेज ने कहा कि भूकंप से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और पुनर्वास कार्यों को तेज करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जुटाया जा रहा है। इस बीच, दुनिया के तमाम देशों ने वेनेजुएला को हरसंभव सहायता पहुंचाने का भरोसा दिया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पोस्ट के जरिए संवेदना व्यक्त करते हुए मदद का हाथ बढ़ाया। रोड्रिगेज ने जवाब में पीएम मोदी का आभार जताया। इस बीच, यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने चेतावनी दी है कि इस आपदा में मृतकों की संख्या काफी बढ़ सकती है। इसके 10 हजार से एक लाख तक भी पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर चल रही तस्वीरों में काराकस की सड़कों पर कई घर भरभरा कर गिरे देखे जा सकते हैं।

बुधवार को एक के बाद एक दो भूकंप के झटकों से देश दहल गया था। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर पहले की तीव्रता 7.2 और दूसरे की 7.5 मापी गई। वेनेजुएला में एक सदी से भी ज्यादा समय में आए ये सबसे शक्तिशाली भूकंप के झटके थे। यूएसजीएस ने बुधवार रात 10 बजे (जीएमटी) के करीब पहले और इसके ठीक एक मिनट बाद दूसरे भूकंप की खबर दी। दोनों झटके काराकस से लगभग 160 किलोमीटर पश्चिम में समुद्र किनारे के शहर मोरोन के पास आए। भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर थे।

भूकंप से बची तो बेटी को गले लगाकर रोई महिला

वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंपों से तबाही मच गई। 39 सेकेंड के अंदर राजधानी कराकस की ऊंची इमारतें मलबे के ढेर में बदल गईं। भूकंप ने कुछ ही सेकेंड में हजारों लोगों की जिंदगी बदल दी। कई परिवारों ने अपनों को खो दिया, सैकड़ों लोग घायल हुए और बड़ी संख्या में लोगों को घर छोड़ना पड़ा। इस तबाही के बीच कई भावुक और दिल दहला देने वाले दृश्य सामने आए। कोई मलबे से सुरक्षित निकलने के बाद अपनी बेटी को गले लगाकर रो पड़ा, तो कई लोगों ने जान जोखिम में डालकर पालतू जानवरों को बचाया। कराकस में एक बड़ी इमारत कुछ सेकेंड्स में ढह गई।

उद्योगों को राहत, सरकार ने एलपीजी आपूर्ति पर लागू सभी प्रतिबंध हटाए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

औद्योगिक और वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। इस तरह की एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति पर लगे सभी क्षेत्रीय प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। अब आपूर्ति पश्चिम एशिया संकट से पहले के स्तर पर पूरी तरह बहाल कर दी गई है। यह कदम उद्योगों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को बड़ी राहत देगा।

थोक एलपीजी की आपूर्ति भी 50 फीसदी तक बहाल की गई है। संकट के दौरान थोक एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह निलंबित कर दी गई थी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, एलपीजी आपूर्ति की स्थिति में हालिया सुधार के बाद यह बहाली की गई है। इससे वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को काफी लाभ मिलेगा। उन्हें अपनी परिचालन लागत कम करने में मदद मिलेगी। यह निर्णय बाजार में गैस की उपलब्धता बढ़ाएगा। इससे उत्पादन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

संकट के दौरान क्या हुआ था ?

पश्चिम एशिया संकट के समय घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार ने विशेष आदेश जारी किए थे। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत यह आदेश दिया गया था। इसमें सी3-सी4 धाराओं का उपयोग विशेष रूप से एलपीजी उत्पादन के लिए अनिवार्य किया गया था। इन धाराओं को पेट्रोकेमिकल और अन्य अनुप्रवाह उपयोगों से मोड़ा गया था। यह कदम देश में घरेलू एलपीजी की कमी को पूरा करने के लिए उठाया गया था। इससे उद्योगों को कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था।

अब क्या बदलेगा ?

स्वदेशी एलपीजी उत्पादन में उल्लेखनीय सुधार को देखते हुए सरकार ने एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आयातित एलपीजी खेपों की अनुमानित उपलब्धता भी अब काफी बढ़ गई है। सरकार ने एलपीजी भंडार में सी3-सी4 धाराओं के मोड़ को कम करने का फैसला किया है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र दान प्रकरण में दर्ज हुई पहली एफआईआर

एजेंसी ■ अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र दान प्रकरण में 8 नामजद व अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर सीएम योगी द्वारा गठित एसआईटी के प्रारम्भिक प्रतिवेदन में कठोर संस्तुतियां की गई हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

गुरुवार देर रात तक गिरफ्तारी की नहीं हुई है। ट्रस्ट के सदस्य कृष्णमोहन की लिखित शिकायत पर श्रीराम जन्मभूमि थाने में दर्ज की गई इस एफआईआर (अपराध संख्या 90/2026) में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पाण्डेय, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव, श्रीराम शंकर यादव उर्फ टिन्नू को नामजद तथा अन्य अज्ञात व्यक्तियों को अभियुक्त बनाया गया है।

आरोपियों के खिलाफ धारा 305, 306, 316(5), 317(4), 317(5), 61, 3(5) बीएनएस व 13(1)(a) पीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस

प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी के प्रमुख सदस्य लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत ने गत मंगलवार को टीम के अन्य दो सदस्यों के साथ शासन को प्रारंभिक प्रतिवेदन सौंपा था, जिसमें कठोर संस्तुतियां हैं। इसके बाद ही गुरुवार को एफआईआर दर्ज किए जाने की कार्रवाई अंजाम दी गई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के भेंट/चढ़ावा में चोरी का मामला सामने आने के बाद ट्रस्ट ने विशेष जांच का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रकरण की जांच के लिए ट्रस्ट का गठन हुआ था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि एसआईटी की निष्पक्ष जांच से 'दूध का दूध और पानी का पानी' होकर रहेगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

गौरतलब है कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में चढ़ावे और दान राशि के कथित गबन का विवाद जून के पहले सप्ताह में उस समय चर्चा में आया था, जब समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने मंदिर में प्राप्त दान राशि के प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। आरोपों के सार्वजनिक होने के बाद राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई और विपक्ष ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके बाद समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया था।

विवाद बढ़ने के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने आरोपों को खारिज करते हुए अपना पक्ष सार्वजनिक किया। ट्रस्ट की ओर से जारी स्पष्टीकरण में दान और चढ़ावे के प्रबंधन की प्रक्रिया को पारदर्शी बताते हुए किसी भी प्रकार की अनियमितता से इनकार किया गया। हालांकि मामला राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श का विषय बना रहा। बढ़ते विवाद को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश दिए और 13 जून को लखनऊ मंडलायुक्त डॉ. विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर निर्धारित समयावधि में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता, बनेगा 'फोर्स मल्टीप्लायर': पीयूष गोयल

एजेंसी ■ लंदन/नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक 'फोर्स मल्टीप्लायर' साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता व्यापार, निवेश, तकनीक और रणनीतिक क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को नई मजबूती देगा।

लंदन में आयोजित इंडिया ग्लोबल फोरम की यूके-इंडिया वीक 2026 के दौरान बोलते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच साझेदारी पिछले कुछ वर्षों में काफी मजबूत हुई है और अब यह कई क्षेत्रों को शामिल करने वाला एक रणनीतिक संबंध बन चुका है। उन्होंने कहा, 'भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला फोर्स मल्टीप्लायर साबित होगा।'

गोयल ने कहा कि दोनों देशों के संबंध अब केवल पारंपरिक व्यापार तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने बताया कि भारत और ब्रिटेन के बीच अब तकनीक, निवेश, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ रहा है। मंत्री ने कहा कि यह बढ़ता सहयोग दोनों देशों के रिश्तों की गहराई और व्यापकता को दर्शाता है। पीयूष गोयल ने आगे कहा कि भारत और ब्रिटेन आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और विश्व में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी समान दृष्टिकोण रखते हैं। उन्होंने बताया कि दोनों देश कई बहुपक्षीय मंचों पर मिलकर काम कर रहे हैं ताकि निष्पक्ष और समान व्यापारिक व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा सके।

शेफाली वर्मा की आंधी में उड़ी बांग्लादेश

भारत की धमाकेदार जीत; सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

शेफाली वर्मा की तूफानी फिफ्टी के चलते भारतीय महिला टीम ने गुरुवार को विमंस टी20 विश्व कप 2026 के 23वें मुकाबले में बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया। विश्व कप में भारत की यह तीसरी जीत है।

इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 136 रन बनाए थे। 137 रन के टारगेट को भारत ने 16.5 ओवर में चेज कर लिया। अब भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

बांग्लादेश की सलामी बल्लेबाज जुएरिया फिरदौस ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। कप्तान निगार सुल्ताना ने 27 गेंदों पर 32 रन की पारी खेली। शोभना मोस्टोरी ने 22 रनों का योगदान दिया। भारत की ओर से राधा यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए। वहीं श्रीचरणी के खाते में 2 विकेट आए। रेणुका ठाकुर और नंदनी शर्मा को भी 1-1 विकेट मिला।

137 रन चेज करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली वर्मा ने तेज शुरुआत दी। उन्होंने आते ही गेंदबाजों पर प्रहार शुरू किया। हालांकि, इस बीच स्मृति मंधाना सस्ते में आउट हो गईं।

उन्होंने 6 गेंदों पर 8 रन बनाए। पावरप्ले में भारतीय टीम ने 1 विकेट खोकर 63 रन बना लिए थे। यह टी20 विश्व कप में भारतीय महिला टीम का पावरप्ले में सबसे ज्यादा स्कोर है।

एसआईटी करेगी केतन हत्याकांड की जांच

सिया गोयल की मां ने कहा- अगर वो दोषी है तो उसे फांसी दे दो

एजेंसी ■ मुंबई

केतन अग्रवाल की मौत के मामले में उसकी मंगेतर सिया गोयल शक के घेरे में है। सिया गोयल पर आरोप है कि उसने अपने प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर केतन का मर्डर किया।

सिया की मां ने कहा, 'अगर वह दोषी है, तो उसे सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अगर वह दोषी है तो उसे फांसी दे दी जाए, यह बात एक मां कह रही है।'

'अगर वो दोषी है तो फांसी दे दो'

सिया के पिता, प्रवीण गोयल ने भी बेटी के दोषी पाए जाने पर उसे फांसी देने की बात कही है। प्रवीण गोयल मीडिया आउटलेट से कहा, 'इस मामले में जो भी दोषी हो, भले ही वह मेरी बेटी ही क्यों न हो, उसे फांसी दी जानी चाहिए।' सिया के पिता प्रवीण गोयल का अभी पुणे के

अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्हें 23 जून को हार्ट अटैक आया था। सिया गोयल का भाई दोनों माता-पिता की देखभाल के लिए अस्पताल में ही रह रहा है।

पुणे जिले के लोनावला हिल स्टेशन में हुए सनसनीखेज लोहागढ़ किले हत्याकांड से जुड़े चौंकाने वाले विवरण सामने आने के बाद, महाराष्ट्र सरकार एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करेगी। राज्य विधानसभा में राकांपा सदस्य सुनील शेल्के द्वारा विधानसभा में यह मुद्दा उठाने और गोयल के परिवार को हत्या के मामले में आरोपी बनाने की मांग की गई। इसके बाद एक विशेष जांच समिति (एसआईटी) गठित करने का विधानसभा की अध्यक्षता कर रहे विधायक राजू खरे ने सरकार को इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन करने का आदेश दिया।

‘कांपती धरती, बढ़ती तबाही: भूकंप की त्रासदियों से जूझती दुनिया’

दैनिक विश्व केसरी विशेष

रायपुर। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए शक्तिशाली भूकंप ने लोगों को दहशत में डाल दिया। भूकंप के झटके कई क्षेत्रों में महसूस किए गए, जिससे लोग घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। प्रशासन ने राहत एवं बचाव दलों को सतर्क कर दिया है, जबकि प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन किया जा रहा है। यह घटना एक बार फिर दुनिया को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सजग रहने की याद दिलाती है।

भूकंप प्रकृति की उन विनाशकारी घटनाओं में से एक है, जो बिना किसी पूर्व चेतावनी के कुछ ही क्षणों में हजारों जिंदगियों को प्रभावित कर सकती है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर आए भूकंपों ने न केवल बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान पहुंचाया है, बल्कि मानव सभ्यता के सामने आपदा प्रबंधन और पुनर्वास की गंभीर चुनौतियां भी खड़ी की हैं। हाल ही में वेनेजुएला सहित कई देशों में महसूस किए गए भूकंप के झटकों ने एक बार फिर इस प्राकृतिक आपदा के खतरे को रेखांकित किया है।

विश्व में अब तक कई भयंकर भूकंप दर्ज किए जा चुके हैं। वर्ष 1960 में चिली में आया 9.5 तीव्रता का भूकंप अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप माना जाता है। इस आपदा ने व्यापक तबाही मचाई और सुनामी के रूप में इसका प्रभाव हजारों किलोमीटर दूर तक देखा गया। वर्ष 2004 में हिंद महासागर में आए भूकंप और उससे उत्पन्न सुनामी ने भारत, इंडोनेशिया, श्रीलंका और थाईलैंड समेत कई देशों में दो लाख से अधिक लोगों की जान ले ली थी। वहीं 2011 में जापान के तोहोकू क्षेत्र में आए भूकंप और सुनामी ने परमाणु संकट तक पैदा कर दिया था।

भूकंप का सबसे बड़ा कारण पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधियां हैं। जब ये प्लेटें आपस में टकराती हैं, खिसकती हैं या दबाव मुक्त करती हैं, तब धरती के भीतर संचित ऊर्जा अचानक बाहर निकलती है और भूकंप के रूप में महसूस होती है। प्रशांत महासागर के चारों ओर स्थित ‘रिंग ऑफ फायर’ क्षेत्र दुनिया का सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र माना जाता है, जहां अधिकांश बड़े भूकंप आते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक तकनीक के बावजूद भूकंप की सटीक भविष्यवाणी अभी भी संभव नहीं हो पाई है। हालांकि भूकंपरोधी निर्माण, समय पर चेतावनी प्रणाली और प्रभावी आपदा प्रबंधन से इसके नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। जापान जैसे देशों ने इस दिशा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएं मानव समाज को लगातार सतर्क रहने का संदेश देती हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भूकंप का खतरा और भी गंभीर हो जाता है।

भूकंप के तेज झटकों से दहले शहर, लोग घरों से बाहर निकले

शानसी से सुनामी तक, दुनिया की सबसे भयावह भूकंप त्रासदियों की कहानी

भूकंप विश्व की सबसे विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में से एक है। टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल से उत्पन्न होने वाले भूकंपों ने करोड़ों जिंदगियां लील ली हैं और सभ्यताओं को झकझोर कर रख दिया है।

विश्व में भूकंप मानव सभ्यता के लिए सबसे विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में से एक रहा है। पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल से उत्पन्न होने वाले भूकंपों ने समय-समय पर लाखों लोगों की जान ली है, शहरों को मलबे में बदल दिया है और देशों की अर्थव्यवस्थाओं को गहरा आघात पहुंचाया है। आधुनिक विज्ञान ने भूकंप की प्रकृति को समझने में काफी प्रगति की है, लेकिन आज भी इसके सटीक समय और स्थान की भविष्यवाणी संभव नहीं हो सकी है। इतिहास में कई ऐसे भूकंप हुए हैं जिन्होंने मानवता को झकझोर कर रख दिया।

विश्व की सबसे बड़ी भूकंप त्रासदियां

. चीन का शान्शी भूकंप (1556)

मानव इतिहास का सबसे घातक भूकंप 23 जनवरी 1556 को चीन के शान्शी प्रांत में आया था। इसकी तीव्रता लगभग 8.0 मानी जाती है। इस भूकंप में लगभग 8.3 लाख लोगों की मृत्यु हुई थी। उस समय बड़ी संख्या में लोग मिट्टी की गुफाओं में रहते थे, जो भूकंप के झटकों से ढह गईं और भारी जनहानि हुई।

. तांगशान भूकंप, चीन (1976)

28 जुलाई 1976 को चीन के औद्योगिक शहर तांगशान में 7.5 तीव्रता का भूकंप आया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2.42 लाख लोगों की मौत हुई, जबकि कुछ अनुमान इससे कहीं अधिक संख्या बताते हैं। यह 20वीं सदी की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में गिना जाता है।

. हिंद महासागर भूकंप और सुनामी (2004)

26 दिसंबर 2004 को इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के निकट समुद्र के भीतर 9.1-9.3 तीव्रता का भूकंप आया। इसके कारण आई सुनामी ने इंडोनेशिया, भारत, श्रीलंका, थाईलैंड सहित 14 देशों में तबाही मचा दी। लगभग 2.3 लाख लोगों की जान गई। यह आधुनिक इतिहास की सबसे विनाशकारी समुद्री आपदाओं में से एक थी।

भारत में भूकंप की प्रमुख घटनाएं

रायपुर । भारत भूकंप की दृष्टि से दुनिया के सबसे संवेदनशील देशों में शामिल है। देश का बड़ा हिस्सा भूकंपीय जोखिम वाले क्षेत्रों में आता है, विशेषकर हिमालयी क्षेत्र, पूर्वोत्तर भारत, गुजरात और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह। समय-समय पर आए शक्तिशाली भूकंपों ने न केवल हजारों लोगों की जान ली, बल्कि व्यापक आर्थिक और सामाजिक नुकसान भी पहुंचाया है।

भारत के इतिहास में वर्ष 1897 का असम भूकंप सबसे विनाशकारी घटनाओं में गिना जाता है। रिक्टर पैमाने पर 8.1 तीव्रता वाले इस भूकंप ने शिलांग और आसपास के क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई थी। इसके बाद 1905 में हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा क्षेत्र में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप ने 20 हजार से अधिक लोगों की जान ले ली और हजारों इमारतें धराशायी हो गईं।

वर्ष 1934 में बिहार-नेपाल सीमा पर आए 8.0 तीव्रता के भूकंप ने उत्तर बिहार और नेपाल में व्यापक तबाही मचाई। इसे भारतीय उपमहाद्वीप के सबसे विनाशकारी भूकंपों में से एक माना जाता है। वहीं 1950 का असम-तिब्बत भूकंप 8.6 तीव्रता के साथ भारत के इतिहास के सबसे शक्तिशाली भूकंपों में शामिल है, जिससे बड़े पैमाने पर भूस्खलन और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई थी।

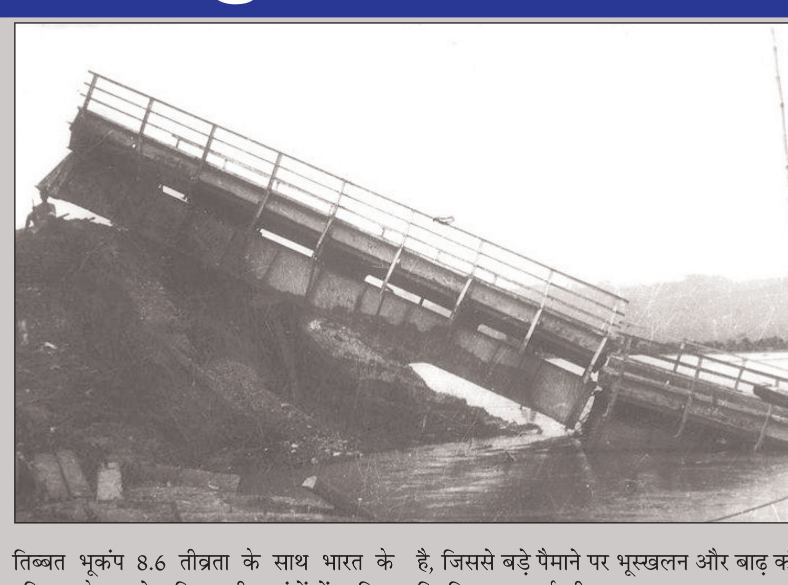

आधुनिक भारत में 1993 का लातूर भूकंप एक बड़ी त्रासदी के रूप में याद किया जाता है। अपेक्षाकृत कम तीव्रता (6.2) के बावजूद इस भूकंप में लगभग 8,000 से 10,000 लोगों की मौत हुई। इसके बाद 26 जनवरी 2001 को गुजरात के भुज में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप ने पूरे देश को झकझोर दिया।

इस आपदा में करीब 20 हजार लोगों की जान गई और लाखों लोग प्रभावित हुए। भुज भूकंप के बाद भारत में आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़े कदम उठाए गए।

इसके अलावा 2005 के कश्मीर भूकंप और 2011 के सिक्किम भूकंप ने भी भारी नुकसान पहुंचाया। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय प्लेट और यूरेशियन प्लेट के लगातार टकराव के कारण हिमालयी क्षेत्र भविष्य में भी बड़े भूकंपों के खतरे का सामना करता रहेगा।

ड्रग्स, हथियार और हवाला राशि के साथ अफगान नागरिक समेत 7 गिरफ्तार

विश्व केसरी ■

चंडीगढ़। पंजाब के धार्मिक शहर अमृतसर की कमिश्नरेट पुलिस ने एक केंद्रीय एजेंसी के साथ मिलकर एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह सीमा पार से अवैध हथियारों, नशीले पदार्थों की तस्करी और हवाला कारोबार में लिप्त था। इस संयुक्त अभियान के दौरान पुलिस ने एक अफगान नागरिक और एक किशोर सहित कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

इस कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में अवैध सामान और नकदी बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 अत्याधुनिक हथियार बरामद किए हैं, जिनमें दो सब-मशीन गन भी शामिल हैं। इसके अलावा, गिरोह के पास से 5.048 किलोग्राम हेरोइन और 30.38 लाख रुपये की हवाला राशि भी जब्त की गई है।

शुरुआती जांच से पता चला है कि पकड़े गए आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए विदेशों में बैठे अपने आकाओं (हैंडलर्स) के संपर्क में थे। ये लोग वहां से आने वाली खेप को हासिल करते थे और फिर उसे आगे अपराधियों और तस्करों को सप्लाई करते थे। इसके साथ ही, अलग-अलग जगहों पर पैसों के लेन-देन के लिए यह नेटवर्क हवाला चैनलों का इस्तेमाल कर रहा था। इस मामले में अमृतसर के थाना इस्लामाबाद में प्रथमसूचना रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क के आगे और पीछे के संपर्कों को खंगाल रही है, ताकि इस अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके। पंजाब पुलिस ने साफ किया है कि वे राज्य से ड्रग्स, हथियारों की तस्करी और संगठित अपराध को खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

एमपी में सामाजिक सुरक्षा पेंशन का वितरण

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को सिंगल क्लिक से लगभग 34 लाख हितग्राहियों के खाते में सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि का हस्तांतरण किया। मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 33 लाख 92 हजार 695 से अधिक भाई-बहनों और बुजुर्गों के खातों में मई महीने की 203 करोड़ 56 लाख रुपये की राशि सिंगल क्लिक से ट्रांसफर की।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि घर में बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद होना, तपती धूप में ठंडी छांव के समान होता है। हमारी संस्कृति में बुजुर्गों, असहायों और समाज के सबसे कमजोर वर्ग को आदर देना केवल कर्तव्य नहीं बल्कि हमारा धर्म माना गया है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि हमारी कोशिश है कि राज्य का कोई भी निर्धन परिवार, माताएं, बहनें या हमारे दिव्यांग साथी स्वयं को बेसहारा न समझें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अंत्योदय का संकल्प सिद्ध हो रहा है। इसी दिशा में राज्य सरकार भी गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों के कल्याण में जुटी है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन केवल आर्थिक सहायता नहीं है, अपितु निर्धन परिवारों, दिव्यांग साथियों में आपके प्रति सरकार का स्नेह, सम्मान और सुरक्षा का वचन है। राज्य सरकार सभी को अपने परिवार का हिस्सा मानती है।

पंजाब में मान सरकार का बड़ा चुनावी दांव: सरपंचों और आशा कार्यकर्ताओं के लिए बड़े ऐलान

विश्व केसरी ■

चंडीगढ़। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने आगामी चुनावों को देखते हुए अपनी राजनीतिक और चुनावी सरगर्मियां तेज कर दी हैं। मुफ्त बिजली, 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज और महिलाओं के लिए मासिक भत्ते की घोषणाओं के बाद अब मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ग्रामीण जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को साधने के लिए एक और बड़ा दांव खेला है।

बठिंडा में आयोजित सरपंचों की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य के सभी पंचायत सरपंचों को अब हर महीने 10,000 रुपये का मानदेय दिया जाएगा, जो 15 अगस्त से सीधे उनके खातों में ट्रांसफर होना शुरू हो जाएगा।

इसके साथ ही, ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली आशा कार्यकर्ताओं के लिए एक बड़ी जीवन बीमा योजना को मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत ड्यूटी या सेवा के दौरान दुर्घटना में मृत्यु होने पर 30 लाख रुपये और प्राकृतिक मृत्यु की स्थिति में 5 लाख रुपये का सुरक्षा कवच सुनिश्चित किया गया है।

भगवंत मान ने इस मौके पर पिछली सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आजादी के दशकों बाद भी आज तक किसी दल या सरकार ने सरपंचों के आर्थिक सशक्तिकरण की सुध नहीं ली। उन्होंने याद दिलाया कि अगले साल देश अपनी आजादी के 80 साल पूरे करने जा रहा है, लेकिन व्यवस्था में बदलाव लाने का काम उनकी सरकार ही कर रही है।

इससे पहले सरकार 1 जुलाई से सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1,000 रुपये और अनुसूचित वर्ग की महिलाओं को 1,500 रुपये का मासिक भत्ता देने का ऐलान भी कर चुकी है, जिससे यह साफ होता है कि मान सरकार समाज के हर वर्ग को सीधे आर्थिक लाभ पहुंचाने की नीति पर तेजी से अमल कर रही है।

कोचिंग सेंटरों की पड़ताल में मिली खामियां, सुधार के दिए निर्देश

लखनऊ की घटना के बाद जागा प्रशासन

विश्व केसरी

रायपुर। लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के बाद छत्तीसगढ़ प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। इसी कड़ी में रायपुर में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी जांच शुरू कर दी गई है। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेश और नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर शहर के प्रमुख कोचिंग संस्थानों में दो दिवसीय विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया।

इस दौरान कुल 7 बड़े कोचिंग संस्थानों की जांच की गई। जांच में अनअकादमी, विद्यापीठ और एलन में अधिकांश सुरक्षा मानक सही पाए गए, हालांकि कुछ जगहों पर सुधार के निर्देश दिए गए। वहीं अकादजा, RCC अकादमी, आभा लाइब्रेरी और टुटेजा अकादमी में गंभीर खामियां मिलीं। इनमें फायर एनओसी, आपातकालीन निकास, वेंटिलेशन और बिजली सुरक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं की कमी पाई गई। अग्निशमन विभाग ने इन संस्थानों पर असंतोष जताते हुए सुधार के लिए नोटिस जारी किया है और 7 दिनों का समय दिया गया है। साथ ही भवन अनुमति, क्षमता और पार्किंग नियमों की भी जांच के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम ने साफ कहा है कि छात्रों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा और तय समय में सुधार न करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोचिंग सेंटर, होटल, मॉल और बहुमंजिला इमारतों का होगा सेफ्टी ऑडिट : सीएम

रायपुर। रायपुर में अब सुरक्षा मानकों को लेकर बड़ी सख्ती शुरू होने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने साफ कर दिया है कि लोगों की जान से खिलवाड़ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। राज्यभर के बहुमंजिला अपार्टमेंट, होटल, मॉल, कोचिंग सेंटर, लॉज और अन्य सार्वजनिक भवनों की विशेष जांच कराई जाएगी। हाल के दिनों में देशभर में हुई आग की घटनाओं के बाद छत्तीसगढ़ सरकार अलर्ट मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव और सभी जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि हर संस्थान की सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत ऑडिट किया जाए और नियमों का उल्लंघन मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाए। निरीक्षण के दौरान फायर एनओसी, अग्निशमन यंत्र, इमरजेंसी एग्जिट, सीसीटीवी, बिजली व्यवस्था, प्राथमिक उपचार, पेयजल, पार्किंग और आपदा प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं की जांच होगी।

अधिक कीमत पर खाद बेचने वाले विक्रय केंद्र पर छापा

किसानों के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, दोषियों पर होगी कार्रवाई

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार किसानों को निर्धारित दर पर खाद–बीज उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य सरकार लगातार सख्त कदम उठा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सरगुजा जिले में कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। अंबिकापुर के नेहरूनगर (डीगमा) स्थित एक उर्वरक विक्रय केंद्र पर औचक निरीक्षण कर 3219 बोरी उर्वरक जब्त किए गए हैं तथा विक्रय केंद्र को सील कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक कृषक ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई थी कि नेहरूनगर (डीगमा) स्थित मेसर्स सरगुजा कृषि राय केंद्र द्वारा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरकों का विक्रय किया जा रहा है। शिकायत प्राप्त होते ही कृषि विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच प्रारंभ की।

जांच के दौरान शिकायतकर्ता किसान के बयान एवं ऑनलाइन भुगतान से संबंधित डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण किया गया। जांच में निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक विक्रय किए जाने की पुष्टि होने पर जिला स्तरीय टीम ने 25 जून को संबंधित प्रतिष्ठान पर औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान परिसर में उपलब्ध 3219 बोरी उर्वरक जब्त किए गए तथा संपूर्ण विक्रय केंद्र को सील कर दिया गया। कृषि विभाग की इस सख्त कार्रवाई से जिले के उर्वरक विक्रेताओं में स्पष्ट संदेश गया है कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कार्रवाई के दौरान सहायक संचालक कृषि कुंवर साय पैंकरा, उर्वरक निरीक्षक जे. आलम, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री सीताराम भगत सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों को निर्धारित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा अधिक कीमत पर बिक्री करने वालों के विरुद्ध आगे भी लगातार निरीक्षण एवं कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। किसानों से भी अपील की गई है कि वे ऐसी किसी भी अनियमितता की जानकारी तत्काल मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 अथवा कृषि विभाग शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

पुनर्मूल्यांकन के बाद बदली मेरिट लिस्ट 10वीं और 12वीं में 13-13 नए छात्रों

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने बोर्ड परीक्षाओं के पुनर्गणना और पुनर्मूल्यांकन के परिणाम जारी कर दिए हैं। नई सूची सामने आने के बाद कई विद्यार्थियों के अंकों में बढ़ोतरी हुई है, वहीं मेरिट सूची में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला है। बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी दोनों की मेरिट सूची में 13–13 नए विद्यार्थियों ने जगह बनाई है। इसके साथ ही 10वीं की मेरिट सूची में शामिल छात्रों की संख्या 42 से बढ़कर 55 हो गई है, जबकि 12वीं में यह संख्या 43 से बढ़कर 56 पहुंच गई है। माशिमं की सचिव पुष्पा साहू ने बताया कि विद्यार्थियों के आवेदन के आधार पर उत्तरपुस्तिकाओं की दोबारा जांच कराई गई थी। जांच के बाद बड़ी संख्या में छात्रों के अंकों में सुधार दर्ज किया गया है। हाईस्कूल परीक्षा में पुनर्गणना के बाद 126 विद्यार्थियों के अंक बढ़े, जबकि पुनर्मूल्यांकन के बाद 3657 छात्रों को अतिरिक्त अंक मिले हैं। इसी तरह हायर सेकेंडरी परीक्षा में पुनर्गणना से 140 और पुनर्मूल्यांकन से 6758 विद्यार्थियों के अंकों में वृद्धि हुई है। इस बार बोर्ड द्वारा नियमों में किए गए बदलाव का भी सीधा असर परिणामों पर दिखाई दिया। पहले किसी विषय में कम से कम 10 प्रतिशत अंकों की वृद्धि होने पर ही उसे मान्यता दी जाती थी, लेकिन अब यह सीमा घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। इसी वजह से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिला और मेरिट सूची का दायरा भी बढ़ गया।

बिलासपुर में एसीबी का डबल वार : पटवारी और बिजली बाबू रिश्वत लेते रंगे हाथ धराए

बिलासपुर/मस्तूरी। एंटी करप्शन ब्यूरो ने दस्तावेजों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सरकारी कर्मचारियों को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

केस 1 : जमीन बंटवारे के बदले 25 हजार की रिश्वत

रतनपुर के लालपुर के रोशनदान के पटवारी भानु चंद्राकर को एसीबी ने 25,000 रुपये की रिश्वत दी। मेन अशोक अग्रवाल ने एक साल पहले जमीन का नक्शा विवरण के लिए आवेदन किया था। पटवारी ने पहले 40,000 करोड़ रुपये में काम किया था, बाद में 25,000 रुपये में यह काम हुआ। आज ट्रैप जांच एसीबी ने पटवारी को रंगे हाथ न्यूजीलैंड ले लिया।

केस 2 : फ्री बिजली पोल के लिए 10 हजार

मस्तूरी सीएसपीडीसीएल कार्यालय में नौकर बाबू सहदेव कुमार चंद्रा को 10,000 रुपये की रिश्वत ली गई। किसान त्रिलोकी साहू ने शासन की योजना के तहत खेत में मुफ्त विद्युत पोल लगाने का आवेदन किया था। बाबू ने 10,000 की डिजाईन की फोटो का नाम रखा। एसीबी ने जाल बिछाकर बाबू को पकड़ लिया। दोनों फोरकास्टर्स पर चोट चोट अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत कार्रवाई जारी है। एसीबी की इस कार्रवाई में सरकारी निवेशकों पर धावा बोला गया है।

राम प्रसाद दुबे को पीएचडी की उपाधि

विश्व केसरी

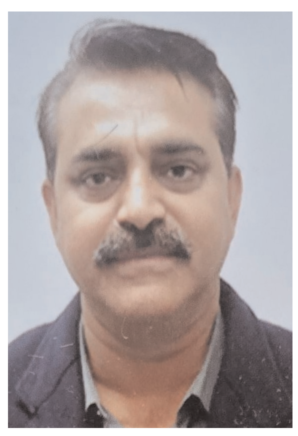

रायपुर। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक रायपुर में सहायक प्राध्यापक जनसंचार विभाग एवं विभाग अध्यक्ष राम प्रसाद दुबे को श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी दुर्ग के द्वारा डॉक्टरेटऑफ फिलॉसफी की उपाधि प्रदान की गई है श्री दुबे ने किसान आंदोलन मीडिया एक अध्ययन विशेष संदर्भ दैनिक जागरण अमर उजाला के विषय पर शोध अध्ययन प्रस्तुत किया है श्री दुबे ने शोध अध्ययन शोध विभाग के अध्यक्ष डॉक्टर धनेश जोशी एवं निदेशक डॉ नरेश साहू ,डॉ संतोष बंजारे ,डॉ संजीव के विशेष मार्गदर्शन में पूरा किया है उनको उपाधि प्रदान किए जाने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी ने शुभकामनाएं प्रेषित की है उपाधि प्राप्त करने वाले रामप्रसाद दुबे ने उपाधि मिलने पर इसका योगदान दिवंगत माता श्रीमती रामदुलारी दुबे एवं पिता स्वर्गीय श्री देवी प्रसाद दुबे को दिया है।

एनसीईआरटी की किताबों में बदलाव : कक्षा 9वीं के सिलेबस में 1975 का आपातकाल

विश्व केसरी

रायपुर। नेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग यानी एनसीई आरटीओ ने पहली बार कक्षा 9वीं की सामाजिक विज्ञान की किताब में साल 1975 से 1977 के बीच लगे देशों के नामकरण को शामिल किया है। न्यू बुकस्टैंडिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियॉन्ड में इस दौर में भारतीय लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी परीक्षा और चुनौती के रूप में पेश किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि यह नया खंड ऐसे समय में जोड़ा गया है जब देश ने हाल ही में 50 साल पूरे होने को याद किया है। इसके माध्यम से छात्रों को देश के राजनीतिक इतिहास की जमीनी हकीकत से रूबरू कराया जाएगा।

पुस्तक में इंदिरा सरकार का विरोध और मौलिक अधिकार पर साक्षात्कार का पूरा सच

नई किताब के पाठ में साफा ने लिखा है कि 1970 के दशक की शुरुआत में बेरोजगारी, बेरोजगारी और खराब व्यवस्था के कारण इंदिरा गांधी सरकार के आम लोगों में आक्रोश बढ़ रहा था। इसी तरह के मोहरे के बीच जून 1975 में देश के अंदर भयावहता का खतरा राष्ट्रीय आपदा लागू कर दिया गया। पुस्तक में बच्चों को आसान भाषा में बताया गया है कि उस दौर में नागरिकों के अधिकांश प्रदर्शित अधिकार यानि जी और उनकी बात की स्वतंत्रता को रोक दिया गया था। अखबारों और मीडिया पर सरकारी सेंसरशिप लगाई गई थी, यानी सरकार की ओर से बिना कुछ भी छापना मन था। इसके साथ ही देश के बड़े नेताओं और राजनेताओं को जेल में डाल दिया गया था।

नारायण का आंदोलन और लोकतंत्र की राजधानी का पाठ

इस नए अध्याय में लोकनायक नारायण की भूमिका बहुत ही प्रमुखता से निभाई गई है। किताब में बताया गया है कि कैसे जापान के छात्र और आम जनता पूरे बिहार और गुजरात में बड़े जन आंदोलन के साथ थे। इसके बाद साल 1977 में जब सदन खत्म हुआ और चुनाव हुआ तो जनता ने अपने वोट की ताकत से सत्ता सरकार को हरा दिया। पुस्तक इसे भारतीय लोकतंत्र की असली ताकत का सबसे बड़ा उदाहरण है।

रायपुर में धर्मांतरण विवाद : दो पास्टर गिरफ्तार, ईसाई समाज ने जताया विरोध

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी रायपुर ग्रामीण के खरोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मठ में धर्म परिवर्तन से संबंधित विवाद ने तूल पकड़ ली है। हिंदू देवी–देवताओं पर धार्मिक टिप्पणी और सीलबंद धर्म परिवर्तन के प्रयास के आरोप में पुलिस ने दो पादरी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद मामले ने सामाजिक और राजनीतिक रंग भी ले लिया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम मंथ के निवासी पहलवान मरावी सहित अन्य विद्यार्थियों ने खरोरा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि रायपुर निवासी पादरी शांति ज्ञानिक और उनके सहयोगी पीयूष पटेल लंबे समय से गांव के आदिवासियों में सक्रिय थे और लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे। उत्तर का यह भी आरोप है कि दोनों पारंपरिक धार्मिक साधु और देवी–देवताओं को लेकर पर थे, जिससे गांव में तनाव की स्थिति बन गई। याचिका के अनुसार, कई बार समझाइश देने के बावजूद अपनी वसूली से पीछे नहीं हटे।

घटना 24 जून की बताई जा रही है, जब एक बार फिर ग्राम मंथ और बौद्धों के बीच प्रार्थना सभा का आयोजन कर लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया। इस दौरान विवाद की स्थिति पैदा हो गई और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने याचिका दायर की और प्रारंभिक जांच के आधार पर दोनों पास्टरों को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299, 302, 3(5) और छत्तीसगढ़ धर्म मुक्ति अधिनियम, 1968 की धारा 4 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गिरफ्तारी के बाद ईसाई समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में क्षेत्र, क्षेत्र और कार्रवाई का विरोध किया। सोसायटी के लोगों का कहना है कि दोनों के खिलाफ लगाए गए आरोप गलत हैं और मामले की जांच होनी चाहिए।

बस्तर आईजी की कमान बीएन मीणा सम्हालेंगे

विश्व केसरी

रायपुर। बस्तर आईजी पी सुंदरराज के प्रतिनियुक्ति पर केन्द्र में चले जाने से बस्तर में रिक्त आईजी के पद पर साय सरकार ने अहम फैसला लेते हुए बीएन मीणा की नियुक्ति की है।मीणा वर्तमान में नवा रायपुर पुलिस मुख्यालय में आईजीपी (प्रशासन और चयन) के पद पर सेवाएं दे रहे हैं। मीणा 2004 बैच छत्तीसगढ़ काडर के आईपीएस अफसर हैं।

बस्तर आईजी पद पर उनकी नियुक्ति का आदेश राज्यशासन के गृह विभाग आज सचिव हिम शिखर गुप्ता के हस्ताक्षर से जारी किया गया।

बीएन मीणा ने छत्तीसगढ़ के कई महत्वपूर्ण जिलों और रेंज में अपनी सेवाएं दी हैं। आईपीएस मीणा छत्तीसगढ़ के रायपुर, रायगढ़, बिलासपुर और दुर्ग जैसे प्रमुख जिलों में बतौर पुलिस कप्तान के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अप्रैल 2022 में उन्हें पुलिस महानिरीक्षक के पद पर प्रमोट किया गया था, जिसके बाद उन्होंने दुर्ग रेंज के आईजी तथा उसके बाद रायपुर रेंज के आईजी की अतिरिक्त और पूर्णकालिक जिम्मेदारी का निर्वहन किया। आईपीएस बीएन मीणा बिलासपुर रेंज के आईजी का कार्यभार भी संभाल चुके हैं।

रेल यात्रियों की परेशानी : बिलासपुर-रायपुर रूट की 10 ट्रेनें रद्द

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ट्रेन से यात्रा करने वाले आम यात्रियों के लिए एक जरूरी और बड़ी खबर सामने आई है। बिलासपुर मंडल के निपनिया और भाटापारा रेलवे सेक्शन के बीच अंडरब्रिज बनाने का काम शुरू हो रहा है। भारी गर्डर को हटाने की तैयारी में रेलवे इस काम के तहत ट्रैक पर है।

इस बड़े मेंटेनेंस काम की वजह से 25 जून से लेकर 29 जून तक कई लोकल और ट्रेन का किराया बंद रहेगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन ने इस रूट की 10 जर्सी को पूरी तरह से रद्द कर दिया है। इसके साथ ही 3 चट्टानों को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया यानी शॉर्ट टर्मिनेट करने का निर्णय लिया गया। ऐसे में अगर आप अगले दो तीन दिनों में घर से निकलने वाले हैं तो अपनी ट्रेन का स्टेटस जरूर जांच लें।

इन रूटों पर सबसे अधिक प्रभाव, कई लोकल ट्रेनें पूरी तरह से बंद – रेलवे अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार इस निर्माण कार्य की वजह से बिलासपुर, रायपुर, कोरबा, गेवरा रोड और इतवारी रेल रूट पर चलने वाली डेली ट्रेनों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। रद्द होने वाली टिकटों में 25, 26, 28 और 29 जून को अलग–अलग तारीखों में रायपुर–बिलासपुर मेमू ट्रेन, बिलासपुर–गेवरा रोड मेमू और रायपुर–इतवारी ट्रेन जैसे महत्वपूर्ण शामिल हैं। स्थानीय नौकरी पेशा लोगों और छोटे यात्रियों के लिए ये ट्रेनें लाइफलाइन मानी जाती हैं, इसलिए इस ब्लॉक के कारण व्यावसायिक यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिल सकती है।

मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने रेल परिचालन की संरक्षा के प्रति जागरूक जनमानस को किया सम्मानित

विश्व केसरी

रायपुर। मंडल रेल प्रबंधक दयानन्द ने रेल परिचालन की संरक्षा के प्रति जागरूक टी सूर्याराव, ब्यूरो प्रभारी, नईदुनिया भिलाई–दुर्ग एवं चंद्रकांत श्रीवास्तव, सीनियर रिपोर्टर, नईदुनिया भिलाई को स्मृति चिह्न, प्रमाणपत्र एवं शॉल देकर सम्मानित किया ।

इनकी जागरूकता के कारण भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर दिनांक 22 मई 2026 की रात रेलवे ट्रैक में आई गंभीर तकनीकी खामी को समय रहते भाप कर सामाजिक जिम्मेदारी निभाई। इन्होंने तुरंत ही रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के संज्ञान में उक्त घटना को लाया जिस पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने संबंधित विभागों से समन्वय कर तत्काल मरम्मत कार्य कर संभावित हादसे को टाल दिया गया। घटना प्लेटफार्म क्रमांक–2 की है, जहां दुर्ग की ओर जाने वाली रेल पोल क्रमांक 857/6 के पास रेल पटरी में लगे जाइंट प्लेट में लगे नट–बोल्ट निकल गए थे। इसके कारण जैसे ही ट्रेन के पहिए उस हिस्से से गुजर रहे थे, पटरी में तेज झटके और असामान्य कंपन महसूस हो रहा था। स्थिति इसलिए भी गंभीर थी क्योंकि उसी स्थान, पर ट्रैक ज्वाइंट मौजूद था, जो. लगातार दबाव व कंपन के चलते टूट सकने की आशंका हो सकती थी। उनकी इस जागरूकता के लिए रेलवे प्रशासन ने उनका आभार प्रकट किया।

संपादकीय

मादक पदार्थों का बढ़ता साम्राज्य और सिमटते सपने ड्रग्स के दलदल में धंसती युवा पीढ़ी

योगेश कुमार गोयल

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के सपनों, ऊर्जा और सृजनशीलता पर निर्भर करता है लेकिन जब यही युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आने लगे तो यह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं रह जाती बल्कि राष्ट्रीय संकट का रूप धारण कर लेती है। आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों के सामने यही चुनौती खड़ी है। युवाओं की प्रतिभा, उनकी सोच, उनकी रचनात्मकता और उनके भविष्य पर नशे का ऐसा ग्रहण लग रहा है, जो न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर रहा है। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि पूरी मानवता को चेताने का अवसर है कि यदि नशे के बढ़ते दुष्चक्र को समय रहते नहीं रोका गया तो इसके परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतने पड़ेंगे।

भारत में नशे की समस्या अब महानगरों तक सीमित नहीं रही। यह गांवों, कस्बों, छोटे शहरों और यहां तक कि स्कूलों तथा कॉलेजों तक पहुंच चुकी है। कभी माना जाता था कि नशीले पदार्थों का सेवन केवल संपन्न वर्ग या शहरी संस्कृति की समस्या है लेकिन आज वास्तविकता इससे कहीं अधिक भयावह है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन, सिंथेटिक ड्रग्स और इंजेक्शन के माध्यम से लिए जाने वाले नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि नशे का नेटवर्क अब समाज की हर परत तक पहुंच चुका है। आज का युवा अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, सामाजिक अपेक्षाएं, पारिवारिक तनाव, मानसिक अवसाद, अकेलापन और त्वरित सफलता की चाह उसे भीतर से कमजोर बना रही है। ऐसे में नशे के सौदागर युवाओं की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं। कई बार मित्रों का दबाव, आधुनिक दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या क्षणिक सुख का आकर्षण युवाओं को नशे की ओर धकेल देता है। शुरुआत अक्सर जिज्ञासा से होती है लेकिन धीरे-धीरे यही जिज्ञासा लत और फिर विनाश का कारण बन जाती है।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने जहां ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, वहीं नशे के कारोबार को भी नए साधन उपलब्ध कराए हैं। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्स और डार्क वेब के माध्यम से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। अब नशे का सौदा किसी सुनसान गली तक सीमित नहीं बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन तक पहुंच चुका है। यही कारण है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नशे की पहुंच चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। यह विडंबना ही है कि जिन परिसरों में देश के भविष्य का निर्माण होना चाहिए, वहां कुछ युवा अपने भविष्य को स्वयं नष्ट करने की राह पर बढ़ रहे हैं। आधुनिकता और स्वतंत्रता की गलत व्याख्या ने भी इस समस्या को बढ़ाया है। कई युवाओं को यह भ्रम होता है कि नशा उन्हें अधिक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और आधुनिक बनाता है, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। नशा व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है। उसकी निर्णय लेने की शक्ति कमजोर हो जाती है, स्मरणशक्ति प्रभावित होती है, एकाग्रता घटती है और मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है। जो युवा अपने जीवन में बड़े सपने लेकर आगे बढ़ता है, वही नशे की गिरफ्त में आकर अपनी प्रतिभा और संभावनाओं को स्वयं नष्ट कर देता है। यही कारण है कि नशे को केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि मानव संसाधन के विनाश की समस्या माना जाता है।

नशीले पदार्थों का सबसे घातक प्रभाव यह है कि वे व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों से गुलाम बना देते हैं। एक बार लत लग जाने पर व्यक्ति उसी प्रभाव को बनाए रखने के लिए लगातार अधिक मात्रा में नशा लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका शरीर कमजोर होने लगता है, भूख कम हो जाती है, वजन घटता है, आंखें लाल रहने लगती हैं, नींद प्रभावित होती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई मामलों में व्यक्ति आत्मघाती प्रवृत्तियों का शिकार भी हो जाता है। इंजेक्शन के माध्यम से नशा करने वालों के सामने खतरा और भी गंभीर होता है। एक ही सुई के बार-बार उपयोग से एचआईवी, हेपेटाइटिस और अन्य संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन जाता है।

नशे का अवैध व्यापार दुनिया के सबसे लाभकारी अपराधों में शामिल है। अरबों-खरबों रुपये का यह कारोबार अंतर्राष्ट्रीय तस्करी, आतंकवाद, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत की भौगोलिक स्थिति इसे गोल्डन क्रेसेंट और गोल्डन ट्रायंगल जैसे नशीले पदार्थों के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों के बीच महत्वपूर्ण मार्ग बनाती है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों से आने वाली तस्करी की खेपें भारत के लिए लगातार चुनौती बनी हुई हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ड्रग्स का यह अवैध कारोबार अब अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहा है।

स्मार्टफोन संयमित उपयोग की वैश्विक जरूरत

ललित गर्ग

विज्ञान और तकनीक ने मानव सभ्यता को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। आज का युग डिजिटल युग है, जहां एक क्लिक पर पूरी दुनिया हमारी हथेली में सिमट आई है। स्मार्टफोन ने संचार, शिक्षा, व्यापार, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शासन और सामाजिक संबंधों को नई दिशा दी है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी लेकर आती है। स्मार्टफोन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह जितना बड़ा वरदान सिद्ध हुआ है, उतना ही बड़ा अभिशाप भी बनता जा रहा है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों पर इसके दुष्प्रभावों ने पूरी दुनिया को चिंतित कर दिया है। आज विश्वभर में यह स्वीकार किया जा रहा है कि स्मार्टफोन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। दुर्भाग्यवश, विवेक और अनुशासन के अभाव में इसका नकारात्मक पक्ष अधिक मुखर हो रहा है। स्मार्टफोन की लत बच्चों और युवाओं में मानसिक तनाव, अवसाद, एकाकीपन, हिंसक प्रवृत्तियों, अश्लीलता, साइबर अपराध और सामाजिक विघटन का कारण बन रही है। यही कारण है कि आज केवल परंपरागत समाज और विकासशील देश ही नहीं, बल्कि विकसित देश भी इस चुनौती से निपटने के लिए कठोर कदम उठा रहे हैं।

हाल ही में भारत के हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव की पहल ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। गांव की पहचान साइबर अपराध के केंद्र के रूप में बनने लगी थी। इससे आहत होकर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से स्मार्टफोन त्यागने और बेसिक फोन अपनाने का निर्णय लिया। यह केवल मोबाइल तोड़ने की घटना नहीं, बल्कि समाज की उस पीड़ा की अभिव्यक्ति है, जो तकनीक के दुरुपयोग से उत्पन्न हुई है। गांव के युवाओं का विरोध भी स्वाभाविक है, क्योंकि आज शिक्षा, रोजगार, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाएं स्मार्टफोन पर निर्भर हैं। इस घटना ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा किया है-क्या समाधान तकनीक का बहिष्कार है या उसके विवेकपूर्ण उपयोग का

संस्कार? विश्व के अनेक देशों ने इस प्रश्न पर गंभीर चिंतन आरंभ कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन, नीदरलैंड, चीन और अमेरिका जैसे देशों में बच्चों और किशोरों के स्मार्टफोन उपयोग को नियंत्रित करने की दिशा में अनेक पहलें हुई हैं। ऑस्ट्रेलिया ने किशोरों के सोशल मीडिया उपयोग पर आयु-सीमा तय करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। फ्रांस ने स्कूलों में स्मार्टफोन प्रतिबंध लागू किया है। ब्रिटेन में भी स्कूलों में मोबाइल उपयोग को सीमित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के विरुद्ध मुकदमे दायर हुए हैं और उन पर भारी जुर्माने लगाए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

वास्तव में स्मार्टफोन जहां वरदान है, वहीं अभिशाप भी है। इससे ज्ञान का भंडार भी उपलब्ध है और भ्रम का संसार भी। यह शिक्षा का माध्यम भी है और अश्लीलता तथा हिंसा का प्रवेश-द्वार भी। यह रोजगार के अवसर भी देता है और साइबर अपराध की राह भी खोलता है। आज अनेक युवा रातों-रात अमीर बनने की लालसा में साइबर ठगी, सेक्सटॉर्शन, ऑनलाइन जुआ और डिजिटल धोखाधड़ी जैसे अपराधों में फंस रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लील सामग्री, फेक न्यूज, नफरत और ट्रोल संस्कृति ने सामाजिक मूल्यों को गहरी चोट पहुंचाई है। सबसे अधिक चिंता का विषय बच्चों और किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य है। शोध बताते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और रचनात्मक क्षमता प्रभावित होती है। नींद में कमी, चिड़चिड़ापन, अवसाद, चिंता, आत्महत्या की प्रवृत्ति और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है और डिजिटल निकटता के बावजूद भावनात्मक दूरियां बढ़ी हैं। बच्चे खेल के मैदानों से दूर होकर आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं।

विशेषत: 'स्मार्टफोन एक दुधारी तलवार है'। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और अत्याधुनिक संचार माध्यमों ने इस चुनौती को और अधिक जटिल बना दिया है। एआई जहां शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रशासन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, वहीं इसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। डीपफेक वीडियो, फर्जी ऑडियो, साइबर ठगी, पहचान की चोरी, फेक न्यूज और डिजिटल ब्लैकमेल जैसे अपराधों में एआई का इस्तेमाल चिंताजनक स्तर तक बढ़ गया है। स्मार्टफोन इस पूरी प्रक्रिया का सबसे सुलभ और प्रभावी माध्यम बन गया है। एक साधारण मोबाइल फोन के माध्यम से आज कोई भी व्यक्ति एआई आधारित एप्लीकेशनों का उपयोग कर नकली तस्वीरें और वीडियो तैयार कर सकता है, भ्रामक सूचनाएं फैला सकता है या साइबर अपराधों को अंजाम दे सकता है। विशेष रूप से किशोर और युवा, जिनके पास तकनीकी कौशल तो है लेकिन नैतिक प्रशिक्षण और परिपक्वता का अभाव है, वे अनजाने में अथवा त्वरित लाभ की लालसा में ऐसे कृत्यों में संलिप्त हो सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि एआई और स्मार्टफोन के उपयोग के साथ-साथ डिजिटल नैतिकता, मानवीय मूल्यों और कानूनी जिम्मेदारियों का भी समुचित प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि तकनीक मानवता के विकास का साधन बने, विनाश का नहीं। इस संदर्भ में यह कथन अत्यंत प्रासंगिक है-'विज्ञान बिना विवेक के विनाश का कारण बनता है, जबकि विवेक के साथ वही विज्ञान मानवता का वरदान बन जाता है।'

ऐसी स्थिति में भारत में भी व्यापक राष्ट्रीय विमर्श की आवश्यकता है। भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है और एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यदि भारत को विश्वगुरु के रूप में अपनी भूमिका निभानी है, तो उसे तकनीक और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित करना होगा। भारत द्वारा निर्मित नीतियां न केवल देश, बल्कि विश्व के लिए भी मार्गदर्शक बन सकती हैं। इस दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं-पहला, बच्चों और किशोरों के लिए स्मार्टफोन उपयोग की आयु-सीमा और समय-सीमा निर्धारित की जाए। एक निश्चित आयु तक बच्चों को केवल आवश्यक और नियंत्रित डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

दूसरा, स्कूलों में साइबर साक्षरता और डिजिटल नैतिकता को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। बच्चों को केवल तकनीक का उपयोग ही नहीं, बल्कि उसके दुष्परिणामों और कानूनी पहलुओं की जानकारी भी दी जानी चाहिए। तीसरा, अभिभावकों को डिजिटल पैरेंटिंग का प्रशिक्षण दिया जाए। बच्चों को मोबाइल थमाकर जिम्मेदारी पूरी नहीं होती-उन्हें मार्गदर्शन, संवाद और संस्कार भी देने होंगे। चौथा, सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। हानिकारक और अश्लील सामग्री पर प्रभावी नियंत्रण, आयु सत्यापन और एल्गोरिदम की पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। पांचवां, युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और रचनात्मक अवसरों का विस्तार किया जाए, ताकि वे त्वरित धनार्जन के प्रलोभन में अपराध की ओर न बढ़ें।

भारतीय संस्कृति सदैव संयम की संस्कृति रही है। हमारे ऋषियों ने सिखाया है कि किसी भी साधन का मूल्य उसके उपयोग में निहित होता है। आग भोजन भी पका सकती है और घर भी जला सकती है-दोष आग का नहीं, उपयोगकर्ता का होता है। यही बात स्मार्टफोन पर भी लागू होती है। आज आवश्यकता डिजिटल दुनिया से कटने की नहीं, बल्कि डिजिटल जिम्मेदारी, साइबर साक्षरता और संयमित उपयोग की है। तकनीक का विरोध समाधान नहीं है, बल्कि उसके साथ नैतिकता, विवेक और मानवीय मूल्यों का समन्वय ही स्थायी समाधान है। स्मार्टफोन मानव की सेवा का साधन बने, मानव का स्वामी नहीं-इसी में व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का कल्याण निहित है।

भारतीय महर्षि सुश्रुत को वैश्विक सम्मान

महेन्द्र तिवारी

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे व्यक्तित्व होते हैं जिनका योगदान समय, भूगोल और संस्कृति की सीमाओं को पार कर संपूर्ण मानवता की धरोहर बन जाता है। भारतीय चिकित्सा परंपरा के महान आचार्य महर्षि सुश्रुत ऐसे ही व्यक्तित्वों में शामिल हैं। चिकित्सा विज्ञान, विशेष रूप से शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में उनका योगदान इतना व्यापक और दूरदर्शी माना जाता है कि उन्हें विश्वभर में शल्य चिकित्सा का जनक कहा जाता है। लगभग 2600 वर्ष पूर्व उन्होंने जिस वैज्ञानिक दृष्टि, व्यावहारिक ज्ञान और चिकित्सा कौशल का परिचय दिया था, वह आज भी चिकित्सा इतिहास के विद्वानों और आधुनिक चिकित्सकों को प्रभावित करता है। इसी ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार करते हुए जून 2026 में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग स्थित रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स में उनकी कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह केवल एक प्रतिमा की स्थापना नहीं थी, बल्कि विश्व चिकित्सा इतिहास में भारत के योगदान की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मान्यता थी।

एडिनबर्ग का यह प्रतिष्ठित संस्थान विश्व के सबसे पुराने और सम्मानित शल्य चिकित्सा संस्थानों में से एक माना जाता है। चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और शल्य विज्ञान के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे संस्थान के परिसर में महर्षि सुश्रुत की प्रतिमा की स्थापना इस तथ्य का प्रमाण है कि आधुनिक चिकित्सा जगत अब विज्ञान और चिकित्सा के इतिहास को अधिक व्यापक दृष्टिकोण से देख रहा है तथा उन प्राचीन सभ्यताओं के योगदान को भी उचित सम्मान दे रहा है जिन्होंने मानव ज्ञान की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतिमा की स्थापना में भारतीय मूल के प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक प्रोफेसर चंद्र चेरुवु और उनके परिवार की विशेष भूमिका रही, जिनके प्रयासों से यह ऐतिहासिक सम्मान संभव हो सका।

महर्षि सुश्रुत का जीवन भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिक ऊंचाइयों का प्रतिनिधित्व करता है। माना जाता है कि वे लगभग 600 ईसा पूर्व के आसपास हुए थे। उस समय संसार के अनेक क्षेत्रों में चिकित्सा विज्ञान अभी प्रारंभिक अवस्था में था, जबकि भारत में शरीर रचना विज्ञान, रोग निदान, औषध विज्ञान और शल्य चिकित्सा जैसे विषयों पर व्यवस्थित अध्ययन किया जा रहा था। महर्षि सुश्रुत ने अपने अनुभव, अनुसंधान और अवलोकनों के आधार पर चिकित्सा ज्ञान को एक संगठित स्वरूप प्रदान किया। उनकी प्रसिद्ध कृति सुश्रुतसंहिता आज भी चिकित्सा इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथों में गिनी जाती है। यह केवल एक चिकित्सा ग्रंथ नहीं, बल्कि प्राचीन भारत की वैज्ञानिक चेतना, अनुसंधान पद्धति और व्यावहारिक चिकित्सा ज्ञान का विस्तृत दस्तावेज है।

सुश्रुतसंहिता में शल्य चिकित्सा के सिद्धांतों और प्रक्रियाओं का अत्यंत व्यवस्थित वर्णन मिलता है। इसमें विभिन्न रोगों के उपचार, घावों की देखभाल, हड्डियों के उपचार, शरीर की संरचना, शल्य उपकरणों तथा चिकित्सा नैतिकता के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई है। यह ग्रंथ इस बात का प्रमाण है कि उस समय चिकित्सा विज्ञान केवल अनुभव या परंपरा पर आधारित नहीं था, बल्कि उसमें वैज्ञानिक अवलोकन, वर्गीकरण और परीक्षण की स्पष्ट पद्धति मौजूद थी। ज्ञान को व्यवस्थित रूप से संकलित करना किसी भी विकसित वैज्ञानिक परंपरा की पहचान होती है और महर्षि सुश्रुत का कार्य इस कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरता है। महर्षि सुश्रुत की सबसे प्रसिद्ध उपलब्धियों में पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा का विकास शामिल है। विशेष रूप से नाक के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया का उनका वर्णन चिकित्सा इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

बोध कथा

असल में मैं कौन, अब समझ आया है जब समझने का कोई लाभ नहीं

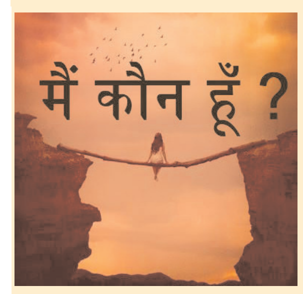

एक बार की बात है - एक आदमी को लगा कि कहीं वह मर तो नहीं गया?

कारण यह था कि उसने देखा कि उसकी पत्नी उसकी छाती पर पड़ी है और अपने हाथों से अपनी छाती पीट रही है। बच्चे भी वहीं बैठे बदहवास रो रहे हैं। अड़ोसी पड़ोसी भी पास खड़े खुसरफुसर कर रहे हैं।

असल में जब वह पैदा हुआ, तब वह नहीं जानता था कि मौत किसे कहते हैं? जैसे जैसे वह बड़ा हुआ उसने लोगों से सुना कि जब कोई हिलना डुलना देखना बोलना बंद कर दे, निष्प्राण हो जाए, तब समझ लेना चाहिए कि वह मर गया।

फिर उसने अपने जीवन में बहुतों को ऐसे ही निष्प्राण हुए देखा और उनका अंतिम संस्कार किया, तो उसकी यह मान्यता दृढ़ हो गई थी।

अब तो वह घबरा गया। उसने हिलने का प्रयास किया, पर उसने देखा कि वह हिल नहीं पा रहा है। इतने में तो कुछ नातेदार बाँस और रस्सी ले आए, लगे अर्थी बनाने।

तब वह जोर जोर से बोला- 'अरे मूर्खों! मुझे जिन्दा जला कर मानोगे क्या? मैं मरा नहीं हूँ। बस कुछ गड़बड़ हो रही है जो मैं हिल नहीं पा रहा हूँ।'

पर मानो कोई भी उसकी आवाज पर जैसे ध्यान नहीं दे रहा था। पत्नी वैसे ही छाती पीटती रही, बच्चे बदहवास रोते रहे और अड़ोसी पड़ोसी खड़े खड़े खुसरफुसर करते रहे।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

रिश्वत के नए मॉडल : एप-आधारित

डॉ मुकेश असीमित

रिश्वत लेना हमारे तंत्र की पुरानी कला है, पर रिश्वत देना आज भी जोखिम भरा निवेश है। सामने वाला रकम लेकर मुकर जाए तो न रसीद, न अनुबंध, न वारंटी। अफसर बदलते ही पुरानी 'सेवा' समाप्त और नए साहब के साथ फिर से बातचीत शुरू। इस अव्यवस्थित बाजार में अब प्रवेश हुआ है 'न्यू एज रिश्वत प्रोफेशनल्स' का, जो भ्रष्टाचार को डिजिटल अनुशासन सिखा रहे हैं।

'भाटी रिश्वत एंड फर्जी प्लेसमेंट सर्विसेज' ने नया एप लॉन्च किया है— भ्रष्टाचार 2.0. दावा है कि रिश्वत सही हाथों से सही हाथों तक सुरक्षित पहुँचेगी। डिजिटल वॉलेट से भुगतान पर एक प्रतिशत कैशबैक, शुरुआती ग्राहकों को बायोमेट्रिक नियुक्ति-पत्र किट और फर्जी दस्तावेजों के लिए 'डू इट योरसेल्फ' सुविधा भी उपलब्ध है। कागज इतने प्रामाणिक दिखेंगे कि असली दस्तावेज स्वयं संदेह में पड़ जाएँ।

एप आपकी उम्र, क्षेत्र, जाति, राजनीतिक झुकाव, आय और पिछले व्यवहार के आधार पर 'रिश्वत क्रेडिट स्कोर' तय करेगा। स्क्रीन पर संदेश आएगा— 'आपका स्कोर 742 है; आप डेढ़ लाख रुपये तक की घूस के योग्य हैं।' इसके बाद वही विभाग और अधिकारी दिखेंगे, जिनकी भ्रष्टाचार क्षमता आपकी भुगतान क्षमता से मेल खाती हो।

हर ग्राहक को आरआईएन, यानी रिश्वत आइडेंटिफिकेशन नंबर मिलेगा। इससे उसकी रिश्वत-इतिहास, लंबित ईएमआई, पिछली धरपकड़ और राजनीतिक संपर्क दर्ज रहेंगे। आठ सौ से ऊपर स्कोर वाले ग्राहकों को प्रीमियम श्रेणी मिलेगी। रिश्वत के लिए ऋण भी उपलब्ध होगा। जिनकी नस पहले से किसी घोटाले की फाइल के नीचे दबी है, उन्हें 'नो रिस्क ग्राहक' मानकर तुरंत प्री-अप्रूव्ड लोन दिया जाएगा। 'ब्राइब सिंक' फीचर से भुगतान की लाइव ट्रैकिंग संभव होगी- 'रकम दलाल तक पहुँची', 'साहब की पत्नी को गहने पसंद आए', 'अंतिम स्वीकृति शेष।' अफसरों की रेटिंग भी होगी मसलन रिश्वत लेने की तत्परता, रकम पचाने की क्षमता तथा जांच एजेंसियों से बच निकलने का अनुभव आदि ।

व्यवस्था की सबसे बड़ी खूबी यह है कि हर पाँच वर्ष बाद सिस्टम 'फॉर्मेट' हो जाएगा। पुरानी फाइलें गायब, रिकॉर्ड नष्ट और जिम्मेदारियाँ रीसेट। नई सरकार नया संस्करण जारी करेगी, जिसमें पिछली सरकार के बचे हुए बग हटाकर अपने अनुकूल फीचर जोड़े जाएँगे। सरकारी दफ्तरों में लगी रहस्यमय आग डेटा-शुद्धिकरण का राष्ट्रीय उत्सव मानी जाएगी। भ्रष्टाचार रहेगा, केवल उसका इंटरफेस बदलेगा; चेहरे नए होंगे, पासवर्ड नए होंगे और कमीशन की दर अपडेट हो जाएगी। जनता हर बार पुन: पंजीकरण करेगी।

एप में ब्लैकआउट मोड, एंटी-स्टिंग अलर्ट और सेल्फ-डिलीट सुविधा है। छिपा कैमरा सक्रिय होते ही मोबाइल गीत बजाएगा- 'बाबूजी धीरे चलना।' छापा पड़ते ही एप स्वयं मिट जाएगा और लेन-देन राष्ट्रहित में अदृश्य हो जाएगा। सतत भ्रष्टाचार के लिए 'रिश्वत ट्री' योजना भी है। हर फर्जी नियुक्ति पर एक पौधा लगाया जाएगा। जिन परिवारों में तीन पीढ़ियों से घूस दी गई हो, उन्हें 'रिश्वत शिरोमणि' सम्मान तथा अगली पीढ़ी को विशेष आरक्षण मिलेगा। रिश्वत निधि और रिश्वत बीमा भी प्रस्तावित हैं। डिजिटल इंडिया तो आगे बढ़ रहा है; बस नैतिकता का नेटवर्क अभी भी 'आउट ऑफ कवरेज' दिख रहा है।

इतिहास

25 जून का इतिहास विश्व और भारत के लिए कई महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी रहा है। 1975 में आज ही के दिन देश में आपातकाल (Emergency) की घोषणा की गई थी। वहीं, 1950 में आज ही के दिन कोरियाई युद्ध (Korean War) की शुरुआत हुई थी।25 जून के इतिहास की मुख्य घटनाएं (प्रमुख बिंदु):1950: उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर आक्रमण कर दिया, जिससे कोरियाई युद्ध की शुरुआत हुई।1975: भारत में आंतरिक गड़बड़ी का हवाला देते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सिफारिश पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने देश में आपातकाल की घोषणा की। 1983: कपिल देव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को 43 रनों से हराकर अपना पहला एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप जीता था। यह ऐतिहासिक मैच लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर खेला गया था।

संक्षिप्त खबरें

कुत्ते काटने से परेशान युवक ने फांसी लगा ली

कोरबा । कोरबा जिले के चैतमा क्षेत्र में ससुराल में रह रहे एक युवक ने नाले के ऊपर से गुजरी पाइप के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मूल रूप से बिलासपुर के बंधवापारा का रहने वाला राजू गोड़ (पिता रामचरण गोंड) अपनी शादी के बाद से ही चैतमा स्थित अपने ससुराल में रह रहा था। परिजनों से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से राजू एक अजीब सी परेशानी से गुजर रहा था। दरअसल, उसे एक कुत्ते ने कई बार काट लिया था, जिसके बाद से वह लगातार मानसिक रूप से परेशान और तनाव में रहने लगा था। माना जा रहा है कि इसी अवसाद के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। यह दर्दनाक घटना बीती रात की है, जब राजू ने नाले के ऊपर से गुजरने वाली एक पाइप पर अपने गमछे का फंदा बनाया और उस पर झूल गया। सुबह जब स्थानीय ग्रामीणों ने उसका शव लटकते हुए देखा, तो इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी, जिसके बाद आनंद गोड़ ने तत्काल स्थानीय पुलिस को मामले से अवगत कराया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए पाली भेज दिया है और वैधानिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

स्टील प्लांट में फर्नेस ब्लास्ट, 4 श्रमिक घायल

रायगढ़ । छत्तीसगढ़ के औद्योगिक क्षेत्र रायगढ़ से एक बड़ी दुर्घटना सामने आई है, जहाँ पूंजीपथरा थाना इलाके में स्थित 'रायगढ़ इस्पात प्लांट' में अचानक फर्नेस फटने से जोरदार धमाका हो गया। इस हादसे की चपेट में आने के कारण वहाँ ड्यूटी पर तैनात 4 कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के तुरंत बाद कारखाने में हड़कंप मच गया, जिसके बाद आनन-फानन में प्रबंधन और पुलिस को मामले की इत्तिला दी गई। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग के सहायक संचालक राहुल पटेल ने इस दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि चारों घायल श्रमिकों का शरीर लगभग 10 फीसदी तक झुलस गया है, वहीं एक मजदूर का हाथ टूटने की भी खबर है। विभाग की एक विशेष टीम को तकनीकी जांच के लिए कारखाने रवाना कर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रबंधन के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, साथ ही विभाग द्वारा उद्योगों की सुरक्षा व्यवस्था का नियमित निरीक्षण भी किया जाता है। स्थानीय पुलिस प्रशासन भी सूचना मिलते ही फौरन हरकत में आया। पूंजीपथरा थाना प्रभारी रामकिंकर यादव के मुताबिक, झुलसे हुए चारों श्रमिकों की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष के आसपास है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुँचकर स्थिति को संभाला और सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए रायगढ़ के अपेक्स अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से तफ्तीश कर रही है। यह पूरी घटना उस वक्त हुई जब प्लांट में रोजाना की तरह सामान्य कामकाज चल रहा था। दोपहर के समय अचानक फर्नेस में तकनीकी रिसाव (लीकेज) हुआ, जिसने देखते ही देखते एक बड़े विस्फोट का रूप ले लिया। इस आकस्मिक ब्लास्ट की जद में आने से वहाँ काम कर रहे अमरेश कुमार (35), रामनाथ, उजेन्द्र और फिरोज नाम के श्रमिक झुलस गए।

निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश से पहले जांच लें 5 जरूरी बातें

विनियामक आयोग ने जारी की गाइडलाइन

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ के निजी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश लेने की सोच रहे छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों के लिए एक बेहद जरूरी खबर है। प्रवेश के नाम पर होने वाले किसी भी तरह के फर्जीवाड़े से बचने के लिए छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग ने छात्रहित में एक आवश्यक गाइडलाइन जारी की है। छत्तीसगढ़ के निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के सचिव अशोक अग्रवाल द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार छात्र किसी भी कोर्स या डिग्री में दाखिला लेने से पहले 5 मुख्य बिंदुओं की जांच अवश्य कर लें, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित रहे और बाद में कोई परेशानी न हो। निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेते समय छात्र इन बातों का विशेष ध्यान रखें।

अधिनियम के तहत अधिसूचना की जांच - सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि संबंधित विश्वविद्यालय राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम-2005 के अंतर्गत विधिवत अधिसूचित है या नहीं।

राजपत्र में प्रकाशन अनिवार्य

विश्वविद्यालय के परिनियम एवं अध्यादेश का छत्तीसगढ़ शासन के राजपत्र में प्रकाशित होना अनिवार्य है। नियमानुसार राजपत्र में प्रकाशन के बाद ही कोई भी निजी विश्वविद्यालय छात्रों को प्रवेश देने के लिए पात्र होता है। बिना इसके प्रवेश देना अवैध माना जाएगा।

संबद्धता पर रोक

छत्तीसगढ़ के सभी निजी विश्वविद्यालय एकात्मक स्वरूप के हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि इन्हें अपने कैंपस से बाहर किसी अन्य कॉलेज या संस्थान को संबद्धता देने की अनुमति नहीं है। ये संस्थान केवल अपनी मुख्य इकाई या अपनी अध्ययन शाला के भीतर ही पाठ्यक्रम संचालित कर सकते हैं।

यूजीसी से कोर्स की मंजूरी

जिस भी पाठ्यक्रम या डिग्री में प्रवेश ले रहे हैं, वह यूजीसी द्वारा अनुमोदित होनी चाहिए। साथ ही, राजपत्र में प्रकाशित विश्वविद्यालय के अध्यादेश में भी उस पाठ्यक्रम का उल्लेख होना अनिवार्य है।

पी-एच.डी. के लिए कड़े नियम

पी-एच.डी. की उपाधि के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2022 के नियम प्रभावी हैं। छात्र यह अच्छी तरह जांच लें कि संबंधित विषय में नियमों के अनुरूप योग्यता रखने वाले नियमित शोध निर्देशक विश्वविद्यालय में पदस्थ हों। बाहर के शोध निर्देशकों की सेवाएं लेकर शोध कार्य कराना यूजीसी के नियमों के पूरी तरह खिलाफ है।

बच्चों पर शुगर का खतरा

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ के वनांचल और ग्रामीण परिवेश के लिए मशहूर जशपुर जिले से एक चिंताजनक खबर सामने आ रही है, जहां अब तक 15 बच्चों में बाल मधुमेह (ज्विनाइल डायबिटीज) की पुष्टि हो चुकी है। आमतौर पर शहरी और सुस्त जीवनशैली से जुड़ी मानी जाने वाली यह बीमारी अब खेत-खलिहानों और मजदूरी करने वाले परिवारों के बच्चों को भी अपनी चपेट में ले रही है। राहत की बात यह है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह मुस्तैद हो गया है और अब गांव के उप स्वास्थ्य केंद्रों में ही बच्चों की प्राथमिक शुगर जांच अनिवार्य कर दी गई है। इस बीमारी के पीछे के चिकित्सकीय कारणों को साझा करते हुए गैर संक्रामक रोग प्रभारी डॉ. पूजा प्रधान ने बताया कि बाल मधुमेह (टाइप-1 डायबिटीज) अक्सर शरीर में होने वाले ऑटोइम्यून रिएक्शन की वजह से होता है। इसमें हमारा रोग प्रतिरोधक तंत्र अनजाने में अग्नाशय (पैनक्रियाज) की उन बीटा कोशिकाओं को खत्म कर देता है जो इंसुलिन बनाती हैं।

नशे में धुत्त दूल्हे को दुल्हन ने जड़ा थप्पड़, बारात को बैरंग लौटाया

नशे में धुत्त दूल्हे को दुल्हन ने जड़ा थप्पड़, बारात को बैरंग लौटाया

जांजगीर । छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में कोसमंदा गांव में एक 22 वर्षीय युवती मुस्कान प्रधान ने शादी के मंडप में उस समय विवाह करने से साफ इनकार कर दिया, जब उसने देखा कि उसका होने वाला पति शराब के नशे में पूरी तरह धुत्त था। इतना ही नहीं, दूल्हे की हालत देखकर गुस्से से लाल हुई दुल्हन ने लोक-लाज की परवाह किए बिना मंडप में ही उसे एक जोरदार थप्पड़ जड़ दिया और बारात को वापस भेज दिया। बेटी के इस साहसिक फैसले में उसके पूरे परिवार ने उसका डटकर साथ दिया।

यह मामला तब बिगड़ा जब 23 जून की रात खोखरा गांव से बारात मुस्कान के घर पहुंची। द्वार पूजा की रस्म के दौरान ही वहां मौजूद लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई कि दूल्हा और उसके दोस्त अत्यधिक शराब पीकर आए हैं। जैसे ही यह बात मुस्कान तक पहुंची, उसने बिना देर किए घर की दहलीज पार की और दूल्हे की हरकत पर उसे सबक सिखा दिया। इसके बाद दुल्हन के परिवार ने बारात को वापस जाने को कहा, जिस पर दोनों पक्षों के बीच विवाद और धक्का-मुक्की शुरू हो गई। सूचना मिलते ही चांपा पुलिस मौके पर पहुंची और सूझबूझ से स्थिति को संभाला, जिसके बाद बारात को खाली हाथ लौटना पड़ा।

मुस्कान की मां सविता प्रधान ने बताया कि उनके दिवंगत पति भी अत्यधिक शराब पीने के आदी थे, जिसके कारण 15 साल पहले उनका निधन हो गया था। मुस्कान और उसके भाई-बहनों ने बचपन से ही शराब के कारण बिखरते परिवार और दुखों को बेहद करीब से देखा था।

सैनिक स्कूल अंबिकापुर में आधुनिक पीवीसी बैडमिंटन कोर्ट का लोकार्पण

विश्व केसरी■

अंबिकापुर। सैनिक स्कूल अंबिकापुर में नव-निर्मित अत्याधुनिक पीवीसी बैडमिंटन कोर्ट का भव्य एवं गरिमामय वातावरण में उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास मंत्री श्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सरगुजा अजीत वसंत विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने उद्घाटन पट्टिका का अनावरण कर नव-निर्मित पीवीसी बैडमिंटन कोर्ट विद्यालय एवं कैडेट्स को समर्पित किया। समारोह का शुभारंभ परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने देश के वीर सैनिकों के सम्मान में स्थापित 'परमवीर गैलरी' का भी लोकार्पण किया। इस गैलरी में परमवीर चक्र विजेताओं के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रसेवा की प्रेरक गाथाओं को प्रदर्शित किया गया है, जो विद्यार्थियों और कैडेट्स में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व क्षमता तथा कर्तव्यनिष्ठा की भावना को मजबूत करेगी। अपने संबोधन में मंत्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक खेल अधोसंरचना विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन द्वारा खेल सुविधाओं के विस्तार और गुणवत्ता सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास भविष्य के खिलाड़ियों और नेतृत्वकर्ताओं के निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे।

अटल टिंकरिंग लैब के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

विश्व केसरी■

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा बुधवार को सेक्टर-10 स्थित सीनियर सेकंडरी स्कूल में अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) के विद्यार्थियों द्वारा सौंपे गए प्रोजेक्ट के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की नवाचार क्षमता, तकनीकी दक्षता एवं उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे उपस्थित रहीं। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (सम्पर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी, उप महाप्रबंधक (सम्पर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) अपर्णा चंद्रा, सहायक महाप्रबंधक (जनसंपर्क) जवाहर बाजपेयी तथा उप प्रबंधक (जनसंपर्क) शालिनी चौरसिया सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अटल टिंकरिंग लैब के पूर्व सदस्य एवं राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के लिए चयनित नेत्रांश साहू तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई में चयनित कुणाल देवांगन ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि एटीएल ने उनकी रचनात्मक सोच, तकनीकी कौशल तथा आत्मविश्वास के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एटीएल के मेंटर एवं वरिष्ठ व्याख्याता (गणित) तरुण कुमार साहू ने विद्यार्थियों द्वारा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्राप्त उपलब्धियों की जानकारी दी। अपने संबोधन में महाप्रबंधक (शिक्षा) सुश्री शिखा दुबे तथा महाप्रबंधक प्रभारी (सम्पर्क प्रशासन, एवं जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की तथा उन्हें नवाचार एवं उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

आईएनएस दूनागिरी, अग्रय और संशोधक जहाज के निर्माण में लगा सेल के भिलाई, बोकारो और राउरकेला इस्पात संयंत्र का स्टील

विश्व केसरी■

भिलाई/ नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय के अधीन केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम और महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (सेल) ने भारतीय नौसेना के हाल ही में कमीशन किए गए तीन अत्याधुनिक जहाजों - उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी , एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अग्रय, और सर्वेक्षण पोत (लार्ज) आईएनएस संशोधक के निर्माण के लिए पूरे 5,700 टन विशेष स्टील की आपूर्ति अकेले करके देश की नौसैनिक क्षमताओं को मजबूत करने में एक बार फिर से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन तीनों जहाजों में भिलाई ,बोकारो और राउरकेला इस्पात संयंत्र का स्टील लगा है इन तीनों उन्नत जहाजों को 21 जून को कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर आयोजित एक ऐतिहासिक समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना में शामिल (कमिशन) किया गया।

सेल ने इन तीनों अत्याधुनिक जहाजों के लिए विशेष गुणवत्ता की डीएमआर 249 ग्रेड हॉट-रोल्ड शीट और प्लेट की सप्लाई की है। कंपनी ने इस डिफेंस ग्रेड स्टील का उत्पादन और आपूर्ति अपने बोकारो, भिलाई और राउरकेला इस्पात संयंत्रों के जरिये बेहद ही सावधानीपूर्वक किया है, जो इस बात का प्रमाण है कि सेल के पास देश की समुद्री सुरक्षा की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहतरीन और आधुनिक तकनीकी क्षमता है।

सेल देश के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों को लगातार आगे बढ़ा रहा है। सेल देश के महत्वपूर्ण नौसैनिक प्लेटफार्मों के लिए विशेष स्टील का उत्पादन करके, भारत के रक्षा स्वदेशीकरण का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। देश की रक्षा क्षेत्र की उभरती जरूरतों को देखते हुए, सेल ने डीएमआर (डीएमआर) ग्रेड प्लेटों का उत्पादन बढ़ाने हेतु अपनी प्लेट-उत्पादन सुविधाओं, विशेषकर राउरकेला स्टील प्लांट के 'स्पेशल प्लेट प्लांट' में पहले से ही अतिरिक्त पहल लागू किए हैं। यह रणनीतिक कदम रक्षा-ग्रेड स्टील के क्षेत्र में भारत के बढ़ते आयात प्रतिस्थापन में साफ दिखाई देता है। सेल के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड में ऐतिहासिक स्वदेशी विमान वाहक आईएनएस विक्रांत के साथ-साथ विशिष्ट प्रोजेक्ट 17A स्टील्थ फ्रिगेट्स - आईएनएस नीलगिरि, आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि के लिए स्टील की आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा, सेल का विशेष स्टील आईएनएस अजय, आईएनएस निस्तार और आईएनएस अंजदीप जैसे शक्तिशाली जहाजों की रीढ़ है।

बस्तर में बोधघाट परियोजना पर भड़के आदिवासी

बस्तर में बोधघाट परियोजना पर भड़के आदिवासी

विश्व केसरी■

दंतेवाड़ा । संवाददाता: छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में विकास और विस्थापन को लेकर दशकों पुरानी बहस एक बार फिर पूरी शिद्दत के साथ सड़क पर आ गई है। करीब 47 साल पहले साल 1979 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जिस बोधघाट बहुउद्देशीय परियोजना की नींव रखी गई थी, उसे लेकर एक बार फिर भारी विरोध शुरू हो गया है।

दंतेवाड़ा जिले के हितालकुडूम गांव में आयोजित एक विशाल महापंचायत में हजारों आदिवासियों ने हुंकार भरते हुए साफ कर दिया है कि वे अपनी जान दे देंगे, लेकिन अपनी जल, जंगल और जमीन पर बांध नहीं बनने देंगे। ग्रामीणों का आरोप है कि इस परियोजना से बस्तर की पहचान और उनकी आने वाली पीढ़ियों का अस्तित्व पूरी तरह खतरे में पड़ जाएगा। इस पूरे आंदोलन को अब राजनीतिक हवा भी मिलने लगी है। बीजापुर विधानसभा से कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने बोधघाट परियोजना को तत्काल वापस नहीं लिया, तो आने वाले समय में एक व्यापक जन आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

विपक्ष का दावा है कि इस परियोजना से तीन-चार जिलों के लगभग 40 से 50 हजार लोग सीधे तौर पर प्रभावित होंगे, जिनके विस्थापन और पुनर्वास को लेकर सरकार के पास कोई ठोस योजना नहीं है। विपक्ष का आरोप है कि विकास के नाम पर बस्तर के मूल निवासियों को उजाड़ने की कोशिश की जा रही है।

इंद्रावती नदी पर प्रस्तावित इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर सरकार का तर्क बिल्कुल अलग है। शासन के अनुसार, बोधघाट बांध से क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जलविद्युत का उत्पादन होगा और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे बस्तर संभाग के पिछड़े इलाकों में आर्थिक और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।

स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत एसईसीएल मुख्यालय में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित

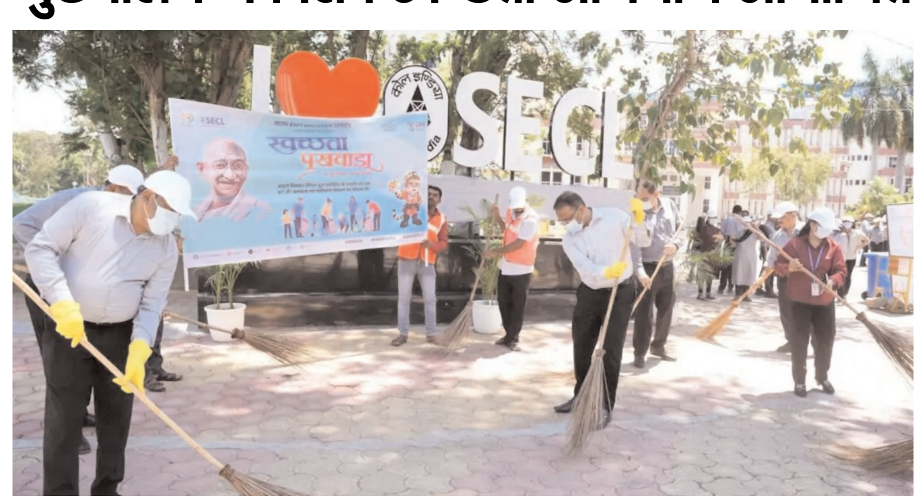

बिलासपुर। स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास, निदेशक तकनीकी (परियोजना एवं योजना) रमेश चन्द्र महापात्र सहित विभागाध्यक्षों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नारी शक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने श्रमदान करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ कार्यस्थल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सरकार की पर्यटन योजनाओं से बदली देश की तस्वीर, टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर हजारों करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की प्रमुख पर्यटन योजनाओं ने देशभर में पर्यटन बुनियादी ढांचे को नई मजबूती दी है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत 76 परियोजनाएं और प्रसाद (पीआरएएसएचएडी) योजना के तहत 54 परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिनकी कुल लागत 1,700 करोड़ रुपए से अधिक है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान साझा की गई है।

देश में पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना के पहले चरण के तहत 15 पर्यटन सर्किटों में 5,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है।

इनमें से 75 परियोजनाएं भौतिक रूप से पूरी हो चुकी हैं, जिससे पर्यटकों के लिए सुविधाओं में सुधार हुआ है, कनेक्टिविटी बेहतर बनी है और पर्यटन सहायता से जुड़ा ढांचा मजबूत हुआ है।

तीर्थ स्थलों के विकास के लिए चलाई जा रही प्रसाद योजना के तहत 1,700 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली 54 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

बयान में आगे कहा गया है कि इस योजना के जरिए सोमनाथ, श्रीशैलम और उत्तर प्रदेश के पवित्र गोवर्धन जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर की गई है।

इसके अलावा, स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट (एसएएससीआई) योजना के तहत 23 राज्यों में 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिन पर कुल 3,295.76 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

इस योजना का उद्देश्य पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित करना है।

वर्ष 2014 से 2025 के बीच भारत में 18.12 करोड़ अंतरराष्ट्रीय आगमन और 9.33 करोड़ विदेशी पर्यटक आगमन दर्ज किए गए।

अंतरराष्ट्रीय आगमन में विदेशी नागरिकों के साथ-साथ गैर-निवासी भारतीय (एनआरआई) भी शामिल होते हैं।

पिछले एक दशक में देश भर के 100 से अधिक पर्यटन स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है।

इसके अलावा, 50 प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है, जिससे वहां की गुणवत्ता, सुविधाएं और पर्यटन के लिए आवश्यक तैयारियां और बेहतर होंगी।

सरकार ने विदेशी पर्यटकों के लिए यात्रा को आसान बनाने के उद्देश्य से ई-वीजा प्रणाली का भी बड़े पैमाने पर विस्तार किया है, जिससे दुनिया के कई देशों के नागरिकों के लिए भारत की यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हो गई है।

बयान के अनुसार, भारत लगातार दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी जगह मजबूत कर रहा है।

वर्तमान में भारत दुनिया की शीर्ष पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में आठवें स्थान पर है और पर्यटन क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देता है।

वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (डब्ल्यूटीटीसी) के अनुमान के अनुसार, आने वाले दस वर्षों में भारत वैश्विक पर्यटन अर्थव्यवस्था में चौथे स्थान पर पहुंच सकता है।

केंद्र ने 2026 में अब तक सरकारी कंपनियों के ओएफएस के जरिए जुटाए 25,000 करोड़ रुपए

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र ने सरकारी कंपनियों में ऑफ फॉर सेल (ओएफएस) लाकर 2026 में अब तक 25,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जुटा ली है। यह बीते एक दशक में सरकार द्वारा ओएफएस के जरिए जुटाई गई सबसे अधिक राशि है। यह जानकारी मार्केट डेटा में दी गई।

प्राइम डेटाबेस के डेटा के मुताबिक, केंद्र सरकार ने 2026 में आठ सूचीबद्ध पीएसयू में अपनी हिस्सेदारी बेचकर लगभग 25,491 करोड़ रुपए जुटाए। यह 2015 के बाद से पीएसयू ओएफएस इश्यू के जरिए जुटाई गई सबसे बड़ी रकम है। सरकार ने 2015 में पांच लिस्टेड कंपनियों में हिस्सेदारी बेचकर लगभग 35,291 करोड़ रुपए जुटाए थे।

प्राइवेट सेक्टर के इश्यू को मिलाकर, इस साल अब तक कुल 24 लिस्टेड कंपनियों ने ओएफएस के जरिए लगभग 29,445 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

यह आंकड़ा 2024 में 28 कंपनियों द्वारा जुटाए गए 30,178 करोड़ रुपए के करीब है और साथ ही, यह 2015 में 19 कंपनियों द्वारा जुटाए गए 35,566 करोड़ रुपए के अब तक के उच्चतम से भी बहुत दूर नहीं है। केंद्र ने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल), इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन (आईआरएफसी), सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कोल इंडिया, एनएचपीसी, एनएलसी इंडिया और जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया जैसी सरकारी कंपनियों में हिस्सेदारी बेची है। वहीं प्राइवेट सेक्टर में भी ओएफएस मार्केट का इस्तेमाल किया गया है।

जानकारों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण घरेलू शेयर बाजार में अस्थिरता के बावजूद, ओएफएस लॉन्च के बाद पीएसयू शेयरों का प्रदर्शन आम तौर पर औसत रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि साल की शुरुआत में हिस्सेदारी बेचकर जुटाए गए फंड से खाद्य, उर्वरक और खाना पकाने वाली गैस सब्सिडी से जुड़े अधिक खर्च को वहन करने में मदद मिल सकती है।

ईपीएफओ की सेवाएं सिस्टम माइग्रेशन के चलते कई दिनों तक नहीं होंगी उपलब्ध

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने गुरुवार को ऐलान किया कि कई ऑनलाइन सर्विसेज जैसे क्लेम दर्ज करना और ई-पासबुक सुविधाएं सिस्टम माइग्रेशन के चलते अगले कुछ दिनों तक उपलब्ध नहीं होंगी।

ईपीएफओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सिस्टम माइग्रेशन की योजना के तहत, 26 जून से 29 जून के बीच मेंबर पोर्टल, एम्प्लॉयर पोर्टल और उमंग ऐप पर सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी।

उन्होंने आगे कहा कि सेवाओं को कुछ समय के लिए बंद करना सिस्टम अपग्रेड की योजना का हिस्सा है, जिसका मकसद पक्षधारकों को तेज, अधिक भरोसेमंद और सुरक्षित सेवाएं देना है।

ईपीएफओ ने कहा कि 30 जून से सेवाओं के फिर से शुरू होने की उम्मीद है।

माइग्रेशन के दौरान, सदस्य और नियोक्ता कई जरूरी सेवाओं का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे, जैसे कि क्लेम सबमिट करना और प्रोसेस करना, इलेक्ट्रॉनिक चालान-कम-रिटर्न (ईसीआर) फाइल करना, नए कर्मचारियों के लिए यूएएन लिंक करना और ई-पासबुक सर्विस।

इसके अलावा, ईपीएफओ ??ने सदस्यों को सलाह दी है कि वे इस अस्थायी रुकावट के दौरान होने वाली परेशानी से बचने के लिए अपने काम की योजना उसी हिसाब से बनाएं।

ईपीएफओ ने इस दौरान मुश्किलों का सामना कर रहे पक्षकारों को मदद का भरोसा दिया है और कहा है कि किसी भी सहायता के लिए ईपीएफओ ??कॉल सेंटर के नंबर 14470 पर संपर्क करें।

वहीं, उमंग ऐप के जरिए ईपीएफओ ??की सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले यूजर्स को ऐप पर एक नोटिफिकेशन दिखा रहा है जिसमें बताया गया कि निर्धारित माइग्रेशन गतिविधियों के कारण सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं और इनके 2 जुलाई को फिर से शुरू होने की उम्मीद है। मैसेज में आगे कहा गया, 'हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।' 'ईपीएफओ देश भर में लाखों सैलरी पाने वाले कर्मचारियों की रिटायरमेंट सेविंग्स को मैनेज करता है और अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और उमंग ऐप के जरिए कई तरह की डिजिटल सेवाएं देता है।

भारत प्रकृति-आधारित इनोवेशन के जरिए सतत जल प्रबंधन का कर सकता है नेतृत्व : एक्सपर्ट

विश्व केसरी

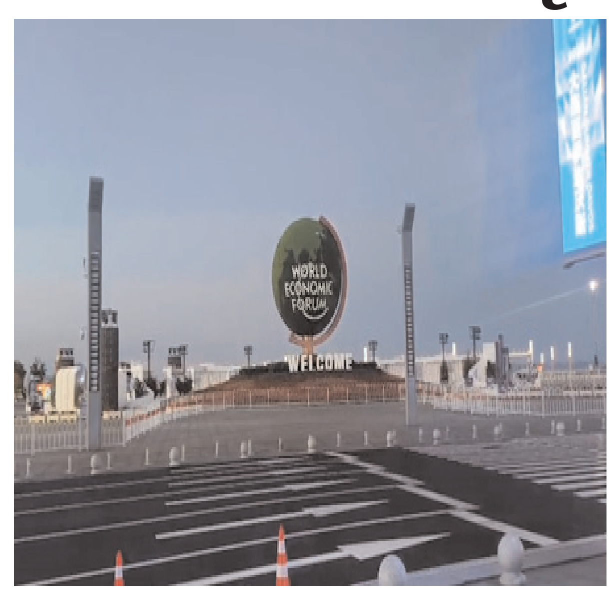

डालियान (चीन)। भारत में प्रकृति से प्रेरित ऐसी तकनीकों को अपनाकर सतत जल प्रबंधन में वैश्विक नेतृत्व बनने की क्षमता है, जो ऊर्जा की खपत को कम करती हैं और पानी के दोबारा इस्तेमाल को बेहतर बनाती हैं। यह जानकारी एक्सपर्ट की ओर से दी गई।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की 'एनुअल मीटिंग ऑफ द न्यू चैंपियंस' (समर दावोस) के दौरान आईएएनएस से ??बात करते हुए ईसीओएसटीपी टेक्नोलॉजी के सीईओ और संस्थापक भरथन ने कहा कि भारत में बढ़ते वेस्टवॉटर की चुनौती, घरेलू इनोवेशन के जरिए पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर असर डालने का एक मौका देती है। उन्होंने बताया कि देश का लगभग 80 प्रतिशत सीवेज बिना ट्रीट किए ही छोड़ दिया जाता है, जिससे नदियों, झीलों और पानी के अन्य स्रोतों में भारी प्रदूषण होता है।

ईसीओएसटीपी टेक्नोलॉजीज ने बायोमिमिक्री से प्रेरित होकर वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट का एक तरीका विकसित किया है। यह एक ऐसी तकनीक है जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं की नकल करती है। कंपनी ने बिना बिजली, केमिकल या मैकेनिकल उपकरणों के इस्तेमाल के सीवेज को ट्रीट करने के लिए गाय के पेट के काम करने के तरीके को अपनाया है। भरथन के अनुसार, सीवेज ट्रीटमेंट के पारंपरिक सिस्टम काफी हद तक एअरेशन (हवा मिलाने की) प्रक्रियाओं पर निर्भर करते हैं, जिनमें बहुत अधिक ऊर्जा की खपत होती है और ऑपरेशन का खर्च भी ज्यादा आता है।

इसके उलट, कंपनी का ग्रेविटी-बेस्ड सिस्टम खास तौर पर तैयार किए गए बैक्टीरिया और जमीन के नीचे बने चैंबर का इस्तेमाल करता है। ये चैंबर गाय के पेट के चार हिस्सों – रूमेन, रेटिकुलम, ओमासम और एबोमासम – की तरह काम करते हैं और गंदे पानी को प्राकृतिक तरीके से साफ करते हैं।

यह टेक्नोलॉजी आईआईटी जम्मू के साथ मिलकर विकसित की गई है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि सीवेज को दोबारा इस्तेमाल लायक साफ पानी में बदला जा सके, और इसके लिए किसी ऑपरेटर, हिलने-डुलने वाले पार्ट्स या लगातार बिजली सप्लाई की जरूरत नहीं पड़ती।

लगातार दूसरे सत्र में तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स में 109 अंकों की बढ़त

विश्व केसरी

मुंबई। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे सत्र में तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। हालांकि मंगलवार सत्र की गिरावट को छोड़ दें तो पिछले कई सत्रों में बाजार ने लगातार बढ़त दर्ज की है।

गुरुवार के सत्र में आईटी, मेटल, ऑयल एंड गैस शेयरों के दबाव के कारण घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों ने दिनभर की बढ़त का अधिकांश हिस्सा गंवा दिया और निफ्टी 50 मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 109.25 अंक यानी 0.14 प्रतिशत बढ़कर 77,100.47 पर था, तो वहीं निफ्टी50 34.35 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,056.00 पर बंद हुआ।

हालांकि दिन के कारोबार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,991.22 से करीब 400 अंक उछलकर 77391.07 पर खुला और दिन के दौरान इसने 1 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर 77,803.18 का इंट्रा-डे हाई टच किया। वहीं, एनएसई निफ्टी 50 दिन में अपने पिछले बंद 24,021.65 से 104 अंक उछलकर 24,125.85 पर खुला और इंट्रा-डे कारोबार में इसने करीब 240 अंक यानी करीब 1 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,261.60 का उच्चतम स्तर छुआ। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 0.55 प्रतिशत और 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

वहीं, क्षेत्रीय सूचकांकों में मिला-जुला रुख देखने को मिला, जिसमें निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा 2.2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी एफएमसीजी में करीब 0.7 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी में 0.3 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.16 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मेटल, निफ्टी आईटी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फार्मा में गिरावट देखने को मिली।

निफ्टी50 इंडेक्स में इंडिगो, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, मैक्स हेल्थ और टाटा कंज्यूमर के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। इसके विपरीत, ओएनजीसी, हिंडाल्को, पावरग्रिड, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल और एसबीआई लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

इस बीच, भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 25 पैसे बढ़कर 94.40 पर बंद हुआ, जबकि पिछले दिन यह 94.65 पर बंद हुआ था।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट ने रुपए को सहारा दिया और कुछ राहत भी दी, लेकिन यह बढ़त की रफ्तार बनाए रखने के लिए काफी नहीं थी।

सेक्टर के हिसाब से देखें तो ऑटो शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया। इसकी वजह रही मेटल की कीमतों में कमी, सप्लाई चेन की दिक्कतों का कम होना और महीने के दौरान रिटेल मांग में सुधार। कुल मिलाकर बाजार का मूड सकारात्मक रहा, लेकिन एफआईआई की लगातार बिकवाली से तेजी सीमित हो सकती है।

आने वाले समय में, पहली तिमाही के नतीजों के कमजोर अनुमान और मॉनसून की असमान स्थिति का बाजार के मूड पर असर पड़ सकता है, इसलिए इन पर नजर रखने की जरूरत है।

सोने और चांदी में गिरावट का असरः गोल्ड ईटीएफ 2 प्रतिशत और सिल्वर ईटीएफ करीब 4 प्रतिशत लुढ़का

विश्व केसरी

मुंबई। सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का असर गुरुवार को गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) और सिल्वर ईटीएफ पर देखने को मिला और इनमें करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट आई।

एनएसई डेटा के अनुसार, दिन के दौरान निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ (सिल्वर बीईईएस) 3.99 प्रतिशत गिरकर 202.58 रुपए, एसबीआई सिल्वर ईटीएफ 3.93 प्रतिशत घटकर 208.26 रुपए, एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ 4 प्रतिशत घटकर 200.39 रुपए और टाटा सिल्वर ईटीएफ 3.92 प्रतिशत घटकर 20 रुपए पर पहुंच गया।

सोने से जुड़े ईटीएफ में भी गिरावट देखने को मिली है। निप्पॉन इंडिया गोल्ड ईटीएफ (गोल्डबीईईएस) 2.21 प्रतिशत घटकर 114.55 रुपए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ 2.76 प्रतिशत घटकर 117.95 रुपए, एसबीआई गोल्ड ईटीएफ 2.8 प्रतिशत घटकर 118.17 रुपए और एचडीएफसी गोल्ड ईटीएफ 2.64 प्रतिशत घटकर 117.75 रुपए पर पहुंच गया है। इसके अतिरिक्त, सोने और चांदी की कीमतों में भी कमजोरी देखी जा रही है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 2,156 रुपए कम होकर 1,40,022 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है, जो कि पहले 1,42,178 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,235 रुपए प्रति 10 ग्राम से घटकर 1,28,260 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। 18 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,05,017 रुपए प्रति 10 ग्राम गई है, जो कि पहले 1,06,634 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 0.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,010.32 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.94 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 57.51 डॉलर प्रति औंस पर थी।

सोने और चांदी में गिरावट की वजह अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दर बढ़ाने के संकेत देना है। वहीं, डॉलर इंडेक्स के 101 के पार निकलने ने इसे और तेज कर दिया है।

राजेश एक्सपोर्ट्स पर ईडी ने लगाया फेमा के उल्लंघन का आरोप, शेयर में लगा लोअर सर्किट

विश्व केसरी

मुंबई। सेबी की जांच का सामना कर रही राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयर में गुरुवार को 5 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा, जिससे कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर फिसलकर 97.02 रुपए पर गया है। इसकी वजह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से कंपनी पर विदेशों में लेनदेन पर फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा) के उल्लंघन का आरोप लगाना है।

ईडी के बयान के मुताबिक, राजेश एक्सपोर्ट्स ने सामान्य व्यावसायिक तौर-तरीकों का पालन नहीं किया था और वह आयात, निर्यात, विदेशी निवेश और विदेशी व्यापार के लेनदेन से जुड़े जरूरी दस्तावेज पेश करने में नाकाम रही।

बेंगलुरु और मुंबई में कंपनी के कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाने के एक दिन बाद, एजेंसी ने कहा कि सपोर्टिंग रिकॉर्ड न होने की वजह से कई क्रॉस-बॉर्डर ट्रांजैक्शन को वैरिफाई करने में उसे मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।

ईडी ने राजेश एक्सपोर्ट्स के कुल नौ ठिकानों पर छापे मारे थे।

ईडी ने बयान में आगे कहा कि कंपनी के पास खातों में दर्ज की गई इन्वेंट्री के मुकाबले असल गोल्ड स्टॉक करीब 40 प्रतिशत कम था।

ईडी की प्रेस रिलीज के मुताबिक, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को दिया जा रहा वेतन भी उनके दायित्वों से मेल नहीं खाता है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) को 2020 से कोई वेतन नहीं मिला है, जबकि मैनेजिंग डायरेक्टर को केवल 17,000 रुपए प्रति माह का वेतन मिलता है। सेबी के अंतरिम आदेश के मुताबिक, कंपनियों ने वित्त वर्ष 21 से लेकर वित्त वर्ष 25 तक के लगभग 15.15 लाख करोड़ रुपए की आय को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। कंपनी ने यह अपनी विदेश सब्सिडियरी के माध्यम से किया है, जिसके वित्तीय विवरण पर कोई सार्वजनिक डिस्क्लोजर नहीं दिया गया था।

इसके साथ ही, सेबी ने आरोप लगाया कि मेहता ने कंपनी के पैसों को अपने निजी खातों में ट्रांसफर किया, जिससे शेयरधारकों की संपत्ति में करीब 12,726 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। सेबी के आदेश में आगे आरोप लगाया गया है कि कंपनी ने बार-बार महत्वपूर्ण अकाउंटिंग सिस्टम, वित्तीय रिकॉर्ड और सहायक दस्तावेजों तक पहुंच प्रदान करने में विफल रही, जिससे जांचकर्ताओं और फोरेंसिक ऑडिटर्स को रिपोर्ट किए गए लेन-देन के एक महत्वपूर्ण हिस्से का स्वतंत्र रूप से सत्यापन करने में बाधा उत्पन्न हुई।

बिना बंदिशों वाला प्यार! जानें क्या है नया डेटिंग ट्रेंड 'Wildflowering', प्यार में क्यों जरूरी है एक-दूसरे की 'आजादी'?

'वाइल्डफ्लॉवर' यानी जंगली फूल, जो बिना किसी खास देखरेख या बंदिश के, अपनी मर्जी से कहीं भी खिलते हैं और खूबसूरत लगते हैं. ठीक इसी तरह, इस डेटिंग ट्रेंड का मतलब है ऐसा रिश्ता जहां दोनों पार्टनर्स एक-दूसरे पर कोई नियम या शर्तें नहीं थोपते.

आज के दौर में प्यार के मायने और रिश्ते निभाने के तरीके तेजी से बदल रहे हैं. 'सिटचुएशनशिप' (Situationship) और 'घोस्टिंग' (Ghosting) जैसे शब्दों के बाद, अब डेटिंग की दुनिया में एक नया ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है. इसे नाम दिया गया है 'Wildflowering' (वाइल्डफ्लॉवरिंग). अगर आसान शब्दों में कहें, तो यह एक ऐसा ट्रेंड है जो प्यार में किसी भी तरह की बंदिशों को पूरी तरह से खारिज करता है. यह रिश्ता खुलकर जीने, एक-दूसरे को स्पेस देने और बिना किसी दबाव के आगे बढ़ने का नाम है. आइए जानते हैं कि आखिर यह नया ट्रेंड क्या है और आज के युवा इसे रिश्ते के लिए इतना जरूरी क्यों मान रहे हैं.

रिलेशनशिप में क ?या है 'वाइल्डफ्लॉवर' ?

'वाइल्डफ्लॉवर' यानी जंगली फूल, जो बिना किसी खास देखरेख या बंदिश के, अपनी मर्जी से कहीं भी खिलते हैं और खूबसूरत लगते हैं।

ठीक इसी तरह, इस डेटिंग ट्रेंड का मतलब है ऐसा रिश्ता जहां दोनों पार्टनर्स एक-दूसरे पर कोई नियम या शर्तें नहीं थोपते।

इसमें कपल्स एक-दूसरे के साथ तो रहते हैं, लेकिन अपनी पर्सनल लाइफ, करियर और दोस्तों के साथ समझौते किए बिना. यह ट्रेंड सिखाता है कि आप रिश्ते में रहकर भी अपनी व्यक्तिगत पहचान (Individuality) को न खोएं.

दरअसल, आज की जनरेशन विशेषकर त्दद्ठ ँ और मिलेनियल्स, रिश्तों में घुटन महसूस नहीं करना चाहती. उनके लिए प्यार जरूरी है लेकिन उसके साथ पर्सनल स्पेस भी उतना ही जरूरी है. जानते हैं आखिर क्यों आज की जेनरेशन वाइल्डफ्लावरिंग को इतना अहमियत दे रही है.

इस ट्रेंड के तहत पार्टनर्स यह समझते हैं कि चौबीसों घंटे साथ रहना या हर बात की रिपोर्ट देना प्यार नहीं है. हर किसी को अपने लिए थोड़ा वक्त चाहिए होता है।

बिना बंदिशों वाले प्यार की पहली शर्त है 'मजबूत भरोसा'. जब आप पार्टनर को पूरी आजादी देते हैं, तो रिश्ता शक के दायरे से बाहर निकलकर ज्यादा मैच्योर बनता है।

Litchi Recipe; गर्मियों में मेहमानों को सर्व करें लीची की यह तीखी-मीठी और रिफ्रेशिंग डिश, हर कोई पूछेगा रेसिपी का राज!

अगर आप गर्मियों के मौसम में कुछ अनोखा और खास आज़माना चाहते हैं, तो लीची चाट एक बेहतरीन विकल्प .मीठे और चटपटे स्वाद का यह अनोखा मेल सभी को पसंद आएगा.

गर्मियों के सीजन में लीची का नाम सुनते ही मन में एक प्यारी सी मिठास का एहसास होता है. यह रसीला फल न सिर्फ़ स्वादिष्ट होता है, बल्कि शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखने में भी मदद करता है. वैसे तो लोग आम तौर पर लीची को ऐसे ही खाना पसंद करते हैं, लेकिन अगर आप कुछ अनोखा और खास परोसना चाहते हैं, तो लीची चाट एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. मीठे और चटपटे स्वाद का यह अनोखा मेल सभी को पसंद आएगा. सबसे अच्छी बात यह है कि इसे तैयार करने में बहुत कम समय लगता है...

लीची चाट बनाने के लिए सामग्री

20-25 ताज़ी लीची, 1 छोटा खीरा (बारीक कटा हुआ), 1 छोटा प्याज़ (बारीक कटा हुआ), 1 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस, ङ्ग छोटा चम्मच काला नमक, ङ्ग छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर, द छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, थोड़ा ताज़ा हरा धनिया और कुछ पुदीने की पत्तियां.

बनाने का तरीका

1. लीची चाट बनाने के लिए, सबसे पहले लीची को छील लें और उसके बीज निकाल दें. लीची के गूदे को आधा-आधा काट लें ताकि यह दूसरी चीज़ों के साथ अच्छी तरह मिल जाए.

2. कटी हुई लीची, खीरा, प्याज़ और हरी मिर्च को एक बड़े कटोरे में डालें. इसके बाद, काला नमक, भुना हुआ जीरा पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालें. आखिर में, नींबू का रस डालें और सभी चीज़ों को धीरे-धीरे तब तक मिलाएं जब तक वे अच्छी तरह से मिल न जाएं.

3. ऊपर से ताज़ा धनिया और पुदीने की पत्तियां डालकर सजाएं. बेहतर स्वाद के लिए, इसे 10-15 मिनट के लिए फ्रिज में रखकर ठंडा कर लें.

इस डिश को क्या खास बनाता है?

लीची की नैचुरल मिठास, नींबू का हल्का खट्टापन और मसालों का हल्का स्वाद इस चाट को वाकई खास बनाते हैं. यह न सिर्फ़ स्वादिष्ट है, बल्कि गर्मियों में शरीर को ताज़गी भी देती है. इसमें मौजूद पानी और विटामिन ष्ट शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करते हैं.

अगर आप इस गर्मी में कुछ अनोखा, स्वादिष्ट और खास परोसना चाहते हैं, तो आपको लीची चाट ज़रूर आज़मानी चाहिए. इसका मीठा और ताज़गी भरा स्वाद सभी को पसंद आएगा और यकीन मानिए।

चावल का पानी या प्याज का रस, बालों की ग्रोथ के लिए बेस्ट नेचुरल रेमिडी या है? जानें फायदे

बालों को लंबा घना बनाने के लिए लोग तरह-तरह के घरेलू उपायों को सदियों से अपनाते रहे हैं. इसमें से दो सबसे कॉमन और असरदार माने जाने वाले उपायों में चावल का पानी और प्याज का रस भी शामिल है. लेकिन दोनो में से किस एक को चुनना आपके लिए फायदेमंद होगा, चलिए इस लेख की मदद से समझते हैं.

सिर पर काले, घने और लंबे बाल खूबसुरती में चार चांद लगाते हैं. लेकिन आज के समय में बालों को बचा पाना एक मुश्किल काम हो गया है. केमिकल वाले प्रोडक्ट्स और महंगे हेयर ट्रीटमेंट्स से बचने के लिए लोग अब दोबारा पारंपरिक उपायों की ओर अपना रूख कर रहे हैं. टिक-टॉक हो या फिर इंस्टाग्राम सोशल मीडिया पर हर तरफ इंफ्लूएंसर्स अपनी प्रॉब्लम और नेचुरल रेमिडी के बारे में बात करते नजर आ रहे हैं.

आपने भी कई रील्स और वीडियों में बालों की ग्रोथ बढ़ाने और मजबूती के लिए चावल के पानी या प्याज के रस के उपयोग के फायदों के बारे में जरूर देखा होगा।

हालांकि ये दोनों ही उपाय दादी-नानी के जमाने से किए जाते रहे हैं. लेकिन इस्तेमाल से पहले ये जान लेना जरूरी है कि आपके लिए ज्यादा फायदेमंद रेमिडी कौन-सी हो सकती है।

आंखें नहीं हटेगी... नाम सुनकर लोग समझते हैं खाने की चीज! लेकिन रायता हिल्स बन चुका है पर्यटकों का नया ठिकाना

उदयपुर अपनी झीलों और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है, लेकिन अब रायता हिल्स भी तेजी से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है. दिलचस्प बात यह है कि इसका नाम सुनकर कई लोग इसे खाने की किसी चीज से जोड़ लेते हैं, जबकि वास्तव में यह अरावली की गोद में बसा एक खूबसूरत प्राकृतिक पर्यटन स्थल है. यहां से दिखाई देने वाले पहाड़ों, हरियाली और मनमोहक दृश्यों का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं. विशेष रूप से मानसून के मौसम में रायता हिल्स की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है, जब चारों ओर हरियाली और बादलों का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है. यह स्थान फोटोग्राफी, ट्रैकिंग और प्रकृति के बीच सुकून भरे पल बिताने के लिए बेहतरीन माना जाता है.

रायता का नाम सुनते ही लोगों के मन में खाने की डिश की तस्वीर उभर आती है, लेकिन उदयपुर में एक ऐसी जगह भी है जिसका नाम रायता हिल्स है. अरावली की हरी-भरी पहाड़ियों के बीच स्थित यह स्थान इन दिनों मानसून में पर्यटकों और स्थानीय लोगों की पहली पसंद बना हुआ है.

बारिश के मौसम में रायता हिल्स की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है. चारों ओर फैली हरियाली, बादलों से घिरी पहाड़ियां और ठंडी हवाएं यहां आने वालों को प्रकृति के बेहद करीब होने का अहसास कराती हैं. यही वजह है कि हर साल मानसून के दौरान यहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं.

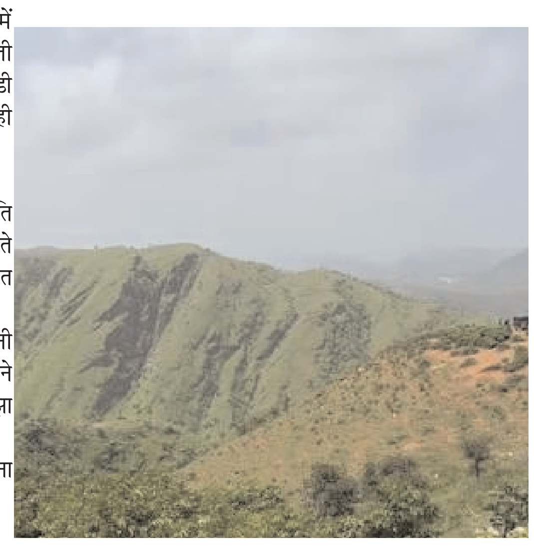

बाहर से आने वाले पर्यटक भी यहां पहुंच रहे

वीकेंड पर तो यहां काफी भीड़ देखने को मिलती है. युवा, परिवार और प्रकृति प्रेमी सुबह से शाम तक इस स्थान का आनंद लेने आते हैं. पहाड़ियों के बीच से गुजरते रास्ते और ऊंचाई से दिखाई देने वाले खूबसूरत नजारे लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं.

स्थानीय लोगों का कहना है कि रायता हिल्स अब उदयपुर के प्रमुख मानसूनी पर्यटन स्थलों में शामिल हो चुका है. बारिश के बाद यहां का प्राकृतिक सौंदर्य देखने लायक होता है. सोशल मीडिया पर भी इस जगह की तस्वीरें और वीडियो खूब साझा किए जाते हैं, जिससे बाहर से आने वाले पर्यटक भी यहां पहुंच रहे हैं.

अगर आप मानसून में उदयपुर की प्राकृतिक सुंदरता को करीब से महसूस करना चाहते हैं, तो रायता हिल्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

गजब का औषधीय पौधा कनेर, फूल से लेकर पत्तियों तक में छिपे हैं रहस्यमयी लाभ, फूल, पो, त्वचा, घाव और सूजन में आते हैं काम

कनेर सजावटी के साथ आयुर्वेदिक पौधा भी है, वैद्य विष्णु दत्त प्रजापति के अनुसार इसके फूल पत्ते त्वचा, घाव, सूजन में उपयोगी पर विषैले, बिना विशेषज्ञ सलाह न लें. लोकल 18 से बातचीत के दौरान गोंडा के आयुर्वेद विशेषज्ञ वैद्य विष्णु दत्त प्रजापति बताते हैं कि कनेर के पौधे में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, जिनके कारण इसे आयुर्वेदिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है.हालांकि यह एक विषैला पौधा भी माना जाता है, इसलिए इसका उपयोग बिना जानकारी और विशेषज्ञ की सलाह के कभी नहीं करना चाहिए.सही मात्रा और सही विधि से उपयोग करने पर ही इसके लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं.

कनेर का पौधा आमतौर पर घरों, बगीचों, पार्कों और मंदिरों के आसपास लगाया जाता है. इसके सुंदर और रंग-बिरंगे फूल लोगों का ध्यान आसानी से आकर्षित कर लेते हैं. सफेद, गुलाबी, लाल और पीले रंग के फूलों वाला यह पौधा सजावटी पौधों में काफी लोकप्रिय माना जाता है. लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि कनेर केवल सुंदरता बढ़ाने वाला पौधा ही नहीं है, बल्कि आयुर्वेद में भी इसका विशेष महत्व बताया गया है. इसके फूल, पत्तियां, जड़ और अन्य भागों का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में लंबे समय से किया जाता रहा है.

लोकल 18 से बातचीत के दौरान गोंडा के आयुर्वेद विशेषज्ञ वैद्य विष्णु दत्त प्रजापति बताते हैं कि कनेर के पौधे में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, जिनके कारण इसे आयुर्वेदिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है.हालांकि यह एक विषैला पौधा भी माना जाता है, इसलिए इसका उपयोग बिना जानकारी और विशेषज्ञ की सलाह के कभी नहीं करना चाहिए।

बारिश के दाग और धूल मिनटों में होंगे गायब, कांच साफ करने के ये घरेलू हैक्स आएंगे काम

बारिश के बाद खिड़कियों पर जमे दाग और धूल को हटाने के लिए नींबू-नमक, विनेगर-पानी, डिटर्जेंट और अखबार जैसे आसान घरेलू उपाय बेहद कारगर साबित हो सकते हैं. सही तरीके से सफाई करने पर कांच की पुरानी चमक आसानी से वापस लाई जा सकती है.

मानसून का मौसम अपने साथ ठंडी हवाएं, हरियाली और राहत लेकर आता है, लेकिन बारिश के बाद घर की खिड़कियों पर जमे पानी के निशान और धूल अक्सर परेशानी का कारण बन जाते हैं. कई बार ऐसा होता है कि बाहर का मौसम खूबसूरत दिख रहा होता है, लेकिन गंदे कांच की वजह से घर की रौनक फीकी लगने लगती है. बारिश के पानी में मौजूद धूल, मिट्टी और अन्य कण कांच पर सूखकर ऐसे दाग छोड़ जाते हैं जिन्हें सामान्य कपड़े से साफ करना आसान नहीं होता. अक्सर लोग महंगे क्लीनर खरीद लेते हैं, फिर भी उन्हें वैसी चमक नहीं मिलती जैसी वे चाहते हैं.

अच्छी बात यह है कि घर में मौजूद कुछ साधारण चीजों की मदद से खिड़कियों के कांच को आसानी से चमकाया जा सकता है. नींबू, नमक, विनेगर, डिटर्जेंट और यहां तक कि पुराना अखबार भी इस काम में काफी मददगार साबित हो सकता है, अगर सही तरीके से सफाई की जाए तो बारिश के बाद भी खिड़कियां बिल्कुल नई जैसी दिखाई दे सकती हैं.

1. नींबू और नमक से हटाएं जमे हुए दाग

बारिश के बाद अक्सर कांच पर पानी के गोल निशान और धूल की परत जम जाती है. इन्हें हटाने के लिए नींबू और नमक का मिश्रण काफी असरदार माना जाता है. एक छोटी कटोरी में नींबू का रस निकालें और उसमें थोड़ा सा नमक मिला लें. अब इस मिश्रण को स्पंज या मुलायम कपड़े की मदद से कांच पर लगाएं. हल्के हाथों से रगड़ने पर जिद्दी दाग धीरे-धीरे साफ होने लगते हैं. नींबू की प्राकृतिक अम्लीयता गंदगी को ढीला करती है जबकि नमक हल्के स्क्रबर की तरह काम करता है. यही वजह है कि यह घरेलू उपाय लंबे समय से इस्तेमाल किया जाता रहा है.

2. विनेगर और पानी का आसान फॉर्मूला

क्यों है यह इतना असरदार? सफेद विनेगर को कांच साफ करने के सबसे लोकप्रिय घरेलू उपायों में गिना जाता है. बराबर मात्रा में विनेगर और पानी मिलाकर एक स्प्रे बोतल में भर लें. इसके बाद मिश्रण को कांच पर छिड़कें और सूखे माइक्रोफाइबर कपड़े से पोंछ दें. इस तरीके से कांच पर जमी धूल, उंगलियों के निशान और बारिश के बाद बने दाग आसानी से हट जाते हैं. साथ ही कांच पर चमक भी लौट आती है. कई लोग नियमित सफाई के लिए इसी उपाय को अपनाते हैं क्योंकि इसमें ज्यादा खर्च भी नहीं आता.

3. ज्यादा गंदगी हो तो डिटर्जेंट का लें सहारा

कई बार बारिश के साथ तेज हवा भी चलती है, जिससे खिड़कियों पर मिट्टी की मोटी परत जम जाती है. ऐसे में सिर्फ पानी से सफाई करना काफी नहीं होता. एक बाल्टी या बर्तन में हल्का डिटर्जेंट और गुनगुना पानी मिलाकर घोल तैयार करें. स्पंज की मदद से पूरे कांच को साफ करें और बाद में साफ पानी से दोबारा पोंछ लें. यह तरीका खासतौर पर उन घरों के लिए उपयोगी है जो मुख्य सड़क या खुले मैदान के पास स्थित होते हैं, जहां धूल ज्यादा उड़ती है.

4. पुराना अखबार भी कर सकता है कमाल

चमक बढ़ाने का पुराना लेकिन कारगर तरीका बहुत से लोग यह नहीं जानते कि पुराना अखबार कांच की सफाई में बेहद उपयोगी हो सकता है. पहले कांच पर हल्का पानी या क्लीनिंग सॉल्यूशन स्प्रे करें और फिर अखबार से गोलाकार तरीके से पोंछें. अखबार की बनावट कांच पर धब्बे बनने से रोकती है और अतिरिक्त नमी को भी हटा देती है. यही वजह है कि सफाई के बाद कांच ज्यादा साफ और चमकदार नजर आता है. पुराने समय में यह तरीका काफी लोकप्रिय था और आज भी कई लोग इसका इस्तेमाल करते हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने की 'ऑब्सेशन' की तारीफ

कहा- हॉलीवुड में अवसरों की दीवारें टूट रही हैं

लॉस एंजेलिस। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने निर्माता बनने और अमेरिका में अपने करियर को आगे बढ़ाने की इच्छा पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी कहा कि अब हॉलीवुड में नए कलाकारों और फिल्म निर्माताओं के लिए प्रवेश की बाधाएं पहले की तुलना में काफी कम हो गई हैं।

प्रियंका ने कम बजट की सफल हॉरर फिल्म ऑब्सेशन का उदाहरण देते हुए कहा कि आज के दौर में प्रतिभाशाली लोगों के लिए अवसरों के नए दरवाजे खुल रहे हैं।

बुधवार को आयोजित कैंस लायंस सम्मेलन में शामिल हुईं प्रियंका ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर आपके पास कोई अच्छा विचार है तो आप उसे शूट कर सकते हैं, यूट्यूब पर डाल सकते हैं और वह 'ऑब्सेशन' जैसी फिल्म बन सकती है, जो हाल ही में रिलीज हुई है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मनोरंजन उद्योग से जुड़े लोगों के लिए यह बेहद शानदार समय है, क्योंकि आज के दौर में विचार ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी हैं।'

प्रियंका ने बताया कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब हालात इतने आसान नहीं थे। पिछले एक दशक से हॉलीवुड में अपना करियर बना रहीं अभिनेत्री ने कहा कि शुरुआत में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि उनका फिल्मी दुनिया से कोई संबंध नहीं था।

उन्होंने कहा, 'मेरे माता-पिता डॉक्टर थे, इसलिए हममें से किसी को भी यह नहीं पता था कि फिल्म इंडस्ट्री में कैसे आगे बढ़ना है। जब मैंने शुरुआत की थी, तब यह बहुत सीमित और खास लोगों तक पहुंच वाला क्षेत्र था। अगर आपको फिल्म निर्माण में आना होता था तो पहले यह तय करना पड़ता था कि आप किस विभाग में काम करना चाहते हैं।'

प्रियंका ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि उन्हें बताया गया था कि भारतीय सिनेमा कभी हॉलीवुड जितना वैश्विक नहीं बन पाएगा, क्योंकि भारतीय फिल्में अंग्रेजी भाषा में नहीं होतीं।

उन्होंने कहा, 'मुझे बताया जाता था कि भारतीय सिनेमा कभी हॉलीवुड जितना वैश्विक नहीं होगा, क्योंकि हमारी फिल्में अंग्रेजी में नहीं बनतीं और हर कोई हिंदी, तेलुगु, मराठी या अन्य भारतीय भाषाओं को नहीं समझता।'

अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस इसलिए शुरू किया ताकि नए फिल्मकारों और उन रचनात्मक लोगों को मंच मिल सके, जिनके पास बेहतरीन विचार तो हैं, लेकिन उद्योग के दरवाजे खोलने के लिए जरूरी संसाधन या संपर्क नहीं हैं।

प्रियंका ने कहा, 'मैं ऐसे नए फिल्मकारों का समर्थन करना चाहती हूं जिनके पास शानदार विचार हैं, लेकिन उनके पास उन अवसरों तक पहुंच नहीं है, जिन तक मैं उन्हें पहुंचाने में मदद कर सकती हूं।'

हाल ही में स्ट्रीमिंग हिट्स सिटाडेल और हेड्स ऑफ स्टेट का हिस्सा रहीं प्रियंका ने अपने अंग्रेजी भाषा के करियर को लेकर भी खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, 'हिंदी सिनेमा में मैंने सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों और कलाकारों के साथ काम किया है। मैंने कई शानदार कहानियां और अलग-अलग शैलियों की फिल्में की हैं। लेकिन अमेरिका और हॉलीवुड में अपने अंग्रेजी भाषा के काम में मुझे अभी वैसी विविधता और अवसर उतने नहीं मिले हैं।'

प्रियंका का मानना है कि स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स और कोविड-19 महामारी के दौरान बदली दर्शकों की आदतों ने दुनिया भर की सामग्री को नए दर्शक दिए हैं। उनके अनुसार, अब लोग विभिन्न देशों और भाषाओं की कहानियों को पहले से कहीं ज्यादा अपनाने लगे हैं, जिससे वैश्विक मनोरंजन उद्योग में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं।

अक्षय पर अक्षरा सिंह बोलीं, दुनिया उनके स्टारडम की करती है तारीफ पर मुझे उनका विनम्र स्वभाव करता है प्रेरित

विश्व केसरी ■

मुंबई। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के एक कार्यक्रम में अक्षय कुमार के साथ मंच साझा करने के बाद उनके लिए एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने इस पल को 'सपना सच होने जैसा' बताया और कहा कि वह अभिनेता की विनम्रता और सादगी की प्रशंसक हैं।

मुरादाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अक्षय कुमार के साथ मंच साझा करते हुए कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं।

उन्होंने लिखा, 'खिलाड़ी कुमार के साथ यादगार मुरादाबाद। कभी अक्षय कुमार सर को स्क्रीन पर देखकर तालियां बजाती थी, आज उनके साथ मंच साझा कर रही हूं।'

अभिनेत्री ने आगे कहा: 'उनकी स्टारडम दुनिया देखती है, लेकिन मुझे उनकी सादगी और विनम्रता ने सबसे ज्यादा प्रेरित किया है। उनकी मौजूदगी बेहद प्रभावशाली है, लेकिन उनकी इंसानियत उससे भी ज्यादा खूबसूरत है। मैं बेहद आभारी हूं। इसे संभव बनाने के लिए अपने परिवार और प्रशंसकों के समर्थन, प्यार और आशीर्वाद का दिल से धन्यवाद।'

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में अक्षरा सिंह और अक्षय कुमार 'घिस घिस घिस' नामक गीत में साथ नजर आएंगे।

फिल्म में सुनील शेट्टी, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी, जैकी श्रॉफ, दलेर मेहंदी, मीका सिंह, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पटानी, उर्वशी रौतेला, फरीदा जलाल, कृष्णा अभिषेक, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, विंदू दारा सिंह, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, पंकज धीर, पुनीत इस्सर, किकू शारदा, फिरोज खान (अर्जुन), सुदेश बेरी और व्रीही कोडवारा भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

यह फिल्म लोकप्रिय वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। इस श्रृंखला की पहली फिल्म 2007 में रिलीज़ हुई थी जबकि इसका दूसरा भाग वेलकम बैक 2015 में सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुआ था।

दिशा पाटनी ने पालतू जानवर बेला और जैस्मीन को लेकर लिखा भावुक पोस्ट, बोलीं- 'तुमने सिखाया कि प्यार क्या है?

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री दिशा पाटनी अपने सबसे प्यारे पालतू जानवरों, डॉग बेला और बिल्ली जैस्मिन को खोने के बाद काफी दुखी और भावुक लग रही हैं। शायद दोनों की मौत एक ही दिन हुई थी।

एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने प्यारे पालतू जानवरों के लिए दिल को छू लेने वाले मैसेज शेयर किए और दो इमोशनल पोस्ट में अपने 'पहले बच्चों' के खोने का दुख जाहिर किया।

दिशा ने सबसे पहले बेला के लिए एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें कॉकर स्पैनियल के पपी होने से लेकर साथ बिताए कई प्यारे पलों की तस्वीरें और वीडियो शामिल थे। एक तस्वीर में बेला एक छोटे से पपी के तौर पर पर्दे के पास बैठी दिख रही है, और उसका एक पंजा उठा हुआ है, जबकि बाकी तस्वीरों में दिशा अपने पालतू जानवर को गले लगाती और चूमती हुई नजर आ रही है। दिशा ने पोस्ट के साथ लिखा, 'मेरी बेला, इस जिंदगी को इतना रंगीन बनाने के लिए तुम्हारा शुक्रिया, हमारे घर और मुझे अपनी मां के तौर पर चुनने के लिए धन्यवाद। तुमने मुझे सिखाया कि प्यार क्या होता है। मैंने तुम्हारी आंखों में पूरी दुनिया देखी। मैं तुम्हें बहुत याद करती हूं और दुनिया में सबसे ज्यादा प्यार करती हूं। दुनिया की सबसे प्यारी बच्ची, भगवान तुम्हारी आत्मा को शांति दे, मेरी सोलमेट, प्यारी बेलू, मैं तुम्हारी शुक्रगुजार हूं।'

इसके कुछ ही समय बाद दिशा ने एक और इमोशनल पोस्ट शेयर किया, जो इस बार उनकी बिल्ली जैस्मीन के लिए था।

'बालिका वधू' की सुमित्रा बनीं स्मिता बंसल का छलका दर्द, बोलीं- 'काम की वजह से मेरे और बेटी के बीच आ गई थीं दूरी'

विश्व केसरी ■

मुंबई। टेलीविजन की दुनिया में अभिनेत्री स्मिता बंसल ने 'बालिका वधू' शो में 'सुमित्रा' का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। हाल ही में उन्होंने एक टीवी टॉक शो 'तुम हो ना- घर की सुपरस्टार' में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक बेहद भावुक अनुभव साझा किया और बताया कि लगातार शूटिंग और काम की व्यस्तता के कारण उन्हें अपने घर और बच्चों के साथ समय नहीं मिल पाता था।

शो के दौरान बातचीत में स्मिता बंसल ने कहा, ''एक कलाकार होने के नाते मैं अपने काम को पूरी ईमानदारी से निभाती हूं लेकिन इसी बीच कई बार परिवार से दूर रहने का दर्द भी मुझे अंदर ही अंदर महसूस होता है। प्रोफेशनल कमिटमेंट्स के चलते कई बार मैं अपने निजी रिश्तों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना एक मां के रूप में देना चाहिए।''

शो के दौरान स्मिता ने बताया, 'एक बार जब मैं शूटिंग से घर लौटी, तो मैंने अपनी बेटी को खुद सुलाने का फैसला किया। उस समय मेरी बेटी ने मेरे साथ सोने से मना कर दिया और अपनी दादी के साथ सोने की इच्छा जताई। उस पल मुझे एहसास हुआ कि काम की वजह से मेरे और मेरी बेटी के बीच भावनात्मक रूप से थोड़ी दूरी आ गई है। यह मेरे लिए बहुत बड़ा दर्द था।'

स्मिता बंसल ने आगे बताया, ''लोग मुझे टीवी पर अलग-अलग किरदारों के लिए जानते थे। कभी कोई मुझे 'आनंदी की मां' कहता था, तो कभी 'जग्या की मां'। हालांकि असल जिंदगी में मैं अपनी ही बेटी के साथ उतना समय नहीं बिता पा रही थी, जितना मैं चाहती थी। एक मां के रूप में यह मेरे लिए सबसे बड़ी कमी और सबसे बड़ा पछतावा रहा है, जिसे चाहकर भी मैं पूरी तरह बदल नहीं सकती।''

बातचीत के दौरान स्मिता ने अपने अभिनय करियर को लेकर कहा, ''मैंने अपने करियर में कई ऐसे किरदार निभाए हैं जो मजबूत महिलाओं की कहानियों को दिखाते हैं। ये वे महिलाएं थीं, जो बिना ज्यादा बोले भी अपने जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करती हैं और मजबूती से आगे बढ़ती हैं। इन किरदारों ने मुझे यह समझने में मदद की कि असली ताकत हमेशा बड़े-बड़े शब्दों या दिखावे में नहीं होती, बल्कि कई बार यह रोजमर्रा की जिंदगी के छोटे-छोटे त्याग और धैर्य में छिपी होती है।''

मनी लॉन्ड्रिंग केस : जैकलीन फर्नांडीज ने सुप्रीम कोर्ट से वापस ली अपनी याचिका

विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज से जुड़े 200 करोड़ रुपए के कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। अभिनेत्री ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका वापस ले ली है। सुप्रीम कोर्ट ने भी उन्हें यह याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी है। यह पूरा मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा हुआ है और इसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, जैकलीन फर्नांडीज ने पहले दिल्ली की ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनके खिलाफ आरोप तय करने के निर्देश दिए गए थे। इसके खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था लेकिन अब उन्होंने अपनी याचिका वापस लेने का फैसला किया है।

अदालत में उनके वकील ने यह दलील दी कि वे इस मामले में आगे उचित कानूनी उपाय अपनाना चाहते हैं, इसलिए याचिका को वापस लेने की अनुमति दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए याचिका वापस लेने की इजाजत दे दी।

दरअसल, 30 मई को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने ईडी द्वारा पेश किए गए सबूतों के आधार पर जैकलीन फर्नांडीज, कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर, उसकी पत्नी लीना पॉलोस और 14 अन्य लोगों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया था।

इस मामले में जांच एजेंसियों का आरोप है कि सुकेश चंद्रशेखर ने खुद को सरकारी मंत्रालयों का बड़ा अधिकारी बताकर लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी की। इस कथित ठगी की रकम लगभग 200 करोड़ रुपए बताई जाती है।

ईडी की जांच में यह दावा किया गया है कि इस अवैध कमाई का एक हिस्सा महंगे गिफ्ट्स और लग्जरी सामान पर खर्च किया गया। एजेंसी का कहना है कि जैकलीन फर्नांडीज को भी इस नेटवर्क से जुड़े महंगे गिफ्ट्स मिले थे, जो कथित तौर पर अपराध से अर्जित पैसों से खरीदे गए थे। इन उपहारों में लग्जरी कारें, ब्रांडेड सामान, ज्वेलरी और अन्य कीमती चीजें शामिल हैं।

वहीं, जैकलीन फर्नांडीज की कानूनी टीम लगातार यह कहती रही है कि अभिनेत्री इस मामले में पूरी तरह निर्दोष हैं। उनके वकीलों का कहना है कि उन्हें सुकेश चंद्रशेखर की आपराधिक गतिविधियों की कोई जानकारी नहीं थी और वह खुद इस धोखाधड़ी का शिकार बनीं।

'पठानों से कहना, चौहान आ रहा है', अजय देवगन की नई फिल्म 'चौहान' का फर्स्ट लुक वीडियो जारी

मुंबई। अजय देवगन की आने वाली फिल्म 'चौहान' का फर्स्ट लुक वीडियो रिलीज होते के साथ इंटरनेट पर धमाल मचा रहा है। इस फिल्म में अभिनेता एक बार फिर अपने दमदार और सख्त अंदाज में नजर आने वाले हैं।

फर्स्ट लुक वीडियो की शुरुआत कश्मीर के विजुअल्स के साथ एक भारी बैकग्राउंड नैरेशन से होती है, जिसमें कहा जाता है-

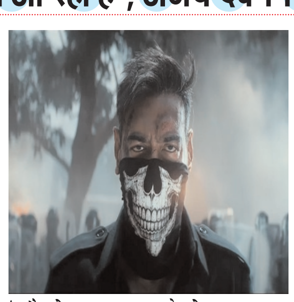

'चौराहे पर 300 लड़के थे जनाब, घर सिर्फ 270 पहुंचे... 30 कम हैं।' यह लाइन ही पूरे वीडियो का टोन सेट करती है और दर्शकों को एक गंभीर माहौल में ले जाती है। इसके तुरंत बाद अजय देवगन की आवाज सुनाई देती है, जिसमें वह कहते हैं- 'गलती हमारी नहीं थी, ऑर्डर्स ऊपर से आए थे, ईंट का जवाब पत्थर से, पर सामने वाला पत्थर ही उठा ले, तो जवाब क्या...' इस डायलॉग के साथ ही स्क्रीन पर युवाओं की भीड़, आगजनी, सैनिकों की तैनाती और उपद्रव के बीच पत्थरबाजी के कई शॉट्स तेजी से दिखाए जाते हैं।

वीडियो में आगे दिखाया जाता है कि स्थिति को काबू में करने के लिए सुरक्षाबलों की ओर से टियर गैस का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन मास्क पहने उपद्रवियों पर इसका कोई खास असर नहीं होता। इसके बाद पैलेट गन्स का उपयोग किया जाता है, लेकिन सीमित प्रभाव के कारण हालात फिर भी कंट्रोल में नहीं आते।

विदेश मंत्री जयशंकर ने दक्षिण कोरिया में जेजू फोरम में 'वसुधैव कुटुम्बकम' का लगाया नारा

विश्व केसरी

सोल। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर मंगोलिया और दक्षिण कोरिया के चार दिवसीय दौरे के आखिरी चरण में हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने गुरुवार को वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए ज्यादा अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने भारत की पुरानी सोच 'वसुधैव कुटुम्बकम (पूरा विश्व0 एक परिवार है)' को ज्यादा मिलकर काम करने वाली दुनिया बनाने के लिए एक गाइडिंग प्रिंसिपल बताया।

दक्षिण कोरिया में जेजू फोरम फॉर पीस एंड प्रॉस्पेरिटी 2026 को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्री ने कहा, 'विडंबना यह है कि जिन चुनौतियों का हम सामना कर रहे हैं, उन्होंने एकजुटता की आवश्यकता को और अधिक मजबूत किया है। चाहे कोविड जैसी महामारी हो, आतंकवाद की घटनाएं हों या फिर चरम जलवायु घटनाओं का प्रभाव, इन समस्याओं को राजनीतिक सीमाओं के भीतर सीमित नहीं किया जा सकता। अंतरराष्ट्रीय सहयोग अनिवार्य है।' उन्होंने आगे कहा, 'क्योंकि हमारी मुख्य पहचान और फैसले लेने की आदत असल में देश से जुड़ी है, इसलिए यह अपने आप नहीं होता। इसलिए दुनिया के प्रति खुलापन लाना जरूरी है। भारत में, हम इसे पारंपरिक रूप से 'वसुधैव कुटुम्बकम' के नाम से जानते हैं, दुनिया एक परिवार है। अभी हम जो ज्यादातर उथल-पुथल देख रहे हैं, वह उन समाजों के बारे में है जो इस विश्वास को चुनौती देते हैं। इंटरनेशनल सिस्टम के सामने आने

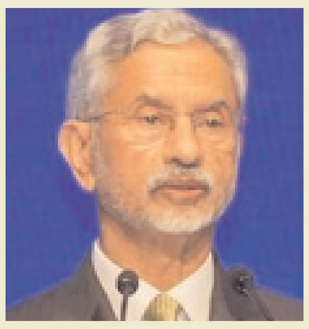

वाली चुनौतियों पर जोर देते हुए, विदेस मंत्री ने कहा कि दुनिया में हथियारों का इस्तेमाल बढ़ रहा है, रिस्क लेने की क्षमता बढ़ रही है और क्षमताओं का इस्तेमाल तेजी से हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन ट्रेंड्स का मुकाबला करने के लिए बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी होगा।

उन्होंने कहा, 'क्योंकि कुछ लोगों के हितों को खुले तौर पर प्राथमिकता दी जाती है, इसलिए बहुतों पर पड़ने वाले नुकसान के बारे में कम सोचा जाता है। इसका मुकाबला सिर्फ बड़े प्लेयर्स के साथ ज्यादा मुद्दों पर सहयोग करके ही किया जा सकता है। आखिर में, हम देखेंगे कि बहुध्रुवीयता सच में काम आती है या नहीं।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि तेजी से बंटती दुनिया में, सहयोग को पांच चरणों के जरिए फिर से शुरू करना होगा। सबसे पहले, उन्होंने 'अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को जोखिम से निकालने और प्रोडक्शन और सप्लाई चेन में विविधिकरण करने' की अपील की और इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक दबाव को कम करने के लिए लचीलापन और अतिरिक्तता जरूरी है। दूसरा, उन्होंने 'असरदार देशों के बीच नई समझ और करीबी संबंध बनाने' की वकालत की। विदेश मंत्री ने कहा कि ऐसी साझेदारी से ग्लोबल ऑर्डर को स्थिर करने और एजेंडा से संबंधित सहयोग के जरिए मुद्दों और समस्याओं को हल करने में मदद मिलेगी। तीसरा, उन्होंने 'छोटी सोच और टकराव की कीमत के बारे में जागरूकता' बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। इसके साथ ही यूएनसीएलओएस (समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन) को एक अच्छा उदाहरण बताते हुए, मिलकर अंतर्राष्ट्रीय कानून और व्यवस्थाओं की रक्षा करने और उन्हें बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। चौथी बात, उन्होंने ग्लोबल साउथ को ज्यादा क्षमता और मौके देकर 'एस्पिरेशन की ताकत को बढ़ावा देने' की जरूरत पर जोर दिया।

भारत ने इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों के लिए लॉन्च किया 'एयर सुविधा 2.0'

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्रालय ने दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) के सहयोग से गुरुवार को 'एयर सुविधा 2.0' लॉन्च किया। यह पूरी तरह से कॉन्टैक्टलेस (बिना संपर्क वाला) और उन्नत पैसेंजर हेल्थ सेल्फ-डिक्लेरेशन पोर्टल है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी को और मजबूत बनाना है।

यह कदम इबोला बीमारी के मौजूदा प्रकोप को देखते हुए उठाया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, यह नया प्लेटफॉर्म विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में इबोला/बुंडिबुग्यो वायरस बीमारी के प्रकोप को 17 मई को अंतरराष्ट्रीय चिंता की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति (पीएचईआईसी) घोषित किए जाने के बाद शुरू किया गया है।

यह घोषणा अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम (आईएचआर) 2005 के तहत की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा प्रकोप की पुष्टि बुंडिबुग्यो वायरस डिजीज (बीवीडी) के रूप में हुई है। डब्ल्यूएचओ के ताजा आकलन के अनुसार, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा से सटे देशों, जैसे दक्षिण सूडान, को भी संक्रमण फैलने के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में रखा गया है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के सहयोग से विकसित इस पोर्टल के माध्यम से भारत आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को एक अनिवार्य ऑनलाइन हेल्थ सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म भरना होगा।

इस फॉर्म में यात्रियों को पिछले 21 दिनों की यात्रा का विवरण, संभावित संपर्क या एक्सपोजर की जानकारी और यदि कोई लक्षण हों तो उसकी जानकारी देनी होगी। यह प्रक्रिया इमिग्रेशन क्लियरेंस से पहले पूरी करनी होगी। 'एयर सुविधा 2.0' को इस तरह तैयार किया गया है कि यात्रियों को सुविधाजनक और परेशानी-मुक्त अनुभव मिले, साथ ही स्वास्थ्य निगरानी भी प्रभावी तरीके से हो सके।

बलूचिस्तान में गर्ल्स स्कूल की स्थिति बदहाल, 200 से ज्यादा छात्राओं को पढ़ाते हैं 6-7 शिक्षक

विश्व केसरी

क्वेटा। पाकिस्तान के हुक्मरान बलूचिस्तान में बड़ों को ही उनके हक से महरूम नहीं रख रहे, बल्कि अगली पीढ़ी से अच्छी शिक्षा का अधिकार भी छीन रहे हैं। बलूचिस्तान के खुजदार जिले में लड़कियों के एक सरकारी स्कूल के हालात बेहद खराब हैं, जिसे लेकर बलूच लिटरेसी कैंपेन (बीएलसी) ने गंभीर चिंता जताई है। आरोप है कि जानबूझकर स्कूल में मूलभूत सुविधाएं मुहैया नहीं कराई जा रही हैं।

बीएलसी, बलूच स्टूडेंट्स एक्शन कमेटी (बीएसएसी) की एक पहल है, जिसने स्कूल में बुनियादी सुविधाओं और शिक्षकों की कमी को लेकर सवाल उठाए हैं। बीएलसी के अनुसार, खुजदार के ग्रेशाग क्षेत्र स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल सर्रेज में 200 से अधिक छात्राएं पढ़ती हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए केवल 6 से 7 शिक्षक ही उपलब्ध हैं। संगठन का कहना है, 'शिक्षकों की भारी कमी के कारण छात्राओं को विज्ञान, गणित और अंग्रेजी जैसे महत्वपूर्ण विषयों की पढ़ाई में परेशानी हो रही है।'

पाकिस्तान में पुलिस फायरिंग में मारी गई 9 साल की ऑस्ट्रेलियाई लड़की के दादा ने की न्याय की मांग

विश्व केसरी

कैनबरा। पाकिस्तान में पुलिस फायरिंग में मारी गई नौ साल की ऑस्ट्रेलियाई लड़की हानिया अहमद के दादा मजहर हुसैन चौहान ने न्याय की मांग की है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने पहले इस घटना की पारदर्शी तरीके से जांच की मांग की थी। ऑस्ट्रेलिया के एबीसी न्यूज ने मजहर हुसैन चौहान के हवाले से कहा, 'चाहे हमें उनकी (आस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज) वजह से इंसाफ मिले या पुलिस की वजह से, हमें बस इंसाफ चाहिए।'

चौहान ने पाकिस्तान में पुलिस की गोलीबारी के बारे में बताते हुए कहा कि पीड़ित परिवार को बंदूक की नोक पर लूटा गया था। हानिया अपने

परिवार के साथ ऑस्ट्रेलिया से पाकिस्तान स्थित अपने परिवार से मिलने आई थी। परिवार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में एक रिश्तेदार के घर डिनर पर गया था। चौहान ने कहा कि वह वापस लौट गए जबकि हानिया अपने परिवार के साथ रिश्तेदार के घर पर रुकी रही। चौहान ने कहा कि तीन घंटे बाद उन्हें एक कॉल आया जिसमें बताया गया कि उनके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है। चौहान ने कहा, 'मुझे गोलियों के बारे में कोई आइडिया नहीं था।' हॉस्पिटल जाने के बाद, उन्होंने अपनी पोती का शव देखा। एबीसी न्यूज ने उनके हवाले से कहा, 'मैंने अपनी पोती का शव स्ट्रेचर पर देखा और मेरा बेटा व पोता घायल थे। पुलिस और डॉक्टर अपना काम कर रहे थे।' यह घटना जो लूट से शुरू हुई और बाद में शूटआउट में बदल गई। दो लुटेरों ने हानिया के परिवार को उनके रिश्तेदार के घर के बाहर गनपॉइंट पर पकड़ लिया और उनसे ज्वेलरी मांगी। पाकिस्तान के क्राइम कंट्रोल डिपार्टमेंट (सीसीडी) ने दावा किया है कि लुटेरों ने घटनास्थल पर मौजूद एक ऑफिसर पर फायरिंग शुरू कर दी।

हालांकि हानिया के पिता अहमद ने कहा कि पुलिस ने सबसे पहले फायरिंग की। जब परिवार इस अफरातफरी से दूर जाने की कोशिश कर रहा था, तो एक पुलिस अधिकारी ने उनकी कार पर गोलियां चलानी जारी रखीं, यह सोचकर कि कार के अंदर लुटेरे हैं, जिससे हानिया की जान चली गई जबकि उसके भाई और पिता घायल हो गए।

भारत ने बच्चों और स्कूलों पर बढ़ते हमलों को 'मानवता का घातक फैसला'

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में बच्चों और हथियारों से जुड़े संघर्ष में स्कूलों और बच्चों को निशाना बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। भारत ने संघर्ष वाले इलाकों में फंसे बच्चों की बुरी हालत को इंसानियत की सामूहिक नाकामी का एक भयानक फैसला बताया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार (लोकल टाइम) को बच्चों और हथियारों से जुड़े संघर्षों पर बहस हुई, जिसमें भारत ने हिस्सा लिया। यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिध पी. हरीश ने कहा, 'जवाबदेही के बिना (बच्चों और स्कूलों की) सुरक्षा अधूरी है। जो लोग बिना किसी सजा के स्कूलों और बच्चों को निशाना बनाते हैं, उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि बच्चों और हथियारों से जुड़ी लड़ाई को लेकर महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की रिपोर्ट से पता चला है कि एक ही साल (2025) में स्कूलों पर हमले 44 फीसदी तक बढ़ गए हैं।'

उन्होंने बताया, 'दुनिया भर में लगभग 473 मिलियन बच्चे, छह में से एक से ज्यादा, संघर्ष वाले इलाकों में रहते हैं या वहां से भाग रहे हैं और उनमें से 85 मिलियन से ज्यादा बच्चों को बिल्कुल भी शिक्षा नहीं मिल पा रही है।'

अवामी लीग यूथ विंग के नेता की हिरासत में मौत के बाद मचा बवाल

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में अवामी लीग के सदस्यों की हिरासत में मौत को लेकर चिंता लगातार बढ़ रही है। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार इससे संबंधित ताजा मामले में अवामी लीग की यूथ विंग, जुबो लीग के एक नेता की चटगांव सेंट्रल जेल में मौत हो गई।

जेल अधिकारियों के अनुसार, मृतक नूरुल आलम बुधवार को चटगांव सेंट्रल जेल में बीमार पड़ गए थे। इसके बाद उन्हें चटगांव मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बांग्लादेशी अखबार प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, नूरुल को 23 जून को सतकानिया पुलिस स्टेशन में 2024 में एक्सप्लोसिव सब्सटेंस एक्ट के तहत दर्ज एक केस के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। यह नई घटना कुछ ही दिनों बाद

हुई जब एक और अवामी लीग के कार्यकर्ता की पुलिस कस्टडी में टॉर्चर के बाद मौत हो गई, जिससे देश में कस्टडी में होने वाली मौतों को लेकर बहुत ज्यादा आलोचना हुई और चिंताएं फिर से बढ़ गईं। नूरुल की मौत की निंदा करते हुए, अवामी लीग ने सत्ताधारी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार पर जेलों को 'मौत के जाल' में बदलने का आरोप लगाया और इसकी तुलना पूर्व राष्ट्रपति और बीएनपी के फाउंडर जियाउर रहमान के शासन के दौरान के हालात से की। अवामी लीग ने कहा, 'जेल किसी इंसान की आखिरी मंजिल नहीं होती। जब कोई ठीक-ठाक इंसान, जिसे सरकारी कस्टडी में लिया गया हो, कुछ ही समय में मरकर वापस आता है, तो लोगों का यह सवाल करना आम बात है कि क्या यह हत्या थी।

होर्मुज शुल्क विवाद पर बोले रूबियो 'टोल या फीस सिर्फ शब्दों का खेल'

विश्व केसरी

मनामा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क लेने के ईरान के रुख को लेकर विवाद 'सिर्फ शब्दों का खेल' है।

बहरीन दौरे के दौरान रूबियो ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा, 'आप इसे टोल कह सकते हैं, आप इसे शुल्क कह सकते हैं, लेकिन आखिरकार यह सिर्फ शब्दों का खेल है।' उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका यह स्वीकार नहीं करेगा कि होर्मुज किसी एक राष्ट्र-राज्य का हिस्सा हो। रूबियो ने कहा, 'हम ईरान के साथ एक समझौता चाहते हैं, लेकिन किसी भी कीमत पर समझौता नहीं चाहते।'

स्पष्ट हो गया है कि होर्मुज को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है और आईआरजीसी ने बिना इजाजत सुझाए गए रास्ते से इतर कोई और रास्ता अपनाने के खिलाफ सख्त चेतावनी भी जारी कर दी है। जब

वह होर्मुज की बात कर रहे हैं, तो उनका कहना है कि इस स्ट्रेट की मौजूदा स्थिति (स्टेटस को) में कोई बदलाव नहीं होगा। ईरान लगातार कहता रहा है कि अब एक नई समुद्री व्यवस्था लागू हो गई है और वह इस महत्वपूर्ण क्षेत्र पर अपना नियंत्रण और संप्रभुता बढ़ाएगा। अगर इसके बावजूद कोई अंतिम समझौता होता है, तो ईरान शुल्क लेने की कोशिश कर सकता है। ईरान इसे अब 'सर्विस फीस' कह रहा है। पहले वह स्पष्ट रूप से इसे टोल फीस बता रहा था, लेकिन अब उसका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत टोल फीस लेना प्रतिबंधित है।

कनाडाई उच्चायुक्त की भारत के वाणिज्य सचिव से मुलाकात, द्विपक्षीय व्यापारिक साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कनाडा के उच्चायुक्त कूटर और भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कनाडा-भारत व्यापारिक साझेदारी को और मजबूत करने के नए तरीकों पर चर्चा की। गुरुवार को नई दिल्ली स्थित कनाडा के उच्चायोग ने इसकी जानकारी दी।

बुधवार को हुई इस मुलाकात के मुख्य बिंदु का उल्लेख करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया गया कि इस बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और साझा समृद्धि को बढ़ावा देना है। साथ ही उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की दिशा में आगे बढ़ने के साथ आने वाले समय में और प्रगति होगी।

बुधवार को भारत के वाणिज्य विभाग ने सचिव अग्रवाल संग हुई बैठक का जिक्र किया था। एक्स पर बताया कि अग्रवाल ने भारत में कनाडा के उच्चायुक्त क्रिस्टोफर

कूटर से मुलाकात की। इस बैठक में भारत-कनाडा आर्थिक सहयोग को मजबूत करने, व्यापार और निवेश संबंधों को और गहरा करने तथा जारी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) वार्ता को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। वाणिज्य सचिव ने दोनों पक्षों के प्रयासों की सराहना की और मई में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की कनाडा यात्रा के सकारात्मक परिणामों का उल्लेख किया। इस यात्रा में अब तक के सबसे बड़े उच्चस्तरीय भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया था। इसमें बताया गया कि नई गति के साथ भारत और कनाडा अपनी आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। दोनों देशों का साझा लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है। हाल ही में पीएम मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री के बीच मुलाकात हुई थी। फ्रांस के एवियन में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में हुई अच्छी प्रगति की समीक्षा की और व्यापार, ऊर्जा, नवाचार, शिक्षा तथा लोगों के बीच संपर्क को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

ल्हासा-न्यिंगची रेलवे के 5 साल पूरे शीत्सांग के विकास को मिली नई रफ्तार

विश्व केसरी

बीजिंग। चीन रेलवे समूह के अनुसार, गुरुवार को ल्हासा-न्यिंगची रेलवे के संचालन के पांच वर्ष पूरे हो गए। वहीं, 1 जुलाई को छिंगहाई-शित्सांग रेलवे के पूर्ण रूप से संचालित होने के 20 वर्ष भी पूरे होने जा रहे हैं।

शीत्सांग की पहली विद्युतीकृत रेलवे के रूप में ल्हासा-न्यिंगची रेलवे की कुल लंबाई 435.48 किलोमीटर है। यह पश्चिम में ल्हासा से पूर्व में न्यिंगची तक फैली हुई है और इसकी डिजाइन गति 160 किमी प्रति घंटा है। रेलवे लाइन का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा समुद्र तल से 3,000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यह मार्ग यारलुंग त्सांगपो नदी को 16 बार पार करता है और इसमें पुलों तथा सुरंगों

का अनुपात 75 प्रतिशत है। 25 जून 2021 को शुरू हुई इस रेलवे ने शीत्सांग के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में रेल संपर्क की कमी को समाप्त कर दिया। ल्हासा, शान्नान और न्यिंगची इस रेलवे मार्ग के प्रमुख शहर हैं, जिन्हें 'पांच शहर, तीन घंटे का आर्थिक दायरा' कहा जाता है। इस रेलवे के जरिए ल्हासा से न्यिंगची तक की सबसे तेज यात्रा अब केवल 3 घंटे 49 मिनट में पूरी की जा सकती है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में ल्हासा-न्यिंगची रेलवे ने 62.5 लाख से अधिक यात्रियों और 20 लाख टन से ज्यादा माल का परिवहन किया है।

चीन की बिजली उत्पादन क्षमता 4 अरब किलोवाट के पार

विश्व केसरी

बीजिंग। चीनी राष्ट्रीय ऊर्जा प्रशासन ने गुरुवार को बताया कि मई 2026 के अंत तक चीन की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता बढ़कर 4.01 अरब किलोवाट पहुंच गई है। इस उपलब्धि के साथ चीन दुनिया में पहले स्थान पर बना हुआ है।

चीन दक्षिणी विद्युत वितरण एवं नियंत्रण केंद्र के निदेशक तेंग वेइसी ने कहा कि 4 अरब किलोवाट का आंकड़ा ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उनके अनुसार, यह क्षमता अमेरिका, यूरोपीय संघ, भारत, जापान और रूस की कुल स्थापित बिजली क्षमता से भी अधिक है, जो वैश्विक विद्युत क्षेत्र में चीन की अग्रणी स्थिति को दर्शाती है। बिजली उत्पादन क्षमता के ढांचे में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला है। चीन के

हरित ऊर्जा परिवर्तन ने उल्लेखनीय प्रगति की है और गैर-जीवाश्म ऊर्जा अब नई स्थापित क्षमता का प्रमुख स्रोत बन चुकी है। वर्ष 2010 में कोयला आधारित बिजली उत्पादन क्षमता का हिस्सा 61 प्रतिशत था, जो मई 2026 तक घटकर 32 प्रतिशत रह गया। वहीं, गैर-जीवाश्म ऊर्जा की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से बढ़कर 62 प्रतिशत और नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से बढ़कर 61 प्रतिशत हो गई है।

बड़े पैमाने पर उपलब्ध और कम लागत वाली हरित बिजली ने औद्योगिक उन्नयन, लोगों की बिजली जरूरतों की पूर्ति और उभरते उद्योगों के विकास के लिए मजबूत आधार तैयार किया है।

चीन विद्युत उद्योग संघ के कार्यकारी उपाध्यक्ष यांग खुन ने कहा कि 4 अरब किलोवाट का आंकड़ा केवल बिजली उत्पादन क्षमता में वृद्धि का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह चीन की ऊर्जा सुरक्षा, हरित एवं निम्न-कार्बन विकास तथा तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में हुई प्रगति का भी स्पष्ट प्रमाण है।

भारतीय सेना का एयर डिफेंस सिस्टम होगा मजबूत 2100 से ज्यादा अग्निवीर तैनाती को तैयार

विश्व केसरी

गोपालपुर। भारतीय सेना के एयर डिफेंस सिस्टम को और मज़बूत करने के लिए गोपालपुर के आर्मी एयर डिफेंस सेंटर में ट्रेनिंग लेने वाले आठवें बैच के 2130 अग्निवीर इस हफ्ते देश भर की अलग-अलग आर्मी एयर डिफेंस यूनिट्स में शामिल होने जा रहे हैं।

अग्निवीरों ने अपनी कड़ी ट्रेनिंग पूरी कर ली है और पिछले शनिवार को आर्मी एयर डिफेंस सेंटर में हुई पासिंग आउट परेड के दौरान 'अंतिम पग' (आखिरी कदम) पूरा किया। परेड का निरीक्षण आर्मी एयर डिफेंस सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर हेमंत सिंह ने किया।

ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी करने पर अग्निवीरों को बधाई देते हुए, ब्रिगेडियर हेमंत सिंह ने कहा कि उनका सफ़र युवा रंगरूटों के आत्मविश्वास से भरे, अनुशासित और युद्ध के लिए तैयार सैनिकों में बदलने को दर्शाता है, जो सेंटर के आदर्श वाक्य 'रॉ टू रेज़र' (कच्चे से धारदार हथियार तक) के अनुरूप है। परेड में एक शानदार ड्रिल का प्रदर्शन किया गया, जिसमें सेंटर में सिखाए गए अनुशासन, शारीरिक तालमेल और सैन्य तौर-तरीकों के उच्च मानकों को दिखाया गया।

इस समारोह की एक खास बात अग्निवीरों के गर्वित माता-पिता की मौजूदगी थी, जिन्होंने अपने बच्चों के जीवन के इस अहम पड़ाव को देखा। उनके सहयोग, प्रोत्साहन और त्याग को देखते हुए, माता-पिता को सम्मान और आभार के प्रतीक के तौर पर 'गौरव पदक' भेंट किया गया।

समीक्षा अधिकारी ने अग्निवीरों से कहा कि वे अपनी सर्विस के दौरान और उसके बाद भी जीवन के हर क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने की कोशिश करते रहें। उन्होंने आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप पर भी ज़ोर दिया और कहा कि सैनिकों की नई पीढ़ी को तकनीकी रूप से कुशल होना होगा और स्वार्म ड्रोन, नेटवर्क-सेंट्रिक वॉरफेयर प्लेटफॉर्म और नई एयर डिफेंस टेक्नोलॉजी जैसे एडवांस्ड सिस्टम को चलाने के लिए तैयार रहना होगा।

जैसे-जैसे अग्निवीर अपनी-अपनी यूनिट्स में जाएंगे, उनके शामिल होने से आर्मी एयर डिफेंस विंग को युवा, प्रशिक्षित और प्रेरित मैनपावर मिलेगी। वहीं, पासिंग आउट परेड ने आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुशासित, कुशल और तकनीकी रूप से तैयार सैनिकों को तैयार करने के भारतीय सेना के संकल्प को फिर से दोहराया।

पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने पर गौरव गोगोई ने उठाए सवाल

विश्व केसरी

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न माने जाने के मुद्दे पर केंद्र सरकार से सवाल पूछते हुए इस विषय पर स्पष्ट स्थिति बताने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा जारी किया जाने वाला पासपोर्ट केवल एक सामान्य दस्तावेज नहीं, बल्कि ऐसा आधिकारिक दस्तावेज है जिसे दुनिया भर की सरकारें मान्यता देती हैं और गंभीरता से स्वीकार करती हैं।

गोगोई ने कहा कि यदि विदेश मंत्रालय यह कहता है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि क्या भारत सरकार गैर-नागरिकों को भी भारतीय पासपोर्ट जारी करती है। उन्होंने पूछा कि आखिर पासपोर्ट किसे दिया जाता है? पासपोर्ट तो भारत सरकार ही जारी करती है और सामान्य परिस्थितियों में यह उसी व्यक्ति को दिया जाता है जो भारत का नागरिक हो। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यदि पासपोर्ट को भी नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जाएगा, तो फिर यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि नागरिकता का प्रमाण आखिर क्या है। उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों के मन में इस विषय को लेकर भ्रम पैदा हो रहा है और सरकार को इसे दूर करना चाहिए।

असम से आने वाले गोगोई ने एनआरसी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को लेकर जो राजनीति और प्रक्रियाएं चली हैं, उन्हें राज्य के लोगों ने बहुत करीब से देखा है। ऐसे में यह आशंका स्वाभाविक है कि कहीं सरकार किसी दूसरी प्रक्रिया के माध्यम से एनआरसी जैसी व्यवस्था लागू करने की कोशिश तो नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक-एक कर विभिन्न दस्तावेजों को नागरिकता के प्रमाण के रूप में कमजोर बताने का प्रयास कर रही है। गोगोई के अनुसार, वोटर आईडी, पैन कार्ड, आधार कार्ड और अब पासपोर्ट को लेकर भी यह कहा जा रहा है कि ये नागरिकता के अंतिम प्रमाण नहीं हैं।

गौरव गोगोई ने सवाल किया कि क्या भारत का पासपोर्ट चीन, श्रीलंका या किसी अन्य विदेशी देश के नागरिकों को जारी किया जाता है? यदि ऐसा नहीं है, तो फिर यह कहना कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, किस आधार पर कहा जा रहा है?

संक्षिप्त खबर

सीलमपुर में 17 वर्षीय युवक की हत्या का मामला सुलझा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली के सीलमपुर इलाके में 17 वर्षीय युवक की हत्या के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। थाना सीलमपुर और उत्तर-पूर्वी जिले की स्पेशल स्टाफ टीमों ने संयुक्त कार्रवाई में हत्या में शामिल दो किशोर आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू और मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 24 जून को रात करीब 9 बजे थाना सीलमपुर को गौतमपुरी की गली नंबर-4 में चाकूबाजी की घटना की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल युवक को उसका चचेरा भाई इलाज के लिए जेपीसी अस्पताल ले गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गौतमपुरी निवासी 17 वर्षीय लकी कुमार पुत्र रमेश के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम ने मौके का निरीक्षण किया और महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। इसके आधार पर थाना सीलमपुर में एफआईआर संख्या 247/2026 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की जांच के लिए थाना सीलमपुर के एसएचओ इंस्पेक्टर नरपाल सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई, जिसमें एसआई सुधांशु, हेड कांस्टेबल नवनीश, हेड कांस्टेबल मनीष फौजदार, कांस्टेबल विपिन और कांस्टेबल सचिन शामिल थे। यह टीम एसीपी सीलमपुर मल्कियत सिंह की निगरानी में कार्य कर रही थी।

मंदसौर में ट्रक के पीछे जा घुसी कार, चार की मौत, दो घायल

विश्व केसरी

मंदसौर, 25 जून (आईएएनएस)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां पर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर एक कार ट्रक के पीछे जा घुसी। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है, वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के औरंगाबाद निवासी कार से दिल्ली की ओर जा रहे थे। कार में छह लोग सवार थे। इसी दौरान मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग वाहन के अंदर ही फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद करीब एक घंटे तक सभी लोग कार में फंसे रहे। आसपास से गुजर रहे राहगीरों और अन्य वाहन चालकों ने रुककर राहत कार्य शुरू किया तथा काफी मशक्कत के बाद घायलों और मृतकों को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से सभी को सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो घायलों का उपचार जारी है। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

4 लापता लोगों की तलाश जारी, असम ने निचले इलाकों पर असर को लेकर जारी किया हाई अलर्ट

विश्व केसरी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के केयी पैन्योर जिले में अचानक आई भयानक बाढ़ में लापता चार लोगों की तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि रेस्क्यू टीमों का गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी तलाशी अभियान अभियान जारी रहा। इसी बीच, पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद असम सरकार ने हाईअलर्ट जारी किया है।

अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार से लगातार हो रही बारिश के कारण केयी पैन्योर जिले के यजाली सर्कल क्षेत्र में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे पूसा के पास नीपको प्रोजेक्ट कॉलोनी इसकी चपेट में आई। अचानक बाढ़ के कारण लगभग 20 घर और रिहायशी इकाइयां क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि लगातार भारी बारिश के कारण निर्माणाधीन रिटेनिंग वॉल (दीवार) ढह गई, जिससे कॉलोनी और उसके आसपास के निचले रिहायशी इलाकों में भारी जलभराव हो गया था।

शुरुआत में पांच लोगों के लापता होने की सूचना थी। तलाशी अभियान के दौरान बचाव दल ने बुधवार दोपहर एक का शव बरामद किया। उनकी पहचान विवेकानंद केंद्र विद्यालय (वीकेवी) की टीचर निर्मला गुप्ता के रूप में हुई। हालांकि, अन्य चार लोगों का कोई सुराग नहीं मिला। लापता लोगों में एलेश मारक (13), बलारी मारक (30), ताओ अंजीना (46) और सौरव कुमार (48) शामिल हैं।

इस आपदा में कम से कम 20 लोग घायल हुए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रभावित इलाके में सामान से लदे कुछ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं, हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में बिजली उत्पादन अस्थायी रूप से रोक दिया गया। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने संवेदनशील जगहों और नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी है।

केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को जिले में बाढ़ और भूस्खलन से हुई जान-माल की हानि पर दुख व्यक्त किया। अरुणाचल प्रदेश से लोकसभा सांसद ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर कहा, 'अरुणाचल प्रदेश के केयी पैन्योर जिले में बाढ़ और भूस्खलन से हुई जान-माल की हानि और तबाही से बहुत दुख हुआ है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

कर्नाटक भाजपा ने राज्य निर्वाचन आयोग पर साधा निशाना, समानांतर मतदाता पुनरीक्षण पर शिकायत

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक भाजपा ने गुरुवार को राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए उस पर समानांतर, अनधिकृत और परस्पर विरोधी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया चलाने का आरोप लगाया। पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी. अंबु कुमार से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

भाजपा के प्रतिनिधिमंडल में विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवादी नारायणस्वामी, प्रदेश प्रवक्ता प्रकाश शेषराघवाचार, भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक वसंत कुमार, बेंगलुरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश और बेंगलुरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरि गौड़ा शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने बेंगलुरु के के.आर. सर्किल स्थित निर्वाचन आयोग कार्यालय पहुंचकर शिकायत सौंपी। शिकायत सौंपने के बाद मीडिया से बातचीत में चलवादी नारायणस्वामी ने कहा कि निर्वाचन आयोग (ईसीआई) पहले से ही मतदाता सूची में दर्ज दोहरे नामों की पहचान कर उन्हें हटाने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया चला रहा है। उन्होंने कहा, 'यदि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में एक से अधिक बार दर्ज है तो उन प्रविष्टियों की पहचान कर उन्हें हटाया जाएगा।

टीआरबी भर्ती घोटाले में ईडी का एक्शन तमिलनाडु के 21 ठिकानों पर छापेमारी

विश्व केसरी

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के चेन्नई स्थित जोनल ऑफिस ने चेन्नई, मदुरै, त्रिची और कोयंबटूर में 21 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002' के तहत की गई। यह मामला 2017 में टीचर्स रिक्रूटमेंट बोर्ड (टीआरबी) द्वारा सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेजों में लेक्चरर भर्ती परीक्षा के दौरान ओएमआर शीट में छेड़छाड़ से जुड़ा है।

ईडी ने तमिलनाडु पुलिस द्वारा 2017 में दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि टीआरबी में परीक्षा के बाद स्कैनिंग के दौरान आरोपियों ने स्कैन की गई तस्वीरों में डिजिटल रूप से बदलाव किया और फाइनल आंसर की के मुकाबले कुछ चुने हुए उम्मीदवारों के नंबर बढ़ा दिए।

आरोपियों ने उन्हीं चुने हुए उम्मीदवारों के नाम वाली 385 अतिरिक्त सेकेंडरी ओएमआर शीट का इंतजाम किया था। इसके परिणाम स्वरुप 262 अयोग्य उम्मीदवारों को धोखाधड़ी से पॉलिटेक्निक लेक्चरर के पद के लिए योग्य दिखाया गया। बाद में सार्वजनिक याचिकाओं के जरिए इस हेरफेर का पता चला, जिसके बाद दोबारा मूल्यांकन हुआ, नतीजा वापस लिया गया और मामला दर्ज किया गया। इस मामले में तमिलनाडु पुलिस ने पहली चार्जशीट 2021 में और दूसरी चार्जशीट अक्टूबर 2023 में दाखिल की थी। ईडी की जांच से पता चला कि वी सुब्रमण्यम और उनके सहयोगी सुरेश पॉल की अगुवाई में आरोपियों ने डेटाटेक के टेक्निकल स्टाफ (शेख दाऊद नासर और आई रघुपति) की मदद से 2017 में परीक्षा प्रक्रिया में छेड़छाड़ की साजिश रची थी। एजेंटों और बिचौलियों के नेटवर्क के जरिए उन्होंने इच्छुक उम्मीदवारों को निशाना बनाया और नकद में 14-16 लाख रुपए जमा किए।

इस तरह जमा किए गए नकद को 'म्यूल अकाउंट्स' और प्रॉक्सी फर्मों (ट्रस्ट एंटरप्राइजेज, विजडम एंटरप्राइजेज और सूर्यम एंटरप्राइजेज) और सहयोगियों व परिवार के सदस्यों के खातों के जरिए घुमाया गया और बाद में अचल संपत्ति और गहनों में बदल दिया गया। ईडी की तलाशी का मकसद इस घोटाले से जुड़ी 'अपराध से हुई कमाई' का पता लगाना था।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के तेज होने के कारण 28 जून से तमिलनाडु में भारी बारिश की संभावना

विश्व केसरी

चेन्नई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों में पूरे तमिलनाडु में व्यापक बारिश का अनुमान लगाया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय रहने के कारण 28 जून से एक दर्जन से ज्यादा जिलो में भारी बारिश होने की संभावना है।

चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के अनुसार, पश्चिमी हवाओं की गति में बदलाव के कारण गुरुवार को राज्य के कई हिस्सों में मध्यम बारिश के साथ-साथ आंधी और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिमी घाट के जिलों और तटीय तमिलनाडु में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है और बारिश के साथ तेज हवाएं भी चल सकती हैं। अनुमान है कि अगले दो दिनों तक दक्षिणी तमिलनाडु, पश्चिमी घाट क्षेत्र और उत्तरी अंदरूनी जिलों के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि मौजूदा मानसून की स्थिति राज्य के बड़े हिस्सों में लगातार बारिश के लिए अनुकूल है। रविवार, 28 जून से नीलगिरी, कोयंबटूर, तिरुप्पुर, थेनी, डिंडीगुल, तेनकासी, विरुधुनगर, तिरुनेलवेली, कन्नियाकुमारी, तिरुवल्लूर, रानीपेट, वेल्लोर, कांचीपुरम और तिरुवन्नामलाई सहित कई जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है। अधिकारियों ने जोखिम वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव हो सकता है और स्थानीय स्तर पर कामकाज में रुकावट आ सकती है। आईएमडी ने चेन्नई के लिए गुरुवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान लगाया है। साथ ही, शाम और रात के समय शहर और उसके आसपास के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ आंधी और बिजली गिरने की भी संभावना है।

'फर्जी वीडियो से मुझे धार्मिक तौर पर बदनाम करने की कोशिश'

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कथित तौर पर गुरु साहिबानों की बेअदबी से जुड़े मामले में वायरल वीडियो पर सफाई दी है। भगवंत मान ने वायरल वीडियो को फर्जी करार दिया और कहा कि उन्हें धार्मिक तौर पर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'राजनीतिक तौर पर वे (विपक्षी दल) मुकाबला नहीं कर सकते हैं, क्योंकि वे जमीनी स्तर पर शून्य हो चुके हैं। इस कारण वे हर रोज कोई न कोई आदेश जारी कराते हैं, ताकि मुझे धार्मिक तौर पर बदनाम किया जा सके।'

उन्होंने कहा, 'पंजाब के लोगों के लिए जिस तरह सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक तौर पर इस सरकार ने काम किए हैं, वो पिछली किसी भी सरकार ने नहीं किए। चाहे वह बेअदबी का कानून हो, चाहे वह धार्मिक ग्रंथों के वाहनों पर टैक्स माफी हो, चाहे श्री आनंदपुर साहब में पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र हो या चाहे वह तीन पवित्र शहरों का दर्जा हो, इन चीजों का मुकाबला विपक्ष नहीं कर सकता है, इसी कारण सभी राजनीतिक दल मिलकर मेरे पीछे पड़े हैं।'

भगवंत मान ने कहा, 'विपक्ष की कोशिश है कि वे मेरी फर्जी वीडियो लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं, ताकि लोग मुझसे नफरत करने लगें, मगर यह संभव नहीं है।'

अपने खिलाफ सामाजिक बहिष्कार वाले बोर्ड को लेकर मुख्यमंत्री मान ने कहा, 'एसजीपीसी के आदेश को सर्वोच्च मानते हुए मैं पूछना चाहता हूं कि इस तरह के बोर्ड सुखबीर सिंह बादल के क्यों नहीं लगे थे।

अमरनाथ यात्रा के लिए हाईटेक निगरानी व्यवस्था अनंतनाग पुलिस ने शुरू किया 'प्रोजेक्ट हॉक आई'

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले की पुलिस ने गुरुवार को बताया कि आगामी अमरनाथ यात्रा-2026 के लिए 'प्रोजेक्ट हॉक आई' नाम से एक बड़ी टेक्नोलॉजी आधारित सुरक्षा व्यवस्था लागू की है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह प्रोजेक्ट एक व्यापक निगरानी पहल है जिसमें हवाई निगरानी, एडवांस्ड फेशियल रिकग्निशन सिस्टम, स्नाइपर की तैनाती और सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे शामिल हैं।

अधिकारियों ने कहा, 'इसका मकसद यात्रा के पूरे रास्ते पर आसमान से लेकर जमीन तक चौबीसों घंटे निगरानी और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करना है।' इस पहल के तहत, अनंतनाग पुलिस ने एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और रणनीतिक रूप से जवानों की तैनाती को मिलाकर एक मल्टी-लेयर सुरक्षा और निगरानी ग्रिड बनाया है। हवाई निगरानी के लिए, अहम जगहों पर पांच ड्रोन तैनात किए जा रहे हैं, जो रियल-टाइम मॉनिटरिंग और हालात की बेहतर जानकारी देते हैं। हवाई निगरानी नेटवर्क किसी भी उभरते हालात का तुरंत आकलन करने और जमीनी यूनिट्स द्वारा तुरंत कार्रवाई करने में मदद करता है। जमीन पर, निगरानी की क्षमता को मज़बूत करने और इलाके पर बेहतर पकड़ बनाने के लिए संवेदनशील जगहों पर रणनीतिक रूप से 28 'मचान मोर्चे' (निगरानी चौकियां) बनाए गए हैं।

सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने और प्रभावी कार्रवाई की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए तय जगहों पर 22 खास तौर पर ट्रेंड स्नाइपर टीमें भी तैनात की गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि निगरानी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए यात्रा मार्ग की अहम जगहों पर 416 हाई-रिज़ॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरे और फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) इंफ्रास्ट्रक्चर लगाए गए हैं। ये सिस्टम लगातार रियल-टाइम मॉनिटरिंग करते हैं और संदिग्ध गतिविधियों या हरकतों की समय पर पहचान करने में मदद करते हैं, जिससे सुरक्षा के एहतियाती उपाय मजबूत होते हैं।

भारत अपने मजबूत टैलेंट पूल के जरिए एआई केंद्रित इनोवेशन का करेगा नेतृत्व : एक्सपर्ट्स

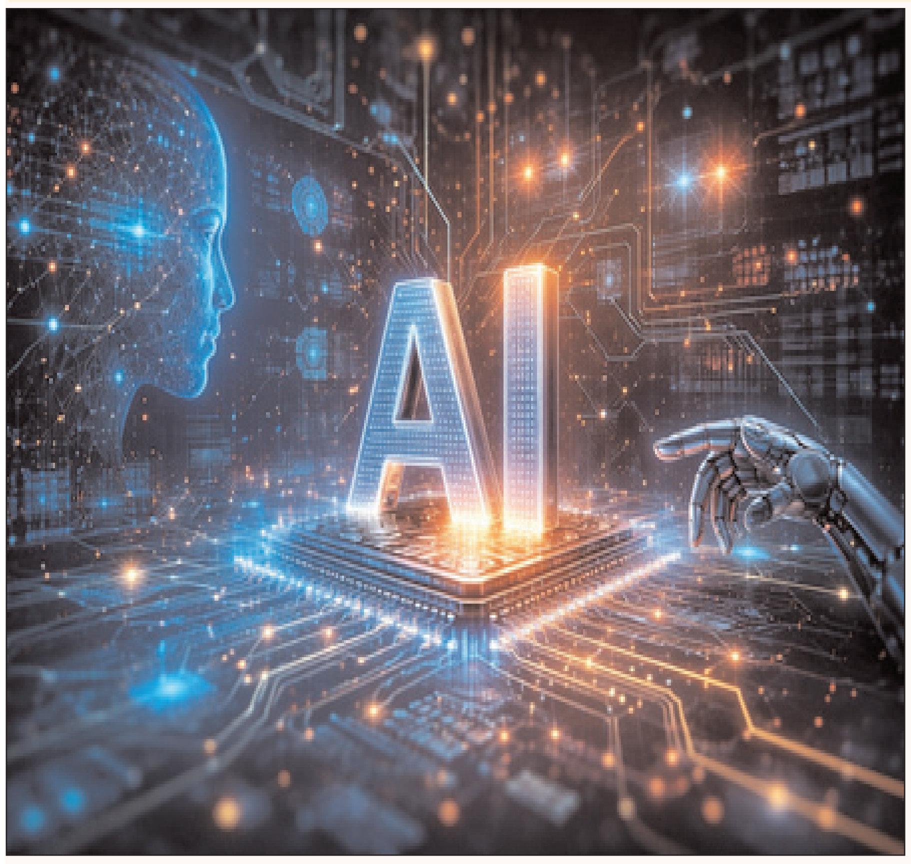

विश्व केसरी

डालियान (चीन)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक ताकत के रूप में उभर रहा है और दुनिया की चुनौतियों जैसे सस्टेनेबल शहर बनाने और वैज्ञानिक खोज को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगा। साथ ही, भारत में मौजूद युवाओं का विशाल टैलेंट पूल इसे वैश्विक एआई इकोसिस्टम में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार करता है। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से गुरुवार को दी गई।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की 'एनुअल मीटिंग ऑफ द न्यू चैंपियंस' (समर दावोस) के दौरान आईएएनएस से बात करते हुए, 'इंट्यूटिव एआई' के सह-संस्थापक विवेक व्यास ने बताया कि उनकी कंपनी ने एआई-पावर्ड वेस्ट मैनेजमेंट सॉल्यूशन तैयार किए हैं। इनका मकसद शहरों को साफ-सुथरा और ज्यादा सस्टेनेबल बनाना है।

कनाडा की यह कंपनी पर्यावरण के लिहाज से जिम्मेदार तरीके से कचरे को प्रोसेस करने और उसे ठिकाने लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करती है। व्यास के मुताबिक, कंपनी का एआई-केंद्रित स्मार्ट वेस्ट मैनेजमेंट प्रोडक्ट एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, शॉपिंग मॉल और अधिक भीड़-भाड़ वाली जगहों पर लगाने के लिए डिजाइन किया गया है।

व्यास ने आईएएनएस से कहा कि भारत एक बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था है और काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। युवा, स्किल्ड और इंटेलिजेंट वर्कफोर्स देश की सबसे बड़ी मजबूती है।

इसके अतिरिक्त, रिसर्च और इनोवेशन में एआई की बदलाव लाने वाली क्षमता का जिक्र करते हुए, एटिनरी टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक और सीईओ डॉ. हरमन ट्राइबुकैट ने कहा कि यह टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को रिसर्च और डेवलपमेंट (आरएंडडी) की रफ्तार बढ़ाने और ज्यादा कुशलता से समाधान खोजने में मदद कर रही है।

ट्राइबुकैट ने मीडिया को बताया, 'एआई, आरएंडडी की रफ्तार बढ़ाकर और वैज्ञानिकों को तेजी से समाधान खोजने में मदद करके वैज्ञानिक रिसर्च में बदलाव ला रहा है।'

उन्होंने कहा कि तेजी से होने वाला वैज्ञानिक इनोवेशन, दवा, साफ-सुथरी ऊर्जा और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने वाले अन्य क्षेत्रों में बड़ी कामयाबी दिला सकता है।

ट्रिबुकैट के अनुसार, साइंस और एआई का विकास इस तरह होना चाहिए जिससे मानवता को फायदा हो।

एटिनरी टेक्नोलॉजीज के सीईओ ने भारत के बढ़ते इनोवेशन इकोसिस्टम की भी तारीफ की और कहा कि देश में टैलेंटेड इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और युवा इनोवेटर्स का एक बड़ा समूह मौजूद है।

ट्रिबुकैट ने आगे कहा, 'एआई-आधारित रिसर्च में सही निवेश के साथ, भारत वैश्विक वैज्ञानिक प्रगति में अहम योगदान दे सकता है।'

23 जून को शुरू हुआ समर दावोस गुरुवार को खत्म होगा। तीन दिन तक चले इस सम्मेलन में 'इनोवेटिंग एट स्केल' (बड़े पैमाने पर इनोवेशन) थीम के तहत वैश्विक अर्थव्यवस्था और इनोवेशन पर चर्चा करने के लिए 1,700 से अधिक लीडर्स एक साथ आए।

अमेरिकी सीनेटरों ने पेमेंट सुधार पर बहस में भारत के यूपीआई मॉडल का किया जिक्र

वाशिंगटन। अमेरिका के पेमेंट सिस्टम के भविष्य को लेकर चर्चा कर रहे वहां के सांसदों ने भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को एक उदाहरण बताया कि कैसे मॉडर्न पब्लिक पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट सेक्टर के इनोवेशन को बढ़ावा दे सकता है। फिनटेक कंपनियों ने कांग्रेस से अमेरिका के पेमेंट नेटवर्क तक पहुंच को कंट्रोल करने वाले नियमों में बड़े बदलाव करने की अपील की।

हाउस फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी की फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स पर स्थानीय समयानुसार बुधवार को सब-कमेटी की सुनवाई के दौरान भारत के साथ यह तुलना हुई। अमेरिकी सीनेटरों ने इस बात की जांच की कि क्या अमेरिका को अपने रेगुलेटरी फ्रेमवर्क को मॉडर्न बनाना चाहिए ताकि क्वालिफाइड नॉन-बैंक पेमेंट कंपनियों को ट्रेडिशनल बैंकिंग इंटरमीडियरीज पर निर्भर रहने के बजाय फेडरल रिजर्व के पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर तक सीधी पहुंच मिल सके।

स्ट्राइप की वाइस चेयर एलीन ओमारा ने सीनेटरों को बताया कि जिन देशों ने पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच शुरू की है, वहां काफी इनोवेशन हुए हैं। इस दौरान उन्होंने ब्राजील और भारत दोनों का उदाहरण दिया।

उन्होंने कहा, 'ब्रिटेन ने 2017 में ऐसा किया, ईयू ने 2024 में और नतीजे असली हैं। हमने भारत में यूपीआई के साथ भी ठीक यही चीज और भी बड़े पैमाने पर होते देखा है। उन्होंने कहा कि हालांकि अमेरिका में फेडनाउ इंस्टेंट पेमेंट सिस्टम है, लेकिन इसमें ऊपर एक प्रोडक्ट लेयर की कमी है। ठीक वैसा ही जैसा स्ट्राइप जैसी पेमेंट कंपनियां बनाएंगी। इसमें डायरेक्ट एक्सेस हो जिससे इसे बड़े पैमाने पर अपनाया जा सके।

कांग्रेस की सदस्य रशीदा तलीब ने भारत की डिजिटल पेमेंट की सफलता पर जोर दिया। यूपीआई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसे नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया चलाता है और यह हर महीने अरबों ट्रांजेक्शन प्रोसेस करता है।

ओमारा ने कहा कि मौजूदा नियामक ढांचा इस आधार पर तैयार किया गया है कि कोई संस्था 'बैंक है या नहीं ', जबकि भुगतान (पेमेंट) कंपनियां एक अलग कारोबारी मॉडल पर काम करती हैं।

उन्होंने कहा, 'हम न तो लोगों की जमा राशि स्वीकार करते हैं और न ही ऋण देते हैं। हमारी मांग केवल इतनी है कि जिस प्रकार का काम और गतिविधि हम करते हैं, यानी भुगतान प्रसंस्करण (पेमेंट प्रोसेसिंग), उसी के अनुरूप हमारा नियमन किया जाए।

सिर्फ फल नहीं, जामुन के बीज भी हैं सेहत का खजाना, जानिए शरीर को कैसे पहुंचाते हैं फायदा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जामुन स्वाद में जितना अच्छा लगता है, उतना ही सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। ज्यादातर लोग जामुन खाकर उसके बीज फेंक देते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि जामुन के बीजों में भी कई ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर को फायदा पहुंचा सकते हैं। आयुर्वेद में सालों से जामुन के बीजों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। अब कई वैज्ञानिक रिसर्च में भी यह बात सामने आई है कि जामुन के बीज शरीर के कई कामों में मदद कर सकते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, जामुन के बीजों में पॉलीफेनॉल, फ्लेवोनॉयड्स, टैनिन और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। एंटीऑक्सीडेंट ऐसे तत्व होते हैं जो शरीर में बनने वाले हानिकारक फ्री रेडिकल्स को कम करनो में मदद करते हैं। फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और समय से पहले बुढ़ापा, सूजन और कई बीमारियों का खतरा बढ़ा सकते हैं।

जब शरीर को पर्याप्त एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं तो कोशिकाओं की सुरक्षा बेहतर होती है और शरीर की प्राकृतिक रक्षा प्रणाली मजबूत बनी रहती है।

जामुन के बीज ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मददगार होते हैं। कई रिसर्च में पाया गया है कि जामुन के बीजों में ऐसे तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर में शुगर बढ़ने की गति को धीमा करते हैं। जब हम खाना खाते हैं तो उसमें मौजूद शर्करा खून में पहुंचती है। जामुन के बीज इस प्रक्रिया को थोड़ा धीमा करने में मदद करते हैं। इससे खून में शुगर का स्तर अचानक बहुत तेजी से नहीं बढ़ता। हालांकि डायबिटीज के मरीजों को इसके चूर्ण का सेवन करने से डॉक्टरों की सलाह लेनी चाहिए।

जामुन के बीज पेट के लिए भी अच्छे माने जाते हैं। इनमें फाइबर होता है, जो भोजन को सही तरीके से पचाने में मदद करता है। फाइबर आंतों की सफाई में भी मदद करता है और कब्ज की परेशानी को कम करता है। जिन लोगों को पेट ठीक से साफ नहीं होता या बार-बार पाचन की समस्या रहती है, उनके लिए जामुन और उसके बीज फायदेमंद होते हैं।

जामुन के बीज शरीर में होने वाली सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं। कई बार शरीर के अंदर लंबे समय तक हल्की सूजन बनी रहती है, जिससे धीरे-धीरे दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं शुरू हो सकती हैं।

जामुन के बीजों में मौजूद कुछ प्राकृतिक तत्व इस सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

जामुन के बीज दिल को स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट खून की नसों को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। वहीं, जामुन में पाया जाने वाला पोटैशियम शरीर में नमक और पानी का संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, जिससे दिल पर भी कम दबाव पड़ता है।

एमओएसपीआई ने जीआरएएम के साथ की साझेदारी, एम्बार्क इंडिया डेवलपमेंट फेलोशिप प्रस्ताव के तहत नियुक्त होंगे दो फेलो

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने ग्रासरूट्स रिसर्च एंड एडवोकेसी मूवमेंट (जीआरएएम) के साथ एम्बार्क इंडिया डेवलपमेंट फेलोशिप प्रस्ताव के तहत दो फेलो की नियुक्ति के लिए एक स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट (एसओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में दी गई।

बयान में कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य फेलो के कौशल और विशेषज्ञता का उपयोग मंत्रालय के कार्यों में करना है, साथ ही उन्हें सार्वजनिक नीति और प्रशासन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना भी है।यह सहयोगी पहल मंत्रालय और जीआरएएम के बीच एक ऐसा मंच तैयार करेगी, जहां शोध-आधारित और प्रेरित युवा सीधे मंत्रालय के साथ काम करेंगे।

इस कार्यक्रम के तहत फेलो चल रही या नई परियोजनाओं में सहयोग करेंगे, शोध के माध्यम से नवाचारपूर्ण समाधान विकसित करने में योगदान देंगे और विकास, क्षमता निर्माण तथा प्रशासन से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान खोजने में मदद करेंगे।

एम्बार्क इंडिया डेवलपमेंट फेलोशिप (ईआईडीएफ) एक राष्ट्रीय नेतृत्व और क्षमता निर्माण कार्यक्रम है, जिसे जीआरएएम ने 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप शुरू किया है।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पेशेवरों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को सीधे सरकारी संस्थानों और विकास एजेंसियों से जोड़ना है, ताकि वे क्षमता निर्माण, प्रशासन और सार्वजनिक नीति से जुड़ी चुनौतियों पर काम कर सकें।

यह फेलोशिप कुल 18 महीनों की होगी, जिसमें 6 महीने की संस्थागत नियुक्ति (प्लेसमेंट) शामिल है। इस दौरान प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन और जमीनी स्तर पर डेटा एवं नीति संबंधी शोध का अवसर मिलेगा। फेलो सार्वजनिक वित्त, आर्थिक विकास, जन स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्य करेंगे। फेलोशिप के तहत चयनित उम्मीदवारों को प्रति माह 65,000 रुपए तक का स्टाइपेंड मिलेगा।

भारत ने इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों के लिए लॉन्च किया 'एयर सुविधा 2.0', इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्वास्थ्य निगरानी होगी और मजबूत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्रालय ने दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) के सहयोग से गुरुवार को 'एयर सुविधा 2.0' लॉन्च किया। यह पूरी तरह से कॉन्टैक्टलेस (बिना संपर्क वाला) और उन्नत पैसेंजर हेल्थ सेल्फ-डिक्लेरेशन पोर्टल है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी को और मजबूत बनाना है।

यह कदम इबोला बीमारी के मौजूदा प्रकोप को देखते हुए उठाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह नया प्लेटफॉर्म विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में इबोला/बुंडिबुग्यो वायरस बीमारी के प्रकोप को 17 मई को अंतरराष्ट्रीय चिंता की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति (पीएचईआईसी) घोषित किए जाने के बाद शुरू किया गया है। यह घोषणा अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम (आईएचआर) 2005 के तहत की गई थी।अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा प्रकोप की पुष्टि बुंडिबुग्यो वायरस डिजीज (बीवीडी) के रूप में हुई है। डब्ल्यूएचओ के ताजा आकलन के अनुसार, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा से सटे देशों, जैसे दक्षिण सूडान, को भी संक्रमण फैलने के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में रखा गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के सहयोग से विकसित इस पोर्टल के माध्यम से भारत आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को एक अनिवार्य ऑनलाइन हेल्थ सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म भरना होगा।

इबोला वायरस के बढ़ते मामलों के बीच भारत ने शुरू किया एयर सुविधा पोर्टल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इबोला वायरस का प्रकोप मध्य और पूर्वी अफ्रीका तक सीमित है। हालांकि, फ्रांस भी अलर्ट मोड पर आ चुका है। इबोला से प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों को लेकर भारत अलर्ट हो गया। इबोला से प्रभावित देशों से आने वाले या वहां से गुजरने वाले यात्रियों के लिए एयर सुविधा पोर्टल एक्टिव है।

यात्री उतरने से पहले जरूरी सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म (एसडीएफ) आसानी से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इससे पहले पेपर-बेस्ड प्रक्रिया फॉलो की जा रही थी।

सूत्रों के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा इबोला को अंतरराष्ट्रीय चिंता वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातस्थिति (पीएचईआईसी) घोषित किए जाने के बाद से यह व्यवस्था लागू है। इसके तहत प्रवेश बिंदुओं (एयरपोर्ट,

बंदरगाह आदि) पर स्वास्थ्य निगरानी को मजबूत करने के साथ-साथ यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के उपाय भी किए गए हैं।

फ्रांस ने पांच ऐसे लोगों की पहचान की है और उन्हें आइसोलेट किया है जो इबोला वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। ये लोग एक डॉक्टर के साथ फ्लाइट में सफर कर रहे थे, जिसका वायरस टेस्ट पॉजिटिव आया था।

फ्रांस की स्वास्थ्य मंत्री स्टेफनी रिस्ट ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि डॉक्टर ने फ्रांस लौटने से पहले डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में काम किया था।

मंत्री के अनुसार, मरीज एक अनुभवी डॉक्टर है जो एक मिशन से लौटे हैं, जिन्हें पता नहीं था कि उन्हें वायरस हो गया है। जब वह प्लेन में बैठे, तो उनमें कोई लक्षण नहीं था। वह एक डॉक्टर है और विमान में उन्हें सिरदर्द हुआ, इसलिए उन्होंने अलर्ट जारी किया ताकि पेरिस पहुंचने पर उनका ध्यान रखा जा सके।

जैसे ही उनकी फ्लाइट लैंड हुई, उन्हें हॉस्पिटल में आइसोलेशन में रखा गया। मंत्री ने आगे कहा कि वह 21 दिनों तक, जो कि इन्क्यूबेशन पीरियड का समय है, वहीं रहेंगे।

यूरोपीय सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन एंड कंट्रोल का अनुमान है कि यूरोप में रहने वाले लोगों के लिए संक्रमण का खतरा बहुत कम है।

इस बीच, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के 1,118 कन्फर्म मामले सामने आए हैं, जिनमें 291 मौतें शामिल हैं। डीआरसी सरकार ने इस बीमारी के फैलने के बाद ताजा स्थिति को लेकर अपडेट में कहा है।

क्या कम हो रही है आपकी सुनने की क्षमता? शरीर पहले ही देने लगता है ये संकेत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुनने की क्षमता कम होना केवल बढ़ती उम्र की समस्या नहीं है। आज के समय में तेज शोर, लंबे समय तक ईयरफोन का इस्तेमाल, कुछ बीमारियां और जीवनशैली से जुड़ी कई चीजें लोगों की सुनने की क्षमता पर असर डाल रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि सुनने की समस्या अक्सर धीरे-धीरे शुरू होती है। शुरुआत में व्यक्ति को लगता है कि आसपास बहुत शोर है या सामने वाला साफ नहीं बोल रहा, लेकिन असल में यह सुनने की क्षमता में आ रही कमी का संकेत हो

सकता है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग सालों तक इस समस्या को पहचान नहीं पाते और जब तक इलाज के बारे में सोचते हैं, तब तक परेशानी काफी बढ़ चुकी होती है।

वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, कान आवाज सुनने के साथ-साथ मस्तिष्क तक सही जानकारी पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब सुनने की क्षमता कम होने लगती है तो व्यक्ति बातचीत को समझने और लोगों से जुड़ने में मुश्किल होती है।

लंबे समय तक सुनने की समस्या को नजरअंदाज करने से तनाव, अकेलापन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों का खतरा बढ़ता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, सुनने की क्षमता कम होने का पहला संकेत होता है कि कई बार लोग आवाज तो सुन लेते हैं, लेकिन शब्दों को ठीक तरह से समझ नहीं पाते।

बीडब्लयूएफ यूएस ओपनः तन्वी, देविका, रौनक और श्रीकांत की जीत के साथ शुरुआत

विश्व केसरी

फुलरटन (यूएस)। वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा और थाईलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग ने गुरुवार ने 'यूएस ओपन' में शानदार शुरुआत करते हुए आसान जीत दर्ज की है।

विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में तन्वी ने जर्मनी की यवोन ली को 23-21, 21-16 से मात दी, जबकि देविका ने पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो को 21-14, 21-14 से हराया। उभरते हुए खिलाड़ी रौनक चौहान ने पूर्व वर्ल्ड जूनियर सिल्वर मेडलिस्ट एस. शंकर मुथुसामी को 23-21, 21-16 से हराया। इसके बाद पांचवीं वरीयता प्राप्त किदांबी श्रीकांत ने हमवतन डी. सनीथ के खिलाफ 21-14, 21-12 से जीत हासिल की। यह मुकाबला सिर्फ 30 मिनट तक चला।विमेंस सिंगल्स में रक्षिता श्री और मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव रावत और के. मनीषा की जोड़ी भी अगले दौर में पहुंच गई। रक्षिता ने चेक गणराज्य की टेरेजा स्वाबिकोवा को 21-15, 21-8 से शिकस्त दी, जबकि सातवीं वरीयता प्राप्त मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ध्रुव रावत और मनीषा ने इंडोनेशिया के विरवान एहसान एडम और सेरेना कानी को 26 मिनट तक चले मुकाबले में 21-15, 21-16 से मात दी।

पहले दिन, विमेंस डबल्स जोड़ी ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने स्पेन की पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिग्ज को मात देकर दूसरे दौर में जगह बनाते हुए अपने अभियान की विजयी शुरुआत की।

विमेंस डबल्स ड्रॉ में ट्रेसा और गायत्री ही एकमात्र भारतीय जोड़ी हैं। ट्रेसा के चोट से उबरने के लिए तीन महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद, यह जोड़ी इस महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया ओपन में वापसी कर चुकी थी।

मेंस डबल्स ड्रॉ में कोई भी भारतीय जोड़ी शामिल नहीं होगी, क्योंकि एशियन गेम्स के चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अभी खेल से दूर हैं। सात्विक इस महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया ओपन के दौरान लगी चोट से अभी भी उबर रहे हैं।

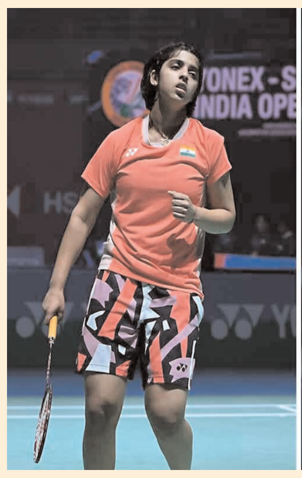

फीफा वर्ल्ड कपः स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराया, शीर्ष पर रहते हुए बनाई नॉकआउट स्टेज में जगह

विश्व केसरी

वैंकूवर । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप बी मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कनाडा को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ ही स्विट्जरलैंड ने ग्रुप बी में शीर्ष पर रहते हुए राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली है।

हार के बावजूद कनाडा की टीम भी नॉकआउट स्टेज में पहुंचने में सफल रही है। बीसी प्लेस स्टेडियम में खेला गया यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। दोनों ही टीमों ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। स्विट्जरलैंड और कनाडा की टीम ने कई मौके बनाए, लेकिन पहले हाफ में किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। दोनों ही टीमों का डिफेंस शुरुआती 45 मिनटों में बेहद मजबूत दिखाई दिया।

हालांकि, दूसरे हाफ के आगाज के साथ ही स्विट्जरलैंड ने मैच का पहला गोल दागा। रूबेन वर्गास ने बेहतरीन गोल करते हुए स्विट्जरलैंड को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई। टीम की इस बढ़त को जल्द ही 20 वर्षीय खिलाड़ी जोहान मंजाम्बी ने दोगुना कर दिया। मैच के 57वें मिनट में मंजाम्बी ने स्विट्जरलैंड की तरफ से दूसरा गोल किया और कनाडा को मुकाबले में बुरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। मंजाम्बी पूरे मुकाबले में शानदार लय में दिखाई दिए और उन्होंने कनाडा के डिफेंस के लिए खासी दिक्कतें पैदा कीं।

स्विट्जरलैंड की 2-0 की बढ़त को देखकर लग रहा था कि टीम आसानी से इस मुकाबले को अपने नाम करने में सफल रहेगी। हालांकि, मैच के 76वें मिनट में कनाडा ने मुकाबले में वापसी की। सबस्टिट्यूट खिलाड़ी के तौर पर मैदान में उतरे प्रॉमिस डेविड ने कनाडा के लिए पहला गोल किया और अचानक से मैच को बेहद रोमांचक बना दिया।

स्कोर 2-1 करने के बाद कनाडा ने बराबरी करने के काफी प्रयास किए, लेकिन स्विट्जरलैंड के मजबूत डिफेंस ने उन्हें कोई और मौका नहीं दिया।

स्विट्जरलैंड ने 3 मुकाबलों में 7 प्वाइंट अर्जित करते हुए नॉकआउट स्टेज में अपनी जगह बनाई और टीम ग्रुप बी में पहले स्थान पर रही। वहीं, कनाडा ने 3 मुकाबलों में 4 प्वाइंट के साथ राउंड ऑफ 32 का टिकट हासिल किया।

फीफा वर्ल्ड कपः मेक्सिको ने कटाया राउंड ऑफ 32 का टिकट, चेकिया को 3-0 से रौंदा

विश्व केसरी

मेक्सिको सिटी। सह-मेजबान मेक्सिको ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना ली है। ग्रुप एक के मुकाबले में मेक्सिको ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चेकिया को 3-0 से हराया।

मेक्सिको ने ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए नॉकआउट स्टेज में अपनी जगह बनाई है। यह पहला मौका है जब मेक्सिको ने वर्ल्ड कप में अपने तीनों ग्रुप-स्टेज मैच जीते हैं, और यह भी पहली बार है जब उन्होंने 1970 के बाद से अपने सभी ग्रुप-स्टेज गेम्स में क्लीन शीट रखी है। मेक्सिको सिटी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मेक्सिको की टीम शुरू से ही बेहतरीन लय में दिखाई दी। हालांकि, शुरुआत में चेकिया ने आक्रामक खेल दिखाया और कुछ मौके बनाए, लेकिन वे उन्हें गोल में तब्दील करने में नाकाम रहे। मैच के 8वें मिनट में डेनिस विसिंस्की ने एक अच्छा शॉट लगाया, जो गोल पोस्ट के ऊपर से चला गया।

इसके बाद मेक्सिको ने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण बना लिया। माटेओ शावेज ने शानदार खेल दिखाते हुए मैच का पहला गोल दागा।

उन्होंने राउल जिमेनेज के पास पर डिफेंस को पीछे छोड़ते हुए बेहतरीन गोल से टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई।

कोच शेली निट्स्के ने जताई उम्मीद, भारत के खिलाफ खेल सकती हैं फोएबे लिचफील्ड

विश्व केसरी

लंदन। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की कोच शेली निट्स्के ने भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में फोएबे लिचफील्ड की वापसी की उम्मीद जताई है। लिचफील्ड इंजरी की वजह से महिला टी20 विश्व कप 2026 में पिछले तीन मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं रही हैं।

लिचफील्ड 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 24 गेंदों में 50 रन की मैच जिताने वाली पारी के दौरान क्वाड में गंभीर चोट लगने के बाद ऑस्ट्रेलिया के पिछले तीन ग्रुप मैच नहीं खेल पाई हैं। बुधवार को क्रिकेट.डॉट.कॉम.एयू से बात करते हुए निट्स्के ने कन्फर्म किया कि उन्हें उम्मीद है कि लिचफील्ड भारत के खिलाफ सिलेक्शन के लिए उपलब्ध होंगी। निट्स्के ने कहा, 'मुझे लगता है कि लिचफील्ड बहुत अच्छा खेल रही हैं और उम्मीद है कि भारत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध होंगी।'

लिचफील्ड की गैरमौजूदगी में नंबर 3 पर एलिसा पेरी बल्लेबाजी कर रही हैं। लिचफील्ड अगर पूरी तरह से फिट होकर वापसी करती हैं, तो पेरी को दोबारा से नंबर चार की बैटिंग पोजीशन पर लौटना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ नंबर तीन पर खेलते हुए पेरी ने 48 गेंदों में 71 रनों की दमदार पारी खेली थी। लिचफील्ड की उपलब्धता पर आखिरी फैसला रविवार को भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लिया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया शुक्रवार को लॉर्ड्स में और शनिवार को वर्म्सली में ट्रेनिंग करेगा।

लिचफील्ड की वापसी पर लूसी हैमिल्टन को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जा सकता है। वहीं, हेड कोच निट्स्के ने यह भी कन्फर्म किया कि ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस को लॉर्ड्स में उनके अनुभव को देखते हुए वापस बुलाया जा सकता है। निट्स्के ने कहा, 'वह लंदन स्पिरिट के साथ लॉर्ड्स में काफी खेल चुकी हैं, इसलिए वह निश्चित रूप से प्लेइंग इलेवन में भी अपनी जगह बना सकती हैं।

वह वास्तव में अनलकी रही हैं, इसलिए हमारे पास निश्चित रूप से कुछ विकल्प मौजूद हैं।

रायन कुक ने नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम के हेड कोच पद से दिया इस्तीफा

विश्व केसरी

एम्स्टर्डम । नीदरलैंड्स पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच रायन कुक ने अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन (केएनसीबी) ने गुरुवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। कुक के इस फैसले के साथ उनका चार साल का सफल कार्यकाल समाप्त हो गया, जिसमें उन्होंने नीदरलैंड्स क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रायन कुक ने टीम का साथ ऐसे समय पर छोड़ा है, जब नीदरलैंड्स की टीम शानदार फॉर्म में है। टीम इस समय क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग-2 की अंक तालिका में 28 मैचों में 32 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बनी हुई है और आगामी बड़े टूर्नामेंटों के लिए मजबूत दावेदार मानी जा रही है।

साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर रायन कुक ने अपने इस्तीफे के पीछे पारिवारिक कारणों को मुख्य वजह बताया है। हाल ही में उनके दूसरे बच्चे का जन्म हुआ है और उनका मानना है कि हेड कोच की भूमिका में लगातार यात्रा और पूर्ण समय की प्रतिबद्धता की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि इस समय वह अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहते हैं। 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' की रिपोर्ट के अनुसार, टीम के बल्लेबाजी कोच हीनो कुह्न को फिलहाल अंतरिम हेड कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह आने वाले क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग-2 मुकाबलों में टीम की देखरेख करेंगे, जबकि केएनसीबी स्थायी कोच की तलाश शुरू करेगा। अपने विदाई संदेश में कुक ने कहा कि नीदरलैंड्स की पुरुष क्रिकेट टीम को कोचिंग देना उनके करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहा है। उन्होंने कहा कि टीम को पेशेवर स्तर पर आगे बढ़ाने और मजबूत संस्कृति विकसित करने में योगदान देना उनके लिए गर्व की बात है। 41 वर्षीय कुक ने मई 2022 में टीम की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में नीदरलैंड्स ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। टीम ने बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए क्वालिफाई किया ।

मनप्रीत सिंहः भारत के लिए सबसे अधिक मैच खेलने वाले हॉकी खिलाड़ी, 41 साल बाद देश को दिलाया ओलंपिक पदक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मनप्रीत सिंह की गिनती भारतीय हॉकी मेंस टीम के दिग्गज खिलाड़ियों में की जाती है। अपने इंटरनेशनल करियर में मनप्रीत उन उपलब्धियों को अपने नाम कर चुके हैं, जिसका सपना हर एक खिलाड़ी देखता है। मनप्रीत की कप्तानी में भारत ने साल 2021 (टोक्यो ओलंपिक 2020) में 41 साल का सूखा खत्म करते हुए ओलंपिक पदक जीता।

मनप्रीत का जन्म 26 जून, 1992 को पंजाब के जालंधर के पास मौजूद मीठापुर गांव में हुआ। मनप्रीत के बड़े भाई हॉकी खिलाड़ी थे, तो शुरुआत से ही उनका मन इस खेल में रम गया। हालांकि, मनप्रीत की मां नहीं चाहती थीं कि वह इस खेल में अपनी पहचान बनाए। मनप्रीत की मां हॉकी को एक खतरनाक खेल मानती थीं। हालांकि, अपने जिद, लगन और कड़ी मेहनत के दम पर मनप्रीत परिवार का विश्वास भी जीतने में सफल रहे। इसके बाद उनका दाखिला जालंधर परिवार ने सुरजीत हॉकी अकादमी में कराया और इसके बाद मनप्रीत ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

घरेलू स्तर पर अपने प्रदर्शन से धूम मचाने के बाद मनप्रीत ने टीम इंडिया की जर्सी में भी खूब नाम कमाया। साल 2014 में एशियाई खेलों में भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मनप्रीत का अहम रोल रहा। इसके अलावा 2017 में हुए एशिया कप में भी उनका प्रदर्शन दमदार रहा। 2023 और 2024 में हुए एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भी मनप्रीत ने अपने दमदार खेल के बूते भारतीय टीम को शानदार जीत दिलाई।

हालांकि, मनप्रीत के करियर की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि साल 2021 में आई। टोक्यो ओलंपिक में मनप्रीत ने अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को 41 साल बाद ओलंपिक पदक दिलाया। भारतीय टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता। 1980 के बाद ओलंपिक खेलों में भातर की झोली में यह पदक आया।

मनप्रीत भारत की ओर से सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी हैं। हाल ही में मनप्रीत ने भारत के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी दिलीप टर्की (412 मैच) का रिकॉर्ड तोड़ा।

फीफा वर्ल्ड कपः मेक्सिको ने कटाया राउंड ऑफ 32 का टिकट, चेकिया को 3-0 से रौंदा

विश्व केसरी

मेक्सिको सिटी। सह-मेजबान मेक्सिको ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना ली है। ग्रुप एक के मुकाबले में मेक्सिको ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चेकिया को 3-0 से हराया।

मेक्सिको ने ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए नॉकआउट स्टेज में अपनी जगह बनाई है। यह पहला मौका है जब मेक्सिको ने वर्ल्ड कप में अपने तीनों ग्रुप-स्टेज मैच जीते हैं, और यह भी पहली बार है जब उन्होंने 1970 के बाद से अपने सभी ग्रुप-स्टेज गेम्स में क्लीन शीट रखी है। मेक्सिको सिटी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मेक्सिको की टीम शुरू से ही बेहतरीन लय में दिखाई दी। हालांकि, शुरुआत में चेकिया ने आक्रामक खेल दिखाया और कुछ मौके बनाए, लेकिन वे उन्हें गोल में तब्दील करने में नाकाम रहे। मैच के 8वें मिनट में डेनिस विसिंस्की ने एक अच्छा शॉट लगाया, जो गोल पोस्ट के ऊपर से चला गया।

इसके बाद मेक्सिको ने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण बना लिया। माटेओ शावेज ने शानदार खेल दिखाते हुए मैच का पहला गोल दागा।

उन्होंने राउल जिमेनेज के पास पर डिफेंस को पीछे छोड़ते हुए बेहतरीन गोल से टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले गोल के कुछ ही मिनट बाद ही मेक्सिको ने अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया। जॉर्ज सांचेज के एक हमले के दौरान चेकिया के डिफेंस से गलत क्लीयरेंस हुआ, जिसका फायदा जूलियन क्विनोन्स ने उठाया और आसान फिनिश के साथ स्कोर 2-0 कर दिया।

दूसरे हाफ में भी मेक्सिको का दबदबा जारी रहा। मैच के 78वें मिनट में खास पल देखने को मिला जब अनुभवी गोलकीपर गुइलेर्मो ओचोआ को मैदान पर उतारा गया। यह उनके करियर का 153वां अंतरराष्ट्रीय मैच था और वह अपना छठा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। उनके मैदान पर आने पर दर्शकों ने जोरदार स्वागत किया। मुकाबले के स्टॉपेज टाइम में अल्वारो फिडाल्गो ने तीसरा गोल करते हुए मेक्सिको की बढ़त को 3-0 कर दिया। उन्होंने टॉप-लेफ्ट कॉर्नर में बेहतरीन शॉट लगाते हुए मेक्सिको की जीत पर मुहर लगा दी। हार के साथ ही चेकिया का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415